- समान प्रावधानों को रद्द करने के बाद वही सुधार कानून कैसे लागू हुआ : न्यायालय
- 7

- चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7 प्रतिशत बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये
- 10

- इस्लामाबाद में अदालत के बाहर आत्मघाती विस्फोट में 12 की मौत
- 11

- दिल्ली की टीम रणजी में 65 साल में पहली बार जम्मू कश्मीर से हारी
- 12

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.32

सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी 10:58 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 12 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 283, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

दिल्ली धमाके में जैश-ए-मोहम्मद का हाथ

पुलवामा से फरार उमर ने दो साथियों के साथ किया था आत्मघाती हमला, एनआईए करेगी जांच

फरीदाबाद की अल फलाह मेडिकल कॉलेज में कर रहा था काम, आतंकी मॉड्यूल से थे संबंध

नई दिल्ली/श्रीनगर, एजेंसी

एनआई ने मंगलवार को लाल किला विस्फोट मामले की जांच आतंकवादी हमले के रूप में शुरू कर दी है। मामले में दिल्ली पुलिस ने अपनी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंप दी। जिसमें जांच अधिकारियों ने दावा किया है कि यह एक आत्मघाती बम हमला था, जिसे आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े तीन लोगों ने अंजाम दिया था। जिसके बाद गृह मंत्रालय ने मामला एनआईए को सौंप दिया, जो अब जम्मू-कश्मीर और फरीदाबाद पुलिस के साथ समन्वय कर रही है। इस विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिस आई 20 कार में विस्फोट हुआ था उसे डॉ. उमर मोहम्मद चला रहा था, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दर्ज एक अलग मामले में पुलवामा से फरार चल रहा था। उमर, फरीदाबाद की अल फलाह मेडिकल कॉलेज में काम कर रहा था, जो आंतकवादी मॉड्यूल से जुड़ा था।

गृह मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फरीदाबाद में पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारियों के बाद डॉ. उमर ने घबराहट में हमले की योजना बनाई थी। वाहन को पुलवामा निवासी तारिक ने सलमान नाम के एक व्यक्ति से खरीदा था। तारिक ने इसे आमिर को बेच दिया, जिसने इसे डॉ. उमर को सौंप दिया, जो पुलवामा का ही रहने वाला है। सूत्रों का कहना है कि उमर ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कार में एक डेटोनेटर लगाया और एएनएफओ का इस्तेमाल करके आतंकी वारदात को अंजाम दिया। एनआईए मृतक कार सवार की पहचान की पुष्टि के लिए उसका डीएनए परीक्षण कराएगी। ऐसा माना जा रहा है कि उमर ही गाड़ी चला रहा था, लेकिन एजेंसियां विस्फोट के समय वाहन में मौजूद तीनों संदिग्धों की पहचान करने में जुटी हैं। सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने चार हजार सीसीटीवी कैमरों की जांच की। वहीं, जम्मू कश्मीर पुलिस ने उमर की मां का डीएनए नमूना लिया, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके। मामले में पुलिस ने डॉ. उमर के दोस्त डॉ. सज्जाद गिरफ्तार किया है, साथ ही उमर के भाई-पिता को हिरासत में लिया है।

नई दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी।

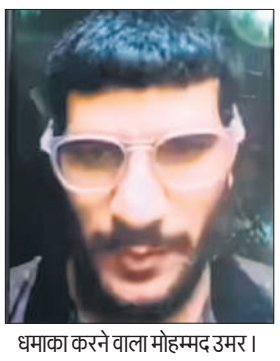

धमाका करने वाला मोहम्मद उमर।

धमाके में मरने वालों की संख्या 12 हुई

पुलिस जांच से उमर बदल रहा था ठिकाने

दिल्ली धमाके पर विशेष पेज-4 पर

धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल, कश्मीर में 4 हिरासत में

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से यह संकेत मिलता है कि लाल किले के पास हुए विस्फोट में संभवतः अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया है। विस्फोट और आतंकी मॉड्यूल की जांच जारी रहने के बीच अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के एक व्यक्ति तारिक को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसने उमर मोहम्मद को हुंदै आई20 कार दी थी। कश्मीर में छापेमारी के दौरान चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन चारों में से दो को दिल्ली विस्फोट और अंतर्राज्यीय आतंकी मॉड्यूल में उनकी भूमिका के आरोप में संयुक्त पूछताछ के लिए ले जाया गया है।

जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की प्रमुख थी लखनऊ की डॉ. शाहीन

जांच अधिकारियों के अनुसार, फरीदाबाद से गिरफ्तार शाहीन भारत में जैश-ए-मोहम्मद की महिला भर्ती शाखा का नेतृत्व कर रही थी। वह समूह की महिला शाखा जमात-उल-मोमिनात की प्रमुख थी। उमर भी अल फलाह से भी जुड़ा है तो आई20 कार चला रहा था जिसमें यह शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने शाहीन की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी जुटाने के लिए दस्तावेज एकत्र किये और परिवार के सदस्यों तथा पड़ोसियों से पूछताछ की।

धमाके में मरने वालों में यूपी के 5 लोग

लखनऊ। दिल्ली धमाके में जान गंवाने वालों में से पांच लोग यूपी के रहने वाले थे। इन पांच लोगों में दो अमरोहा जिले के अशोक, लोकेश, मेरठ के मोहसिन, श्रावस्ती के दिनेश और शामली के नोमान हैं। पुलिस की सूचना पर इनके परिजन दिल्ली पहुंचे। अमरोहा में हसनपुर तहसील के गांव मंगरोला निवासी डीटीसी के संविदा कर्मी अशोक और हसनपुर नगर निवासी खाद विक्रेता लोकेश अग्रवाल के शव पहुंचे तो कोहराम मच गया। लोकेश अस्पताल में अपनी समधन को देखने गए थे। उन्होंने दोस्त अशोक से मिलने को फोन किया। जब दोनों मिले तभी विस्फोट हो गया।

लखनऊ में डॉ. शाहीन के घर एटीएस की दबिश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली में भी हुई कार्रवाई, 7 धरे

अमृत विचार: दिल्ली धमाके के बाद यूपी एटीएस ने मंगलवार सुबह राजधानी समेत चार जिलों में छापेमारी शुरू की। एटीएस ने डॉ. शाहीन के घर भी दबिश दी। देर शाम तक हुई कार्रवाई में सात संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

उनसे अलग-अलग स्थानों पर पूछताछ की जा रही है। छापेमारी लखनऊ, सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर में हुई। वहीं, पूरे प्रदेश में धमाके के बाद हाई अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस व एटीएस की टीमें संदिग्धों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस मुख्यालय के अधिकारी के मुताबिक सहारनपुर में एटीएस ने डा. अदील अहमद के करीबी बताए जा रहे तीन लोगों को हिरासत में लिया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। वहीं, दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है। वहीं, लखनऊ के मड़ियांव स्थित आईआईएम रोड में डॉ. परवेज अहमद अंसारी के घर पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, एटीएस व कमिश्नरेट पुलिस ने छापा मारा।

गिरफ्तार डॉ. शाहीन डाक्टर का भाई है परवेज

एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लखनऊ के मड़ियांव इलाके में डा. परवेज के यहां छापेमारी की है। फरीदाबाद माड्यूल में एक दिन पहले ही गिरफ्तार डा. शाहीन शाहिद का डॉ. परवेज भाई बताया जा रहा है। घर छापेमारी के दौरान कोई मिला तो नहीं है लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने यहां के कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक साक्ष्य कब्जे में लिए हैं। डाक्टर के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है।

विस्फोट के साजिशकर्ताओं को नहीं बख्शेंगे : मोदी

थिंपू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की जांच कर रही एजेंसियां मामले की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के शिकंजे में लाया जाएगा। मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की घटना के मद्देनजर वह भारी मन से थिंपू आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सोमवार को पूरी रात विस्फोट की जांच कर रही एजेंसियों के संपर्क में रहे। मोदी ने कहा, भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। इसलिए, इस खास मौके का हिस्सा बनना भारत और मेरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने कहा, लेकिन आज मैं भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत दुखी किया है। मैं प्रभावित परिवारों का दुख समझता हूं।

एजेंसियां विस्फोट में संलिप्त हर दोषी की करेंगी तलाश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली विस्फोट मामले में संलिप्त प्रत्येक दोषी की तलाश करें। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट में संलिप्त सभी लोगों को सुरक्षा एजेंसियों के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। शाह ने यह निर्देश राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक सोमवार शाम हुए विस्फोट के मद्देनजर आयोजित दो सुरक्षा समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करने के बाद दिये। सूत्रों ने बताया कि पहली बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

ब्रीफ न्यूज

मुंबई के व्यवसायी को डिजिटल अरेस्ट कर 53 लाख रुपये ठगे

मुंबई। दक्षिण मुंबई के 60 वर्षीय एक व्यवसायी को साइबर ठगों ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों का वरिष्ठ अधिकारी होने का दावा करते हुए रात भर 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा और कथित तौर पर उससे 53 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ठगों ने व्यवसायी पर धनशोधन के एक मामले में संलिप्त होने का आरोप लगाया और यह कहते हुए उसे पूरी रात वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया कि अगले दिन अदालत में उसकी ऑनलाइन जमानत पर सुनवाई है तथा उसे उच्चतम न्यायालय का एक फर्जी नोटिस भी जारी किया।

सबरीमला मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष एन वासु गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की छानबीन कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एन वासु को गिरफ्तार कर लिया। वावासु टीडीबी के अध्यक्ष नियुक्त होने से पहले दो बार इसके आयुक्त भी रह चुके थे। राज्य सरकार के शीर्ष नेतृत्व के कथित करीबी वासु की गिरफ्तारी इस मामले की सबसे चर्चित गिरफ्तारियों में से एक है। केरल उच्च न्यायालय एसआईटी जांच की निगरानी कर रहा है।

वंदे मातरम् का विरोध करने वालों को पहचानिए : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बाराबंकी

- मुख्यमंत्री बाराबंकी में सरदार पटेल जयंती समारोह व एकता दौड़ में हुए शामिल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भी कुछ लोग है- रहेंगे हिंदुस्तान में, खाएंगे हिंदुस्तान में, लेकिन 'वंदे मातरम्' नहीं गाएंगें। हमें उनकी मंशा को समझना होगा। उन्होंने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि इन चेहरों को पहचानो, जो शासकीय योजना में हड़पने की होड़ में पहली लाइन में खड़े होते हैं, लेकिन जब वंदे मातरम् गान की बात होती है तो कहते हैं कि हम नहीं गाएंगे। उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी नहीं चाहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल को उचित सम्मान मिले।

मुख्यमंत्री मंगलवार को बाराबंकी में लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती समारोह और एकता दौड़ (रन फॉर यूनिटी) में शामिल होने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसके पहले उन्होंने 1,734 करोड़ की 254 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए। योगी ने कहा कि वंदे मातरम् का विरोध भारत माता का विरोध है। राष्ट्रगीत किसी मजहब, जाति या उपासना विधि के प्रति आग्रह नहीं करता, बल्कि यह भारत माता की वंदना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक मेंथा पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% किया है, जिससे बाराबंकी और आसपास के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा सहित कई किसानों के कार्यों की सराहना की।

बाराबंकी में पटेल की 150वीं जयंती समारोह में वंदे मातरम का गायन करते सीएम योगी।

काशी की तर्ज पर बनेगा महादेवा कॉरिडोर

योगी ने कहा कि राज्य सरकार बाबा लोधेश्वर नाथ की पावन धरा को श्री काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर महादेवा कॉरिडोर में बदलने जा रही है। हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की हवेली को भव्य स्पोर्ट्स म्यूजियम के रूप में विकसित किया जाएगा। रामसनेही घाट के कंदई गांव में 232 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक जिले में कम से कम 100 एकड़ भूमि पर सरदार पटेल इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लॉयमेंट ज़ोन स्थापित किए जाएंगे।

भारत पर शुल्क घटाएंगे ट्रंप, कहा-ट्रेड डील जल्द

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ न्यायसंगत व्यापार समझौते पर पहुंचने के काफी करीब है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) को एक समय कम कर देंगे।

यह दो हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर मुहर लगने की उम्मीद जताई है। ट्रंप ने कहा, हम भारत के साथ एक समझौता कर रहे हैं, यह पहले की तुलना में बहुत अलग है। इसलिए अभी वे मुझे पसंद नहीं करते लेकिन वे हमें फिर से पसंद करेंगे। उन्होंने ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उपराष्ट्रपति वेंस ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के न राजदूत के रूप में शपथ दिलाई। ट्रंप ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार बताते हुए कहा कि मोदी के साथ अमेरिका के शानदार संबंध हैं।

- कहा- भारत के साथ व्यापार समझौता करने के बेहद करीब है अमेरिका
- प्रेसिडेंट बोले- भारतीयों को मुझसे अभी प्यार नहीं, लेकिन फिर से करने लगेंगे

एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100%, मूलधन में 25% तक छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बिजली बिल को लेकर दी बड़ी राहत

अमृत विचार: राज्य सरकार ने बिजली बिल के मद्देनजर बकाया धनराशि को एक मुश्त जमा करने पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत और मूलधन में 25 प्रतिशत तक छूट देने का निर्णय लिया है। इस योजना से एक ओर जहां सरकारी खजाने में भारी राजस्व की वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उत्तर प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के हित में निर्णय लेते हुए बिजली बिल राहत योजना 2025 लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत कभी न भुगतान करने वाले और लंबे समय से बिल न भरने वाले उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी। एके शर्मा ने यह घोषणा मंगलवार को यहां एक प्रेसवार्ता में की।

बिहार चुनाव | मैट्रिज के सर्वेक्षण के अनुसार राजग को 147 से 167 सीटें, महागठबंधन को 70 से 90 सीटें

एग्जिट पोल में राजग को प्रचंड बहुमत, महागठबंधन पिछड़ा

- पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकता है राजग : चाणक्या स्ट्रेटजीज

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में संभावना जताई गई है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रचंड बहुमत के साथ एक बार फिर सरकार बना सकता है।

यदि असल नतीजे भी चुनाव बाद आए इन सर्वेक्षणों के आंकड़ों की तरह रहते हैं तो एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के 'महागठबंधन' के लिए सत्ता दूर की कौड़ी साबित होगी। बिहार में मतदान संपन्न होने के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षण एजेंसियों के एग्जिट पोल में राजग को बड़ी जीत मिलने की भविष्यवाणी की गई है।

'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, राजग 147 से 167 सीटों के साथ दो तिहाई बहुमत का आंकड़ा हासिल कर सकता है। महागठबंधन को 70 से 90 सीटें मिल सकती हैं। दैनिक भास्कर के सर्वेक्षण में कहा गया है कि राजग को 145 से 160 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 73 से 91 सीटें ही मिलने का अनुमान है। 'पीपुल्स पल्स' के एग्जिट पोल में राजग को 133 से 159 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 75 से 101 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है। 'चाणक्या स्ट्रेटजीज' ने राजग 130 से 138 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकता है, जबकि महागठबंधन को 100 से 108 सीटों के साथ एक बार विपक्ष में बैठना पड़ सकता है। जेवीसी ने राजग को 135-150 और महागठबंधन को 88-103 सीटें बताई हैं।

एजेंसी	राजग	महागठबंधन
मैट्रिज	147-167	70-90
चाणक्या स्ट्रेटजीज	100-138	100-108
भास्कर	145-160	73-91
पीपुल्स प्लस	133-159	75-101
जेवीसी	135-150	88-103

दूसरे चरण में रिकॉर्ड 67.14 % मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को रिकॉर्ड 67.14 % मतदान दर्ज किया गया। यह अब तक का सबसे अधिक मतदान % है। इस चुनाव को राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक 67.14 % मतदान दर्ज किया गया, जो छह नवंबर को पहले चरण में हुए 'रिकॉर्ड' 65.09 % मतदान से लगभग दो फीसदी अधिक है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 12 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

उर्वरक की कमी नहीं होने दी जाएगी : शाही

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में मंगलवार को विधानसभा स्थित नवीन भवन में उर्वरक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मंत्री ने कहा, राज्य सरकार निरंतर भारत सरकार के संपर्क में रहकर उर्वरकों की आपूर्ति को सुचारू बनाए हुए है और किसानों को किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान समय में 12.68 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.87 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4.11 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 2.74 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 0.85 लाख मीट्रिक टन एमओपी उर्वरक कृषकों के क्रय के लिए उपलब्ध है।

सचिवालय सेवा के 54 अधिकारी प्रोन्नत

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने उप्र. सचिवालय सेवा के 54 समीक्षा अधिकारियों को प्रोन्नत किया है। सभी को उनकी वर्तमान तैनाती के विभाग में ही अनुभाग अधिकारी के पद पर पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल 10 में नियमित पदोन्नति का आदेश जारी कर दिया गया है। यह आदेश तात्कालिक प्रभाव से लागू होगा। प्रोन्नत समीक्षाधिकारी पर्यावरण, एमएसएमई, आवास एवं शहरी नियोजन, कृषि, खाद्य एवं रसद, लोक निर्माण विभाग, न्याय, लोक निर्माण, गृह विभाग, सतर्कता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, नगर विकास, समेत अन्य विभागों में कार्यरत हैं।

राज्य मंत्री ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य मंत्री (चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य) मयंकश्वर शरण सिंह ने मंगलवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में अमेठी के तिलोई स्थित निर्माणाधीन स्वशासी मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज अमेठी के निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। राज्य मंत्री ने बैठक में मेडिकल कॉलेज के अकादमिक ब्लॉक, हॉस्टल, ऑडिटोरियम, ऑपरेशन थिएटर, लेक्चर थिएटर, फैकल्टी आवास आदि के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कॉलेज के निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

चारबाग स्टेशन से हत्यारोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एसटीएफ ने चारबाग रेलवे स्टेशन से इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया बदमाश प्रतापगढ़ के सांगीपुर में अधिवक्ता भानु पांडेय की हत्या का आरोपी है। उस पर प्रतापगढ़ पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गिरफ्तारी के समय वह ट्रेन से भागने के फिराक में था। एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी सच्चिदानंद पांडेय प्रतापगढ़ के सांगीपुर स्थित बवारिहा पहाड़पुर का रहने वाला है।

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा

अमृत विचार, उन्नाव : अचलगंज थाना क्षेत्र के कस्बा के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति व महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि 21 दिसंबर 2018 की रात 9 बजे उसकी 11 वर्षीय बेटी व महिला की 13 वर्षीय नातिन को पीतांबरखेड़ा मोहल्ला निवासी विजय पासी व जगन्नाथ उर्फ जगन पासी बहला फुसलाकर ले गए थे। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश रवि प्रकाश साहू ने जगन्नाथ उर्फ जगन पासी को दुष्कर्म का दोष सिद्ध होने पर 10 साल की सजा और अगवा करने वाले विजय को 3 साल की सजा के आदेश दिये।

राम मंदिर पर 25 को ध्वज चढ़ाएंगे मोदी व भागवत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 25 नवंबर को मंदिर पर ध्वज चढ़ाया जाएगा। यह इस बात का प्रतीक है कि मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है। जिस ऊंचाई तक ध्वज को ले जाना है, वो जमीन से लगभग 190 फीट ऊंचा है। ध्वज का आकार तय हो चुका है। आरोहण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ. मोहन भागवत द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहेंगे।

महासचिव ने अनुरोध किया है कि सभी लोग 24 नवंबर की शाम तक आ जाएं। 8 बजे से मंदिर परिसर में प्रवेश करना होगा। 9 बजे के आसपास परिसर के भीतर प्रवेश बंद हो जाएंगे। ध्वजारोहण का आयोजन 2 बजे तक पूरा हो जाएगा। 25 जनवरी को रामजन्म भूमि के दर्शन की अनुमति अन्य किसी को नहीं होगी।

सहारा सिटी में बन सकता है प्रदेश का नया विधान भवन

मुख्यमंत्री योगी के समक्ष जल्द किया जाएगा परियोजना का प्रस्तुतिकरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलते ही नए बजट में किया जाएगा धन का आवंटन

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ के शहरी भूगोल में बड़ा बदलाव तय है। सरकार नए विधानसभा भवन के निर्माण के लिए गोमतीनगर स्थित सहारा सिटी की भूमि को प्राथमिकता देते हुए हरी झंडी देने की तैयारी में है। परियोजना को लेकर विस्तृत प्रेजेंटेशन तैयार हो रहा है, इसे जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलते ही नए बजट में धनावंटन होगा।

हाल ही में नगर निगम ने सहारा सिटी की लगभग 170 एकड़ जमीन की लीज अवधि समाप्त होने के बाद उसे रद्द कर दिया था। साथ ही लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने भी परिसर की लगभग 75 एकड़ जमीन की लीज को भी रद्द किया है। इन दोनों को मिलाकर लगभग 245 एकड़ की जमीन इस क्षेत्र में मौजूद है। यह जमीन अब राज्य सरकार के नियंत्रण में आ चुकी है। सहारा समूह द्वारा विकसित यह परियोजना वर्षों से अधूरी पड़ी थी और विवादों में फंसी थी। शासन स्तर पर लीज समाप्ति के बाद इस क्षेत्र को सार्वजनिक प्रयोजन के लिए मुक्त घोषित करने की कार्रवाई की गई। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की ओर से अरसे से तलाशी जा रही नई विधानसभा परिसर निर्माण के लिए यह जमीन उपयुक्त पाई गई है।

गोमतीनगर का यह इलाका पहले से शहर का सबसे विकसित क्षेत्र माना जाता है। ट्रैफिक, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिहाज से यह सचिवालय, हाईकोर्ट और हाइवे के समीप स्थित है। यहां से सीएम आवास तक एलीवेटेड रोड भी बनाने का प्रस्ताव है, साथ ही मेट्रो ट्रेन कनेक्टिविटी भी होगी। नया विधानसभा भवन बनने से यह क्षेत्र राजधानी का नया प्रशासनिक हब बन सकता है।

विधान भवन होगा अत्याधुनिक और हरित : नए विधान भवन को 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' की दृष्टि से डिजिटल, ऊर्जा-कुशल और तकनीक-समर्थ संस्थान के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। भवन में स्मार्ट लाइटिंग, सोलर एनर्जी सिस्टम, वर्चुअल वोटिंग हॉल और ई-दस्तावेज प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रस्तावित हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह भवन उत्तर प्रदेश की विधायी गतिविधियों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप एकीकृत रूप देगा। 30 एकड़ में मल्टी-एक्टिविटी स्टेडियम बनाने का भी सुझाव है।

तीन विभागों ने बनाई रिपोर्ट

आवास विभाग, एलडीए और राजस्व विभाग के संयुक्त दल ने भूमि की स्थिति, स्वामित्व, अधिग्रहण और निर्माण संभावनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। इसी रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अगले सप्ताह परियोजना का मास्टर प्लान प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें प्रस्तावित भवन का आकार, सत्र हॉल, समिति कक्ष, मंत्रिपरिषद कार्यालय, मीडिया सेंटर, डिजिटल गैलरी और हरित भवन की विशेषताओं का खाका शामिल होगा।

50 प्रतिशत भी गणना प्रपत्र नहीं वितरित कर सके 13 जिले

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सख्त हिदायत देते हुए चार दिन का दिया वक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

अमृत विचार : प्रदेश में ऐसे 13 जिले चिन्हित किए गए हैं, जहां 50 प्रतिशत से कम गणना प्रपत्र का वितरण किया गया है। इन जिलों में कानपुर नगर, मुरादाबाद, महोबा, कानपुर देहात, आगरा, उन्नाव, जौनपुर, लखनऊ, अमरोहा, वाराणसी, मिर्जापुर, देवरिया और रायबरेली शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इन जिलों को सख्त हिदायत देते हुए गणना प्रपत्र शत-प्रतिशत वितरित करने के लिए चार दिन का वक्त दिया है। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र वितरण की बूथवार समीक्षा करते हुए यथासंभव 15 नवंबर तक गणना प्रपत्र शत-प्रतिशत वितरित कर दें।

- कानपुर नगर, मुरादाबाद, महोबा, कानपुर देहात, आगरा, उन्नाव, जौनपुर, लखनऊ, अमरोहा, वाराणसी, मिर्जापुर, देवरिया और रायबरेली शामिल

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश में हो रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मंगलवार को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। समीक्षा में यह पाया गया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया और आयोग के निर्देशों की जानकारी दे दी है। समीक्षा में पाया गया कि राज्य में कुल 15.44 करोड़ के सापेक्ष अबतक 9.38 करोड़ मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किये जा चुके हैं।

दीपाली निगम का कार्य रहा सराहनीय

लखनऊ में विधानसभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के बूथ नं.85 की बीएलओ सुश्री दीपाली निगम ने अपने बूथ पर लगभग 75 प्रतिशत मतदाताओं की 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग कर ली है। इनका कार्य अत्यंत सराहनीय पाया गया। ऐसे सराहनीय कार्य करने वाले सभी बीएलओ को प्रोत्साहित करते हुए अधिक से अधिक मतदाताओं को मैपिंग कराए जाने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिये गए।

ठंड में बसों की यात्रा सुरक्षित करें अफसर

अमृत विचार, लखनऊ : परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने शरद ऋतु और ठंड के मौसम में बसों के सुरक्षित संचालन को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस मौसम में कोहरा, फिसलन और दृश्यता की कमी के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए परिवहन निगम को बसों की तकनीकी जांच और चालकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी बसों में हेडलाइट, बैकलाइट, इंडिकेटर, साइड मिरर, हार्न, वाइपर और शीशे पूरी तरह कार्यरत हों। बसों पर रेट्रोरिफ्लेक्टिव टेप लगे हों और सभी वाहनों में ऑल-वेदर बल्ब, अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध कराई जाए।

राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में यूपी को मिली नई पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मीरजापुर बना देश का सर्वश्रेष्ठ जिला आगरा नगर निगम को मिला तीसरा स्थान

अमृत विचार : केंद्र सरकार द्वारा घोषित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 में उत्तर प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा घोषित इन पुरस्कारों में मीरजापुर जिले को उत्तर जोन में सर्वश्रेष्ठ जिला घोषित किया गया है, जबकि आगरा नगर निगम को सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय श्रेणी में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे व्यापक कार्यों और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों का प्रमाण मानी जा रही है। राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह 18 नवंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेताओं को सम्मानित करेंगी।

इस वर्ष देशभर से 751 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें से 46 विजेताओं का चयन हुआ। इनमें उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन नीति, नवाचार और जनसहभागिता के आधार पर सबसे प्रभावी माना गया है।

आगरा ने दिखाया शहरी जल प्रबंधन का स्मार्ट मॉडल : आगरा नगर निगम ने शहरी जल प्रबंधन में नवाचार पेश करते हुए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से पुनर्चक्रित जल का उपयोग पार्कों और औद्योगिक इकाइयों में शुरू किया है। स्मार्ट मीटरिंग और लीकेज ट्रैकिंग सिस्टम जैसी तकनीकों से जल अपव्यय में कमी आई है। 'हर घर नल योजना' से शहर के हजारों घरों में पेयजल आपूर्ति में सुधार हुआ है।

पश्चिमांचल में सबसे ज्यादा निवेश प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

जीबीसी-5

- बुंदेलखंड और पूर्वांचल में सुस्ती, जबकि सस्ती जमीन दे रही सरकार

अमृत विचार : औद्योगिक विकास विभाग की महत्वाकांक्षी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी)-5 के लिए प्रदेशभर से निवेश प्रस्तावों की अंतिम गणना में पश्चिमांचल एक बार फिर आगे रहा।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को अब तक मिले प्रस्तावों में पश्चिमी यूपी से सबसे ज्यादा निवेश परियोजनाएं, जबकि बुंदेलखंड और पूर्वांचल से सबसे कम प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। औद्योगिक और लॉजिस्टिक सुविधाओं के बेहतर नेटवर्क, जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी के चलते पश्चिमांचल में निवेशकों ने इस बार भी सबसे अधिक रुचि दिखाई है। यूपीसीडा के अनुसार, पश्चिमांचल के जिलों से 2815 निवेश परियोजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जबकि बुंदेलखंड से केवल 111 और पूर्वांचल से 374 प्रस्ताव आए हैं। मध्यांचल के लिए 476 प्रस्ताव दर्ज किए गए हैं।

योगी सरकार पूर्वांचल और बुंदेलखंड को औद्योगिक निवेश के नए केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विशेष रियायतें दे रही है। यहां निवेशकों को सिर्फ 2000 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से भूमि उपलब्ध कराई जा रही है। मध्यांचल में यह दर 2500 रुपये और पश्चिमांचल में 3000 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय की गई है। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश सरकार पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं पूरी कर चुकी है।

हो रहा सत्यापन, जल्द तैयार होगी सूची

यूपीसीडा और इन्वेस्ट यूपी की टीमें अब इन प्रस्तावों का सत्यापन कार्य कर रही हैं। अब तक लगभग तीन लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सत्यापित किए जा चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सत्यापन पूरा होते ही निवेशकों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

संवाद लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक : महाना

हरियाणा से आए समिति के सदस्यों से मिलते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

अमृत विचार, लखनऊ : हरियाणा विधानसभा की लोक उपक्रम समिति के सदस्यों ने मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात की। इस दौरान महाना ने कहा कि विधानमंडलों के बीच अध्ययन व संवाद लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का प्रतीक हैं। हरियाणा विधानसभा की लोक उपक्रम समिति के सभापति राम कुमार गौतम के नेतृत्व में आए इस दल में प्रमुख रूप से गीता भुक्कल और बलवान सिंह दौलतपुरिया सदस्य के रूप में मुख्य रूप से शामिल हैं।

पांच जिलों में 864 करोड़ की छह परियोजनाएं रेरा की बैठक में मंजूर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बरेली में दो व लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, नोएडा में एक-एक परियोजना स्वीकृत, 1470 इकाई होंगी विकसित

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने मंगलवार को लखनऊ मुख्यालय पर प्राधिकरण की 188वीं बैठक में लखनऊ, बरेली, कानपुर, गौतमबुद्ध नगर व वाराणसी में छह परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन पांच जिलों में 863.94 करोड़ के निवेश से 1,470 वाणिज्यिक और आवासीय इकाइयां विकसित की जाएंगी।

बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों के साथ परियोजनाओं का प्रस्ताव व प्रस्तुतिकरण देखा और विकसित करने की मंजूरी दी है। इसमें जरी-जरदोजी और फर्नीचर उद्योग के लिए प्रसिद्ध बरेली में दो परियोजनाएं, औद्योगिक केंद्र कानपुर नगर में एक परियोजना, गौतमबुद्ध नगर के नोएडा, लखनऊ और वाराणसी में एक-एक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इनमें बिल्डरों की अधिकांश परियोजनाएं आवासीय हैं, जबकि व्यावसायिक परियोजनाएं लखनऊ और नोएडा की हैं।

लखनऊ की एक परियोजना में 136.94 करोड़ का निवेश, वाराणसी की एक परियोजना में 48.94 करोड़, कानपुर नगर की परियोजना में 173.64 करोड़, बरेली की दो परियोजनाओं में 60.42 करोड़ और नोएडा की एक परियोजना में सर्वाधिक 444 करोड़ के निवेश से 1,470 व्यावसायिक व आवासीय इकाइयां विकसित की जाएंगी। इस प्रकार रियल एस्टेट क्षेत्र में लगभग 864 करोड़ का निवेश करके इन्हें तैयार किया जाएगा।

सहकारी चीनी मिलों में गन्ना पेराई लटकी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गन्ना पेराई सत्र 2025-26 की औपचारिक शुरुआत के बाद भी 101 चीनी मिलों में पेराई का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। किसानों का कहना है कि गन्ना मिलों में पेराई से देरी से समय से खेत खाली नहीं हो पाते और गेहूं की बुवाई पिछड़ जाती है। अभी तक 21 मिलों में पेराई शुरू हुआ है, जिसमें 20 निजी क्षेत्र की है, जबकि सहकारी मिलों में मरम्मत और तैयारी, कहीं बजट तो कहीं कुप्रबंधन में लटकी हुई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हैं, जिनमें लगभग 23 सहकारी और 99 निजी क्षेत्र की हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अगले एक सप्ताह में सभी सरकारी मिलें भी पेराई शुरू कर देंगी।

सपा ने रखा विजन इंडिया का प्रारूप

देश को नई सोच और प्रगतिशील इरादों की जरूरत : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पत्रकारों को जानकारी देते सपा प्रमुख।

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को 'विजन इंडिया' का प्रारूप रखते हुए कहा कि देश में विभाजनकारी और पुरातनपंथी ताकतों से निबटने के लिए नई सोच और प्रगतिशील इरादों के साथ युवा भारत को आगे लाना है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के सोच में सहिष्णुता प्रेम और सम्मान है। वह दयालु और प्रगतिपंथी है।

अखिलेश यादव ने घोषणा की कि विजन इंडिया, स्टार्टअप समिट की पहली बैठक इस वर्ष 16 नवंबर को ताज बंगलोर, बेंगलुरू, कर्नाटक में होगी। इसके मुख्य समन्वयक राजीव राय सांसद होंगे और मुख्य संयोजक पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्र होंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत एक ऐसा देश बन गया है, जहां लोगों को हर कदम पर मुश्किलों और संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए हमने एक रास्ता सोचा है विजन इंडिया, जो हमें एक सकारात्मक, यथार्थवादी, प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाएगा। इस मौके पर पार्टी मुख्यालय लखनऊ में पत्रकारों से वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि स्टार्टअप योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश से सपा सरकार में हुई थी।

इस अवसर पर शिवपाल सिंह यादव राष्ट्रीय महासचिव, माता प्रसाद पांडेय नेता विरोधी दल विधानसभा, लाल बिहारी यादव नेता विपक्ष विधान परिषद, राजीव राय सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री बलराम यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री अभिषेक मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आदि की मौजूदगी रही।

नागरिक स्वयं कर सकेंगे संपत्ति मूल्यांकन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग ने दर सूची का किया सरलीकरण

अमृत विचार : स्टाम्प तथा पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रचलित दर सूचियों में सुधार, सरलीकरण और मानकीकरण के क्रम में एकीकृत दर सूची प्रारूप तैयार किया गया है। इस नई व्यवस्था से अब पूरे राज्य में एकरूप, सरल दर सूची प्रारूप लागू होगा, जिससे आम नागरिक बिना किसी तकनीकी सहायता के अपनी संपत्ति के मूल्यांकन एवं स्टाम्प शुल्क के आगणन में सक्षम हो सकेंगे।

मंत्री ने विधानसभा कक्ष संख्या-80 में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि अब प्रदेश के सभी उपनिबन्धक कार्यालयों में भिन्न-भिन्न प्रारूपों की जगह एक समान दर सूची लागू की जाएगी। इस नई दर सूची में नगरीय, अर्द्धनगरीय और ग्रामीण तीन शीर्षकों के अंतर्गत पूरा क्षेत्राधिकार को 15 श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिससे वर्ष 2013 से प्रभावी जटिल दर सूची की विसंगतियों का समाधान किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि दर सूची के सरलीकरण में कृषक, अकृषक और वाणिज्यिक भूखण्डों के लिए पृथक-पृथक श्रेणियां बनाई गई हैं, ताकि मूल्यांकन अधिक यथार्थ और पारदर्शी हो सके। सड़क से करीब और सड़क से दूर स्थित भूखण्डों के मूल्यांकन के लिए स्पष्ट व्यवस्था की गई है, जिससे अनावश्यक अदालती मुकदमों और आपसी विवादों की संभावनाएं समाप्त होंगी।

मंत्री जायसवाल ने कहा कि मूल्यांकन प्रणाली में कृषि फार्म, अर्द्ध-वाणिज्यिक, आवासीय वाणिज्यिक, मिश्रित सम्पत्ति, एकल वाणिज्यिक अधिष्ठान, होटल, अस्पताल, पेट्रोल पंप, सिनेमाहॉल, कोचिंग सेन्टर आदि के लिए पृथक दरें निर्धारित की गई हैं। साथ ही, निर्माण की अवधि के आधार पर 20 से 50 प्रतिशत तक मूल्यह्रास की सरल व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि वृक्षों के मूल्यांकन के लिए भी पूरे प्रदेश में एक समान मानक लागू किया गया है, जिससे वृक्षों की आयु के अनुसार मूल्यांकन होगा।

विश्व निमोनिया दिवस आज | **जागरूकता के लिए 28 फरवरी तक चलेगा विशेष अभियान 'सांस'**

प्रदेश में हर वर्ष 17.5 प्रतिशत बच्चों की निमोनिया से मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों और बुजुर्गों को जोखिम अधिक

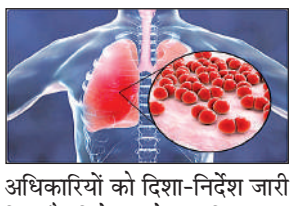

अमृत विचार : प्रदेश में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 17.5 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु का कारण निमोनिया है। जागरुकता की कमी के कारण बच्चे निमोनिया की चपेट में आते हैं। लोगों को निमोनिया के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से हर वर्ष 12 नवंबर को विश्व निमोनिया दिवस मनाया जाता है। वहीं, प्रदेश में तीन माह तक जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का नाम ''सांस'' रखा गया है। इस संबंध में मंगलवार को मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने सभी संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशक के मुताबिक, 28 फरवरी 2026 तक चलने वाले अभियान ''सांस'' की शुरुआत प्रदेश भर में विश्व निमोनिया दिवस पर बुधवार से होगी।

महाप्रबंधक (बाल स्वास्थ्य) डॉ. मिलिंद वर्धन ने बताया कि कार्यक्रम को तीन माह तक अभियान के रूप में चलाने का उद्देश्य यह है कि सर्दियों के दौरान ठंडी और नम हवा वायरस व बैक्टीरिया के पनपने के लिए अनुकूल होती है। अभियान की टैगलाइन ''निमोनिया नहीं तो बचपन सही'' निमोनिया-मुक्त बचपन के महत्व को रेखांकित करती है। केजीएमयू के पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर वेद प्रकाश ने बताया कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में निमोनिया पांच वर्ष से कम आयु वाले बच्चों में और 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों में अधिक होता है। विश्वभर में एक वर्ष में करीब 45 करोड़ लोग इसकी चपेट में आते हैं, जिनमें से 25 लाख लोगों की जान जा रही है।

बीमारी के लक्षण

- शिशु और बच्चे : तेज सांस चलना, खाने-पीने से मना करना, बुखार, खांसी, बेचैनी और होंठ या नाखूनों का नीला पड़ना।
- बुजुर्ग : वृद्ध लोगों में बुखार या खांसी न होने पर भी अचानक भ्रम, चक्कर आना, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इसके कारण निमोनिया की ओर लोगों का ध्यान नहीं जाता और बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती जाती है।

बचने के उपाय

- बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं और नंगे पांव न चलने दें।
- धुएं से बचें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, घर के वायु प्रदूषण में कमी से निमोनिया से मृत्यु दर में कमी आती है।
- बच्चे को छह माह तक केवल स्तनपान कराएं, फिर पूरक आहार शुरू करें।
- बच्चे को समय पर विटामिन ए की खुराक दें, जिससे उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

न्यूज ब्रीफ

सीओ शोहरतगढ़ ने पैदल गश्त किया

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी द्वारा दिल्ली में हुई विस्फोट की घटना के दृष्टिगत सुरक्षा एवं सतर्कता को सुदृढ़ बनायें रखने हेतु थाना शोहरतगढ़ पुलिस के साथ पैदल गश्त कर संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु/वाहनों की चेकिंग किया गया। वहीं सुरक्षा के दृष्टिगत आपसी सहयोग व समन्वय हेतु नगरवासियों के साथ वार्ता की गयीं।

आज चलेंगी पूजा विशेष गाड़ियां

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 12 नवम्बर को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से पूजा विशेष गाड़ियां चलाई जाएंगी। 05131 गोरखपुर-बहराइच, 03132 गोरखपुर-सियालदह, 05064 मऊ-कोलकाता, 05132 बहराइच-गोरखपुर, 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, 05005 बढ़नी-अमृतसर, 01416 गोरखपुर-पुणे, 03216 थावे-पटना और 01432 गाजीपुर सिटी-पुणे पूजा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।

कार की ठोकर से घायल अधेड़ की मौत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र शिवनगर डिड़ई क्षेत्र अन्तर्गत कटबंध पेट्रोल पम्प के समीप कार की ठोकर से घायल बाइक सवार की इलाज के दौरान बस्ती अस्पताल में मौत हो गई। वहीं छोटे बच्चे के साथ पीछे बैठी 27 वर्षीय गोल्डी दूबे भी गम्भीर रूप से घायल हैं। घटना मंगलवार पूर्वान्ह लगभग 10 की है। बांसी कोतवाली क्षेत्र के रमवापुर दूबे निवासी कृष्ण धर दूबे उर्फ भैरो धर (51) अपनी बेटी गोल्डी की एक वर्षीय बच्ची का रुधौली से इलाज करवाकर वापस लौट रहे थे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को करें प्रशिक्षित : आनंदी बेन

राज्यपाल ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में आंगनबाड़ी संशाधन किट व लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरण करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

अमृत विचार। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी संशाधन किट का वितरण किया। राज्यपाल ने सिद्धार्थनगर और संत कबीर नगर की पांच-पांच आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्री स्कूल किट एवं मेडिकल किट दिया। इसके अलावा विभिन्न योजनाओं के दो-दो लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा दो लाभार्थियों को पोषण पोटली तथा टी.बी. रोगी दो मरीजों को निक्षय पोटली का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केन्द्र सेखाजोत, आंगनबाड़ी केन्द्र महदेवा कुर्मी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र रमवापुर के बच्चों द्वारा गीत, नृत्य एवं अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अपने संबोधन में राज्यपाल ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना की। बच्चों की प्रतिभा को पहचानें। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चें के खाने, सोचने, बैठने एवं अन्य गतिविधियां सिखाई जाती हैं। केन्द्रो पर बच्चे नियमित आएं। जो किट आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दिया गया है उन्हे उपयोग करने के लिए बच्चों को ग्रुप में बांटकर अलग-अलग गतिविधि कराई जाए। जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि बच्चों को अच्छे ढंग से पढ़ाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित कराएं। बच्चों को योग व्यायाम भी सिखाया जाए। केन्द्रों पर भोजन अच्छा एवं गुणवत्तापूर्ण बनना चाहिए।

राज्यपाल ने अधिकारियों को भेंट कीं पुस्तकें

सांसद जगदम्बिका पाल, विधायक श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने राज्यपाल को सामूहिक रूप से स्मृति चिन्ह भेट किया। जबकि राज्यपाल ने राजभवन से जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर एवं मुख्य विकास अधिकारी सन्तकबीर नगर को 100-100 किताबें भेंट कीं। इसके अलावा राज्यपाल ने स्वरचित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसन्द है' भी दोनों अधिकारियों को प्रदान की।

किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं

9-15 वर्ष की बच्चियों को एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं, जिससे सर्वाइकल कैंसर से बचाया जा सके। इसमें 2 वैक्सीन 6 माह के अन्तराल पर लगना है। प्रधानमंत्री ने भारत को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया गया है। उ0प्र0 4 लाख टी.बी. मरीज ठीक हुए है। पोषण पोटली का वितरण किया जाता है।

जिले में 3140 आंगनबाड़ी केंद्र

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 3140 आंगनबाड़ी केन्द्र हैं। जिसमें 376000 बच्चे पंजीकृत हैं। सीआरएस मद से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्री स्कूल किट का वितरण कराया गया है। सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र योजना के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम बनाये जाने के लिए 100 आरओ, 100 ईसीसीई किट, 86 एलईडी टी.वी., 121 रेनवाटर हार्वेस्टिंग और 100 पोषण वाटिका का निर्माण कराया गया है।

इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु प्रो. कविता शाह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सन्तकबीर नगर जयकेश त्रिपाठी, सीएमओ डा. रजत कुमार चौरसिया, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञान प्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ सतीश सिंह, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव सहित अन्य अधिकारी व आगंनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहीं।

फसल नष्ट करने और धमकी देने पर केस दर्ज

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली पुलिस ने खेत में बोई गई सरसों की फसल को नष्ट करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सरैया निवासी पौहारी सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने अपनी माता फूलमती के नाम से जोरवा गांव स्थित भूमि रामलाल से खरीदी थी, जिसका खारिज-दाखिल भी हो चुका है। पीड़ित के अनुसार, 25 अक्टूबर की सुबह उसने उक्त भूमि पर सरसों की बुवाई की थी। आरोप है कि उसी दिन गांव के ही यशोदानंद और गिरिजा शंकर ने फसल में जहरीली दवा का छिड़काव कर नष्ट कर दिया। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे से हमला करने का प्रयास किया। किसी तरह वे जान बचाकर मौके से भाग निकले। कोतवाल पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

नगर पालिका में विकास कार्य ठप सभासदों ने किया धरना-प्रदर्शन

संतकबीरनगर

अमृत विचार। नगर पालिका खलीलाबाद के मुख्य गेट पर मंगलवार को सभासदों ने वार्डों में विकास कार्य न होने के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। इस दौरान नगर पालिका कार्यालय का कामकाज ठप रहा। करीब आधे दिन तक चले धरने के बाद चेयरमैन जगत जायसवाल, एसडीएम सदर अरुण कुमार और ईओ अवधेश कुमार के साथ हुई लंबी वार्ता के बाद धरना समाप्त हुआ। वार्ता में सभासदों ने सहमति जताई कि बजट प्राप्त होते ही सभी वार्डों में विकास कार्य कराए जाएंगे। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्यों में विलंब या बाधा हुई तो आंदोलन दोबारा किया जाएगा। सभासदों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका बोर्ड की बैठकें बार-बार स्थगित की जा रही हैं, जिससे वार्डों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और स्थानीय नागरिकों में रोष व्याप्त है।

> आपसी संवाद की कमी के कारण सभी के बीच मनमुटाव पैदा हो गया था। हमारी अनुपस्थिति और कुछ प्रशासनिक अधिकारियों से न मिल पाने के कारण सभासदों में आक्रोश था। अब संवाद की कमी दूर हो गई है।
> **जगत जायसवाल,** चेयरमैन, नगर पालिका खलीलाबाद

29 साल पुरानी अपील पर बेंच ने दिया विभाजित निर्णय

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- **इलाहाबाद हाईकोर्ट के इतिहास में संभवत : पहली बार ऐसा हुआ**

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इतिहास में संभवतः पहली बार खंडपीठ ने किसी मामले में विभाजित निर्णय सुनाया है। सोमवार को फतेहपुर के अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा द्वारा दाखिल 29 वर्ष पुरानी आपराधिक अपील पर विभाजित निर्णय सुनाया गया। शैलेंद्र को वर्ष 1991 में अपनी पत्नी सुनीता देवी की हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने कहा कि अभियोजन पक्ष हत्या के आरोप को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा और अपीलकर्ता को बरी कर दिया। जबकि न्यायमूर्ति संदीप जैन ने साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए दोषसिद्धि बरकरार रखी और शैलेंद्र को आजीवन कारावास की सजा भुगतने के लिए एक महीने के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दोनों न्यायाधीशों के मतभेद के कारण मामला अब सीआरपीसी की धारा 392 के तहत तीसरे न्यायाधीश को संदर्भित करने के लिए मुख्य न्यायाधीश को भेजा गया है। शैलेंद्र मिश्रा ने फतेहपुर के अपर सत्र न्यायाधीश के अप्रैल 1996 के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें 26 जुलाई 1991 को अपनी पत्नी सुनीता की गोली मारकर हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। अभियोजन के अनुसार सुनीता देवी की पहली शादी शैलेंद्र के बड़े भाई से हुई थी, जिनकी मृत्यु विमान दुर्घटना में हो गई थी। वायुसेना से सुनीता को लगभग दो लाख रुपये का मुआवजा मिला। बाद में सुनीता देवी और शैलेंद्र का विवाह हो गया। शादी के बाद शैलेंद्र लगातार पत्नी पर धनराशि और संपत्ति अपने नाम करने का दबाव डालते रहे। 26 जुलाई 1991 को जब सुनीता ने यह मांग ठुकराई तो शैलेंद्र ने कथित रूप से नजदीक से गोली मार दी। एफआईआर मृतका के भाई द्वारा दर्ज कराई गई थी। जिसमें कहा गया कि गोली की आवाज सुनकर वह मौके पर पहुंचे और आरोपी को भागते देखा। घायल सुनीता देवी ने अस्पताल ले जाते समय बयान दिया कि उसे पति ने गोली मारी थी। बचाव पक्ष ने दावा किया कि मृतका के अन्य व्यक्ति से संबंध थे और कहानी बाद में गढ़ी गई। हालांकि न्यायमूर्ति जैन ने अभियोजन साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए कहा कि हत्या संदेह से परे साबित है। जबकि न्यायमूर्ति राय ने साक्ष्यों को अविश्वसनीय मानते हुए आरोपी को संदेह का लाभ दिया। अब मुख्य न्यायाधीश इस मामले में तीसरे न्यायाधीश को नामित करेंगे, जो अंतिम निर्णय सुनाएंगे।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन ने ली न्यायाधीश पद की शपथ

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन ने मंगलवार को शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस नियुक्ति के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 110 हो गई है, जबकि स्वीकृत पद 160 हैं। न्यायमूर्ति श्रीधरन इससे पहले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सेवारत थे। केंद्र सरकार ने 19 अक्टूबर 2025 को उनके इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थानांतरण की अधिसूचना जारी की थी।

वाराणसी में अधिग्रहीत भवनों पर लगाए लाल निशान, दुकानदारों ने किया विरोध

संवाददाता, वाराणसी

अमृत विचार: दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण को लेकर मंगलवार को वाराणसी में तनाव और विरोध का माहौल देखने को मिला। दुकानदारों के विरोध के बीच प्रशासनिक टीम ने अधिग्रहीत भवनों पर लाल निशान लगाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

अपर जिलाधिकारी नगर आलोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी, पीडीए और नगर निगम की संयुक्त टीम सुबह से ही दालमंडी पहुंची। जैसे ही टीम ने लाल निशान लगाने का काम शुरू किया, दुकानदारों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास की सभी दुकानों को बंद करा दिया गया था। प्रशासन ने साफ किया कि परियोजना में किसी भी तरह की देरी नहीं होगी और कार्य नियमानुसार जारी रहेगा। लक्ष्मी कटरा क्षेत्र में तीसरे दिन भी ध्वस्तीकरण का काम जारी रहा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, करीब 221 करोड़ रुपये की लागत से 650 मीटर लंबे दालमंडी मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत कुल 184 भवनों को अधिग्रहीत किया गया है, जिनमें से कई पर अब लाल निशान लगाए जा चुके हैं। दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण का उद्देश्य पुरानी गलियों में ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करना और क्षेत्र को व्यवस्थित व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। हालांकि, स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त मुआवजा और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं दी गई, जिसके कारण वे इस कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं।

पीआरडी जवानों ने निकाला मार्च पास्ट

संतकबीरनगर, अमृत विचार। राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों द्वारा भव्य मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर मार्च पास्ट को रवाना किया। मार्च पास्ट कलेक्ट्रेट परिसर से कांशीराम स्पोर्ट्स स्टेडियम तक निकाला गया। इस दौरान पीआरडी के दो प्लाटूनों का नेतृत्व क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी रितेश वर्मा ने किया। डीएम आलोक कुमार ने मार्च पास्ट में शामिल सभी जवानों को शुभकामनाएं दी।

बिना लाइसेंस के मेडिकल स्टोर चलाने के मामले में दोषी को कोर्ट ने सुनाई सजा

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। बिना लाइसेंस मेडिकल स्टोर संचालित करने के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्पेशल कोर्ट ने गुप्ता मेडिकल स्टोर, हरिहरपुर के संचालक आरोपी पवन कुमार गुप्ता को दोषी पाया है। कोर्ट ने उनकी जेल में बिताई अवधि की सजा सुनाते हुए 15 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। निर्धारित जुर्माना अदा न करने की स्थिति में आरोपी को तीन माह की अतिरिक्त सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) विवेक प्रताप सिंह ने बताया कि यह मामला औषधि निरीक्षक सीमा वर्मा, बस्ती (अतिरिक्त प्रभार संतकबीरनगर) द्वारा दर्ज कराया गया था। उनके अनुसार, 22 नवम्बर 2017 को जिलाधिकारी के निर्देश पर औषधि निरीक्षक सूर्य प्रकाश गौतम, उपनिरीक्षक राजकुमार पांडेय और राजेंद्र सिंह यादव के साथ मिलकर मेसर्स गुप्ता मेडिकल स्टोर, हरिहरपुर (थाना महुली) पर आकस्मिक छापा मारा गया। छापे के दौरान स्टोर पर बिना लाइसेंस एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाओं का भंडारण और विक्रय करते पाया गया। मौके पर मौजूद व्यक्ति ने अपना नाम पवन कुमार गुप्ता पुत्र घूरे राम गुप्ता, निवासी वार्ड नंबर 5, इंदिरा नगर, नगर पंचायत हरिहरपुर बताया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसके पास मेडिकल स्टोर चलाने का कोई लाइसेंस नहीं है। मामले की विवेचना पूरी होने पर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद एडीजे स्पेशल कोर्ट रमेश दुबे ने आरोपी पवन कुमार गुप्ता को दोषसिद्ध मानते हुए यह सजा सुनाई।

सपा नेता ने बूथों का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा मशाल ने मतदाता पुनरीक्षण प्रपत्र वितरण को लेकर शोहरतगढ़ विधानसभा के विभिन्न बूथों का दौरा किया। मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र के सभी 410 बूथों के बीएनओ से संपर्क कर प्रत्येक मतदाता तक गणना प्रपत्र पहुंचाना व उसे भरकर जमा किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। 4 नवंबर को शुरू किए गए इस अभियान के तहत अब तक समाजवादी पार्टी के सेक्टर प्रभारियों को 2003 के वोटरलिस्ट की छाया प्रति और पीडीएफ कॉपी उपलब्ध कराई जा रही है।

दुकान में घुसकर महिला ने की तोड़फोड़, मुकदमा दर्ज

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बनकटवा -बरईपार गांव निवासी महिला दुकानदार की तहरीर पर पुलिस ने मंगलवार को दुकान में घुसकर तोड़फोड़ करने और धमकी देने के मामले में आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में पीड़ित प्रीति चौधरी पत्नी सुनील चौधरी निवासी बनकटवा -बरईपार गांव ने दी तहरीर में बताया कि उनकी स्वास्तिक आर्टिफिशियल ज्वेलरी नाम से एक दुकान आजाद मार्केट में समय मंदिर के सामने स्थित है। 10 अक्तूबर 2025 की शाम लगभग 5 बजे, बाईपास की रहने वाली प्रीति त्रिपाठी पत्नी नन्हे किसी पुराने लेन-देन के विवाद को लेकर दुकान पर पहुंची। दुकान पर वह मौजूद नहीं थी। इसी दौरान प्रीति त्रिपाठी ने दुकान के स्टाफ से गाली-गलौज करते हुए दुकान का सामान बाहर फेंककर तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक खलीलाबाद पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है।

महिला हॉकी खिलाड़ी का चयन

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का क्रम जारी है। इसी क्रम में, सैंटियागो, चिली में 25 नवंबर से 13 दिसंबर 2025 तक आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी संघ एफ.आई.एच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप-2025 हेतु पूर्वोत्तर रेलवे की महिला हॉकी खिलाड़ी हिना बानो का चयन हुआ है। हिना बानो के इस चयन पर पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष अभय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह एवं सहायक क्रीड़ा अधिकारी चन्द्र विजय सिंह तथा हॉकी कोच सदाब खान, अन्नु विश्वास, मुक्ता बारला एवं नरसा से जुड़े हुए अन्य पदाधिकारियों तथा खेल प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनायें दी।

द्वाबा महोत्सव को मिली हरी झंडी, 14 से 18 नवंबर तक होगा भव्य आयोजन

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा तहसील के द्वाबा क्षेत्र में प्रस्तावित द्वाबा महोत्सव-2025 के आयोजन को संस्कृति एवं पर्यटन विभाग से हरी झंडी मिल गई है। शासन ने इस सांस्कृतिक आयोजन के लिए 20 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक गणेश चंद्र चौहान एवं जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में महोत्सव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था और विभागीय जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डीएम आलोक कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महोत्सव को सुरक्षित, भव्य और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने में कोई कमी न रहे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन 14 से 18 नवंबर 2025 तक मानसिंह बाग, धनघटा में किया जाएगा। महोत्सव में विभिन्न विभागों की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के प्रचार हेतु सूचना एवं जागरूकता स्टॉल भी लगाए जाने के निर्देश दिए। डीएम आलोक कुमार ने सभी विभागों को अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम और सीओ धनघटा को महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग इस सांस्कृतिक पर्व से जुड़ें और द्वाबा की लोकसंस्कृति को नई पहचान मिले।

कार्यक्रम सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर हुआ आयोजन

सरदार पटेल भारत की अखंडता के प्रतीक

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। डुमरियागंज सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को रन फॉर यूनिटी के तहत एकता पद यात्रा निकाली गई। इस दौरान पूरे नगर में राष्ट्रप्रेम और एकता का माहौल दिखाई दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी रहीं। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में एकता पद यात्रा का शुभारंभ शाहपुर स्थित हिंदू भवन से हुआ। यात्रा शाहपुर चौराहा, राप्ती नदी, खीरा मंडी, मंदिर चौराहा और बैदौला चौराहा होते हुए भटंगवा शिव मंदिर पहुंची, जहां एकता सभा के साथ इसका समापन किया गया। मुख्य अतिथि के संबोधन और सामूहिक सहभोज के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों को सामाजिक एकता की शपथ भी दिलाई गई। बड़ी संख्या में लोग तिरंगा हाथ में लिए पद यात्रा में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी। अमृत विचार

मुख्य अतिथि ने कहा कि भाजपा पूरे देश में सरदार पटेल की जयंती विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मना रही है। सरदार पटेल भारत की अखंडता के प्रतीक हैं और वर्तमान पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। सुरक्षा और सुचारु संचालन को लेकर एसडीएम राजेश कुमार, नायब तहसीलदार विष्णु प्रसाद सिंह, सीओ बृजेश कुमार वर्मा और प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव पुलिस टीम के साथ लगातार निगरानी में जुटे रहे। इस दौरान नरेंद्रमणि त्रिपाठी, डा. दशरथ चौधरी, लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश वर्मा, धर्मराज वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, गौरीशंकर त्रिपाठी, दिलीप पाण्डेय, लालजी शुक्ला, अभिषेक युवराज, संतोष पासवान, अमरेंद्र त्रिपाठी, रमेशधर द्विवेदी, अवधेश चौधरी, राजकुमार चौधरी, संतोष अग्रहरि सहित कई लोग मौजूद रहे।

देश की अखंडता के सजग प्रहरी थे पटेल : अष्टभुजा

संतकबीरनगर, अमृत विचार। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जन्म जयंती पर भाजपाइयों ने मेंहदावल से बखिरा तक एकता पदयात्रा निकाल देश की एकता व अखंडता को मजबूत रखने का संकल्प लिया। वहीं, लोगों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान की सराहना की। एकता यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अष्टभुजा प्रसाद शुक्ल ने कहा कि सरदार पटेल अखंड भारत के वास्तविक शिल्पी और प्रहरी थे। उन्होंने देश की एकता को मजबूत करने को लेकर सार्थक प्रयास किया। मेंहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सरदार पटेल के योगदान का पूरा देश साक्षी है। उन्होंने देश को एकजुट व मजबूत करने को लेकर जो संघर्ष किया, उसका परिणाम है की देश हर विधा में आज सशक्त व मजबूत है। भाजपा जिलाध्यक्ष नीतू सिंह, मेंहदावल के पूर्व विधायक राकेश सिंह बघेल भी अपने विचार रखे।

रेल कर्मियों को किया गया सम्मानित

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक सभाकक्ष में मंगलवार को महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने संरक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 11 कर्मचारियों को 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। माह जून के पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में नानपारा स्टेशन पर काटाँवाला के पद पर कार्यरत कर्मचारी मोहित कुमार शुक्ला, पिपराईच स्टेशन पर ई.एस.एम-।। के पद पर कार्यरत मोहन लाल, अमलोरी सरसर स्टेशन पर गेटमैन के पद पर कार्यरत ओम प्रकाश कुमार, तकनीशियन के पद पर कार्यरत जितेन्द्र कुमार को पुरस्कृत किया गया। माह जुलाई के पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं में मनकापुर स्टेशन के निकट समपार संख्या-243 सी पर गेटमैन के पद कार्यरत छोटे लाल शर्मा, पचरूखी स्टेशन के निकट समपार संख्या-83 सी पर गेटमैन के पद पर कार्यरत मोहम्मद दिलावर हुसैन, गैंग संख्या-09 में टैक मेंटेनर के पद पर कानपुर अनवरगंज में कार्यरत अतर सिंह, लखनऊ जं0 स्टेशन पर संयुक्त क्रू लॉबी में लोको पायलट के पद पर कार्यरत समता कुमारी एवं सहायक लोको पायलट अमित कुमार दूबे, सीवान स्टेशन पर कांटावाला के पद पर कार्यरत नेहाल अहमद, पूरनपुर स्टेशन पर तकनीशियन के पद पर कार्यरत लाल बहादुर को सम्मानित किया गया। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 12 नवंबर 2025

लखनऊ

नफासत के शहर में दहशतगर्दों का ठिकाना

20 वर्षों में हो चुकी हैं आठ आतंकी घटनाएं, कई हुए ढेर, एटीएस ने आईएसआई एजेंट और आतंकियों के खिलाफ की है कार्रवाई

इंद्रभूषण दुबे, लखनऊ

अमृत विचार: नफासत व मेहमान नवाजी के लिए अपनी अलग पहचान रखने वाला अदब का शहर लखनऊ अब दहशतगर्दों का नया ठिकाना बनती जा रही है। शहर में पिछले 20 वर्षों में आठ से अधिक आतंकी घटनाएं हो चुकी है। दर्जनों आतंकी दबोचे गए और कुछ को एटीएस ने मुठभेड़ में मार गिराया। कुछ स्थानों पर एसटीएफ ने खालिस्तान समर्थक आतंकियों को भी ढेर किया है। इन आतंकियों ने राजधानी को सुरक्षित ठिकाना बनाकर आसपास के जिलों में स्थित धार्मिक स्थालों को निशाना बनाने का प्रयास भी किया है।

काकोरी स्थित हाजी कालोनी में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आठ मार्च 2017 को आईएसआई से जुड़े आतंकी सैफुल्ला को मार गिराया था। कानपुर का निवासी सैफुल्ला यहां किराये के मकान में अपना ठिकाना बनाए था। उसके कमरे से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ था। बाद में एटीएस ने प्रदेश में सक्रिय उसके कई साथियों को भी दबोचा था। इसी तरह 12 अगस्त, 2008 को एसटीएफ ने जमात-उल-मुजाहिद्दीन के आतंकी मु. मसरूर को लखनऊ से गिरफ्तार किया था। मसरूर यहां चारबाग स्थित रेलवे क्वार्टर में छिपकर रहता था और लालबाग स्थित शीशे के शोरूम में नाम बदलकर काम कर रहा था। एटीएस ने एक आतंकी संगठन को असलहे सप्लाई करने के आरोप में माडल हाउस निवासी इजहार खान को पकड़ा था। तब पुलिस ने आरोपित इजहार के कैसरबाग व अमीनाबाद क्षेत्र के निवासी एक दर्जन साथियों व मददगारों को चिह्नित कर गिरफ्तार किया था।

एटीएस ने सितंबर 2007 में सिमी के सक्रिय सदस्य शहबाज अहमद को मौलवीगंज से गिरफ्तार किया। वह इलाके में एक एजेंसी का संचालन करता था। आरोपी शहबाज का नाम जयपुर में हुए बम धमाके में सामने आया था। वर्ष 2006 में कैंट क्षेत्र में पकड़ा गया आईएसआई एजेंट लारेब खान यहां आइटी चौराहे के पास एक प्लेसमेंट एजेंसी का संचालन कर रहा था।

आईआईएम रोड मुतक्कीपुर में घर के छापे के दौरान भरी आंखों से खिड़की से बाहर देखते डॉ. शाहीन शाहिद के पिता।

शहर में पीएफआई का भी रहा बड़ा केंद्र

- एनआईए, एटीएस, एसटीएफ व अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए पीएफआई के बड़े नेटवर्क को राजधानी में तोड़ा था। एजेंसियों ने पीएफआई सदस्य मोइद हाशमी और मुहम्मद आबिद गिरफ्तार। राठ हमीरपुर का मोईद हाशमी कैसरबाग से गिरफ्तार किया था। गुडंबा इलाके से मुहम्मद आबिद गिरफ्तार किया। आरोपियों से भड़काऊ, आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किये थे। करीब सात लोग गिरफ्तार हुए हैं। कृष्णानगर से दिलशाद पकड़ा गया है। जो सीएए हिंसा में शामिल था। इसके अलावा बीकेटी के अचरामऊ से मो. फैजान, सूफियान, रेहान को दबोचा गया। सभी पीएफआई के सक्रिय सदस्य थे। जो देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। वहीं, 27 सितंबर 2022 को पीएफआई से मोईद हाशमी, मुहम्मद आबिद, रेहान, फैजान, सूफियान को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया।

राजधानी में अब तक ये दहशतगर्द पकड़े गए

- 21 मई 2005 : एसटीएफ ने लश्कर-ए-तोयबा के सदस्य सादात रशीद व इरफान को पकड़ा।
- 28 दिसंबर 2006 : कैसरबाग में आईएसआई एजेंट अब्दुल शकूर व अदील पकड़े गए।
- 23 जून 2007 : हूजी का एरिया कमांडर बाबू भाई व उसका साथी नौशाद पकड़ा गया था।
- 27 जुलाई 2007 : इंडस्ट्रियल एरिया से आतंकी नूर इस्लाम की निशानदेही पर आरडीएक्स व डेटोनेटर बरामद हुए थे।
- 16 नवंबर 2007 : एसटीएफ ने जैश-ए-मुहम्मद के तीन आतंकियों को पकड़ा था।
- 16 नवंबर 2009 : पुलिस ने पुराने लखनऊ से पाकिस्तान के जासूस आमिर अली को पकड़ा था।

"जमात-उल-मोमिनात" के महिला विंग की इंडिया हेड थी डॉ. शाहीन शाहिद

- **अमृत विचार, लखनऊ :** सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक डा. शाहीन पर जैश-ए-मोहम्मद के महिला विंग "जमात-उल-मोमिनात" की इंडिया हेड होने की बात सामने आई है। एजेंसियों के मुताबिक वह भारत में महिलाओं को आतंकी संगठन से जोड़ने का काम करती थी। उसकी कार से एके45 राइफल, तीन मैगजीन, पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। कार अल फलाह यूनिवर्सिटी परिसर से मिली, जहां उसका साथी डा. मुजम्मिल कार्यरत थे।

डॉ. शाहीन की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में हुई थी डॉ. मुजम्मिल से दोस्ती

- **अमृत विचार, लखनऊ :** दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए काल धमाके में लखनऊ के कैसरबाग स्थित खंदारी बाजार के भाई-बहन का कनेक्शन सामने आया। इसमें डॉ. शाहीन शाहिद और उसका भाई डा.परवेज शामिल है। डॉ. शाहीन का 30 अक्टूबर को गिरफ़्तार किए गए आतंकी डॉ. मुजम्मिल से प्रेम संबंध थे। दोनों का ताल्लुक फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी में हुआ। दोनों यहीं पर काम करते थे। एटीएस उनके रिश्तों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। डॉ. शाहीन शाहिद का नाम फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी शैक्षणिक प्रोजेक्ट या स्वास्थ्य सेवा से संबंधित भूमिका में थीं। हालांकि, पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या यूनिवर्सिटी के माध्यम से भी किसी तरह का आतंकी फंडिंग नेटवर्क संचालित किया जा रहा था या नहीं। शाहीन लंबे समय से संदिग्ध लोगों के संपर्क में थी और कई बार जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के बीच यात्रा कर चुकी थी। जांच एजेंसियां अब उसके मोबाइल डेटा, बैंकिंग रिकॉर्ड और विदेशी कॉल डिटेल्स की जांच पड़ताल कर रही हैं, ताकि नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जा सके।

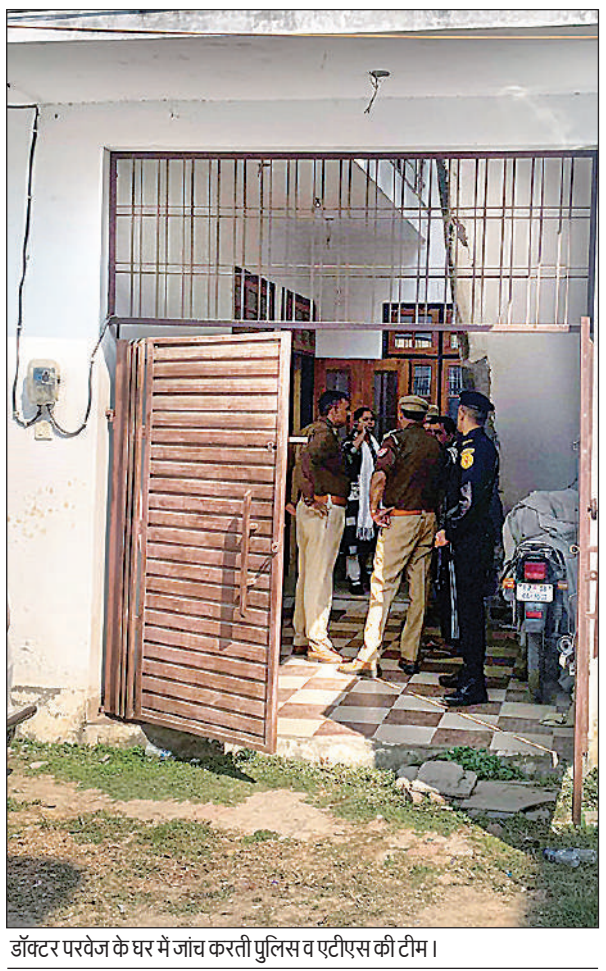

डॉक्टर परवेज के घर में जांच करती पुलिस व एटीएस की टीम।

डॉ. मुजम्मिल के कमरे से मिले विस्फोटक

- फरीदाबाद के डा. मुजम्मिल शकील का नाम एजेंसियों के हाथ लगा। पूछताछ के आधार पर फरीदाबाद में डा. मुजम्मिल के कमरे पर छापा मारा। जानकारी के मुताबिक उसने फरीदाबाद के धौज गांव में तीन महीने पहले किराए पर कमरा लिया था। वह यहां रहता नहीं था, केवल सामान रखने के लिए कमरा लिया था। जम्मू कश्मीर पुलिस के मुताबिक मुजम्मिल फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। वह पुलवामा के कोइल का रहने वाला है। रविवार की रात को उसके कमरे में छापेमारी के दौरान करीब 360 किलो विस्फोटक बरामद किया गया। मौके से आतंकी गतिविधि में शामिल होने वाला सामान जैसे 20 टाइमर्स, बैटरी और अन्य सामान बरामद किया गया है। फायर आर्म्स में एक असॉल्ट राइफल, 3 मैगजीन, 83 कारतूस, एक पिस्टल और उसके 8 राउंड कारतूस, 2 खाली कारतूस और 2 एडिशनल मैगजीन बरामद की गई हैं।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाता है डॉ. शाहीन का भाई डॉ. परवेज

- एटीएस के मुताबिक डा. शाहीन का भाई डा. परवेज के बारे में आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई गई। लोगों ने बताया कि वह इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर है। वहां ड्यूटी करते थे, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। इसके साथ ही आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी चेक किया। बताया जाता है कि पड़ोस के एक कैमरे की फुटेज देखी गई, लेकिन उसमें कुछ संदिग्ध नहीं दिखा है। एटीएस ने डा. परवेज के घर के अंदर जाते ही अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया गया। एटीएस जब सुबह करीब सात बजे वहां पहुंची तो डा. परवेज के घर के बाहर सफेद रंग की आल्टो खड़ी मिली। इसका नम्बर यूपी 11 बीडी 3563 था। कार के शीशे पर लखनऊ के गुडंबा स्थित इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का गेट पास लगा हुआ था। साथ ही घर के अंदर एक बाइक (यूपी 32 सीए 8537) खड़ी थी। इस पर डॉक्टर का लोगो लगा हुआ था।

प्रदेशभर में चला तलाशी अभियान

- **अमृत विचार, लखनऊ :** दिल्ली धमाके बाद उत्तर प्रदेश में तमाम तरह की चर्चाओं, अफवाहों से माहौल गरम है। इस बीच यूपी बॉर्डर पर हाई अलर्ट है और बाहर से प्रवेश कर रही हर गाड़ी की सघनता से तलाशी की जा रही है। पूरे राज्य में चल रहे सर्च-अभियान के साथ लखनऊ, अयोध्या, मथुरा, आगरा समेत धार्मिक पर्यटन स्थलों, संवेदनशील इलाकों, और भवनों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।रामनगरी अयोध्या में सभी प्रवेश द्वारों पर चेकिंग की जा रही है। बैरियर पर तैनात सुरक्षा बलों को अलर्ट किया गया है। वाराणसी में भी सुरक्षा घेरा कसा गया है। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर नजर के लिए सुरक्षा तंत्र को पुख्ता किया गया है। मथुरा में डीएम और एसपी ने सड़क पर उतर कर चेकिंग अभियान चलाया। बांके बिहारी मंदिर पर भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। वहीं, श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से लेकर बरसाना तक सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया गया है।

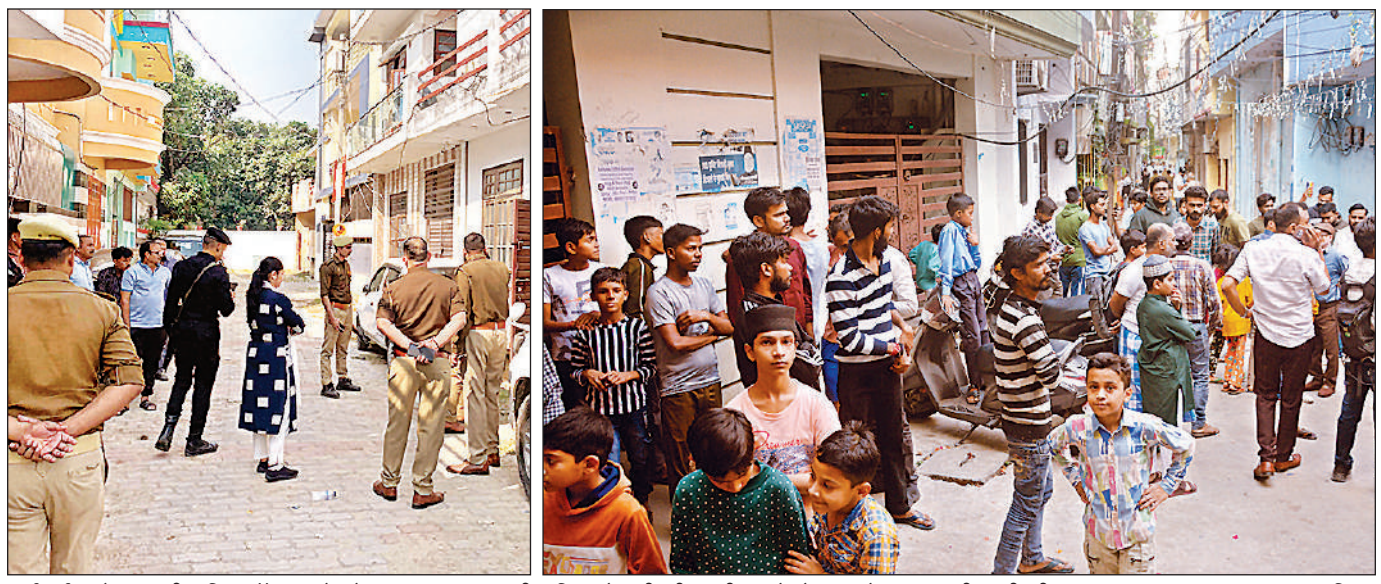

आईआईएम रोड मुतक्कीपुर स्थित डॉक्टर परवेज के आवास पर जम्मू कश्मीर पुलिस और यूपी एटीएस की जांच के दौरान घर के आसपास भीड़ लगी रही। अमृत विचार

दिल्ली कार धमाके में मरने वालों में यूपी के पांच लोग

- अमृत विचार, लखनऊ : दिल्ली में सोमवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के करीब कार में हुए धमाके में जान गंवाने वालों में से पांच लोग यूपी के रहने वाले थे। इन पांच लोगों में दो अमरोहा जिले के अशोक, लोकेश, मेरठ के मोहसिन, श्रावस्ती के दिनेश और शामली के नोमान हैं। पुलिस की सूचना पर इनके परिजन दिल्ली पहुंचे, शवों को उनके-उनके घर यूपी पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई। शामली के झिंझाना निवासी 22 वर्षीय नोमान अंसारी कस्बे में कॉस्मेटिक सोमवार शाम वह अमन के साथ सामान खरीदने दिल्ली गया था। पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने के बाद वहां से निकल रहे थे कि इस दौरान तेज धमाका हुआ, जिसमें उसकी मौत हो गई, जबकि अमन गंभीर घायल हो गया। वहीं, मेरठ के न्यू इस्लामनगर गली नंबर-28 निवासी मोहसिन पुत्र रफीक दो साल पहले पत्नी सुलताना दो बच्चों के साथ दिल्ली में जामा मस्जिद स्थित पत्ता मोहल्ले में किराये के मकान में रहता था। सोमवार को ई रिक्शा चलाने के लिए गया था। शाम को एक कार में धमका हुआ, जिसकी चपेट में मोहसिन भी आ गया था और उसकी मौत हो गई। वहां पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन शव को लेकर मेरठ आ गए। वहीं, श्रावस्ती के दिनेश कुमार की भी मौत हुई है। वह अपने पीछे पत्नी रीना और तीन बच्चों (एक बेटा हिमांशु आठ वर्ष, दो बेटियां बिट्टा सात व सृष्टि चार वर्ष) को छोड़ गया।

मरीज को देखने अस्पताल जा रहे थे दो दोस्त, चली गई जान

- अमरोहा के हसनपुर निवासी खाद विक्रेता लोकेश अग्रवाल दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती अपनी समधन शशि अग्रवाल का हाल जानने वहां पहुंचे थे। दिल्ली पहुंचने पर लोकेश ने दिल्ली में रह रहे अपने दोस्त अशोक को फोन करके लाल किला मेट्रो स्टेशन बुला लिया था। वहां से दोनों को सर गंगा राम अस्पताल जाना था लेकिन, इस दौरान धमाका होने से दोनों की जान चली गई। लोकेश ने अपने पीछे बेटे गौरव, सौरभ और बेटी दिव्या को छोड़ा है।

आतंकियों से रिश्ता रखने वालों पर नजर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **सोशल मीडिया, धार्मिक स्थलों और विधान भवन समेत अन्य स्थानों पर निगरानी बढ़ी**

अमृत विचार: दिल्ली धमाके के बाद लखनऊ पुलिस हाई अलर्ट पर है। पुलिस ऐसे लोगों पर निगरानी तेज कर दी हे। जिनका नाम कभी किसी आतंकी संगठन या आतंकवादी को पनाह देने से जुड़ा था। उनको जेल भेजा गया, जमानत पर बाहर हैं। उनकी हर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। संदिग्ध गतिविधि मिलने पर तत्काल हिरासत में ले लिया जाएगा। यह जानकारी संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था बबलू कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व जांच एजेंसियां 24 घंटे अलर्ट मोड पर है।

जेसीपी ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से संपर्क किया गया है। ऐसे लोगों के नामों की सूची तैयार की जा रही है। जो कभी आतंकी गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। उनपर अलग-अलग टीमों को लगाया गया है। यह लोग उनसे जुड़े लोगों पर नजर रख रहे हैं। अगर वह फिर संदिग्ध गतिविधि में शामिल मिलते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ कर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, पांचों जोन पश्चिमी, उत्तरी, मध्य, पूर्वी और दक्षिणी जोन के डीसीपी को निर्देश दिया गया है कि सभी प्रमुख स्थालों को चिह्नित कर लें। वहां पर पहले की तुलना में पुलिस की संख्या दोगुनी कर दें। अगर उन स्थानों पर किसी पर संदेह है तो तत्काल हिरासत में लें। पूछताछ और पूरी जांच के बाद ही उसे छोड़ा जाए।

अगर उसके खिलाफ कोई अपराधिक मामला दर्ज है, तो कार्रवाई भी की जाए। इसके साथ ही प्रमुख स्थल विधान भवन, मनकामेश्वर मंदिर, हनुमान सेतु, माल, बाजार पर गश्त ब ढ़ाने के लिए कहा गया। लगातार गश्त की जाए, इस दौरान जररूत पड़ने पर वीडियो ग्राफी भी करें। उन्होंने बताया कि इंटरनेट मीडिया पर नजर रखने के लिए अलग से एक टीम 24 घंटे के लिए लगाई गई है, जो कि उनपर नजर रख रही है।

जांच के दौरान आपस में चर्चा करते पुलिस व एटीएस अधिकारी।

शातिर दिमाग | 10 वर्ष पहले जांच में सामने आते थे इंजीनियरिंग कॉलेजों या टेक्निकल यूनिवर्सिटियों से जुड़े चेहरे

आतंकी संगठनों की नई 'पसंदीदा फैक्ट्री' में डॉक्टर माड्यूल

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: दस साल पहले जब खुफिया एजेंसियां भारत में आतंकवादी नेटवर्क की जांच करती थीं, तब सामने आने वाले चेहरे ज़्यादातर इंजीनियरिंग कॉलेजों या टेक्निकल यूनिवर्सिटियों से जुड़े युवाओं के होते थे। पर तस्वीर बदल रही है, अब डाक्टरों का नया भर्ती माड्यूल सामने आ रहा है।

डॉ. शाहीन शाहिद और उसके साथियों समेत हाल की कई गिरफ्तारियां यही संकेत कर रही है। इन डॉक्टर से आतंकी बने लोगों ने अस्पतालों में एके 47 और विस्फोटक पदार्थ न सिर्फ छिपाने में सफलता पाई, बल्कि उसे लाने-ले जाने में भी पुलिस और खुफिया इकाइयों को धोखा देते रहे। यह सिर्फ़ कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना के लिए भी गंभीर चेतावनी भी है।

एक दशक पहले भारतीय खुफिया एजेंसियों ने जिन प्रमुख

आतंकी मॉड्यूल को पकड़ा, उनमें अधिकतर सदस्य इंजीनियरिंग ग्रेजुएट थे। जमात-उद-दावा, अंसारुल्ला बांग्ला टीम, और आईएसआईएस इंडिया सेल के पकड़े गए युवाओं में 70% इंजीनियरिंग या कंप्यूटर साइंस पृष्ठभूमि से थे। लेकिन नए कारनामों से अब पैटर्न बदला नजर आ रहा है।

फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ आदिल अहमद और डॉ मुजम्मिल शकील के पास से भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट, एक विस्फोटक एजेंट के साथ-साथ डेटोनेटर और कुछ गोला-बारूद और दो असॉल्ट राइफलें बरामद की गईं। जांच अधिकारी जब तक तीसरे डॉक्टर शाहीन शकील की पहचान करते तबतक दिल्ली धमाका हो चुका था। इसे एक अज्ञात महिला डॉक्टर बताया गया था। इसी की कार में एके 47, पिस्टल और गोला-बारूद रखा हुआ था। दूसरे मामले में चीन से मेडिकल डिग्री हासिल करने का दावा करने वाले डॉ. अहमद मोहियुद्दीन सैयद को तीन पिस्तौल और 30 गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया। गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते को चार लीटर अरंडी का तेल भी मिला, जिसका इस्तेमाल राइसिन नामक एक शक्तिशाली विष बनाने में किया जाता है। अब मेडिकल स्टूडेंट्स मॉड्यूल की नई प्रवृत्ति सामने आई है। अब आतंकी संगठनों का रिक्रूटमेंट फोकस मेडिकल और बायोटेक फील्ड के लोगों पर शिफ्ट हो चुका है।

इसलिए डॉक्टर बन रहे हैं 'आदर्श भर्ती'

- सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद, आईएसआईएस और हिजबुल जैसे संगठनों की रणनीति अब ऐसे लोगों को शामिल करने की है, जिनके पास क्लीन प्रोफेशनल बैकग्राउंड हो, ताकि शक कम हो। जिनके पास तकनीकी और वैज्ञानिक जानकारी हो, ताकि विस्फोटक, जैविक या रासायनिक हथियारों के निर्माण में सहयोग मिल सके। और जो सोशल इन्फ्लुएंसर बनकर दूसरों को प्रभावित कर सकें। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 2010 के दशक में इंजीनियर आतंक मॉड्यूल के मस्तिष्क माने जाते थे, अब 2020 के बाद मेडिकल और बायोटेक पृष्ठभूमि के शिक्षित लोग नई 'ब्रेन सेल' के रूप में भर्ती किए जा रहे हैं। डॉ. शाहीन शाहिद का केस अब सिर्फ़ एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि शिक्षित चरमपंथ का नया चेहरा बन गया है। उसकी कहानी बताती है कि कैसे व्यक्तिगत तनाव, वैचारिक उलझन, और डिजिटल ब्रेनवॉश का मेल एक प्रोफेशनल को विनाश के रास्ते पर ले जा सकता है।

डॉ. शाहीन का इस ट्रेंड का बड़ा संकेत

- कानपुर मेडिकल कॉलेज की प्रवक्ता रह चुकी डॉ. शाहीन शाहिद की गिरफ्तारी ने इस ट्रेंड को और पुख्ता कर दिया है। वह न सिर्फ़ चिकित्सा क्षेत्र की प्रोफेशनल थीं, बल्कि आतंकी संगठन के महिला विंग की प्रमुख भी बताई जा रही हैं। उनकी भूमिका सिर्फ़ भर्ती तक सीमित नहीं थी, वह महिला मॉड्यूल्स को वैचारिक प्रशिक्षण और नेटवर्किंग का काम भी करती थीं। फरीदाबाद में उसकी कार से एके-47, पिस्टल और विस्फोटक सामग्री मिली, जो यह दिखाता है कि वह फील्ड ऑपरेशन में भी शामिल थीं।

आईएसआईएस और जैश की नई भर्ती नीति

- सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि जैश और आईएसआईएस अब सोशल मीडिया पर मेडिकल या हेल्थ से जुड़े प्रोफाइल्स को टारगेट कर रहे हैं। 2023 में खाड़ी देशों से आए कई डिजिटल ट्रैकर्स ने दिखाया कि ओमेन इन फेथ एंड साइंस या ह्यूमिनाटेरियन डॉक्टर फोरम जैसे नकली अकाउंट्स से कई युवतियों को फंसाया गया। पहले यह संपर्क धार्मिक चर्चा या रिसर्च सहायता के बहाने शुरू होता है, और फिर धीरे-धीरे 'जिहादी वैचारिक प्रशिक्षण' की ओर बढ़ता है।

शिक्षित आतंकवाद का नया पैटर्न

- 2000–2010 इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल अल-कायदा, इंडियन मुजाहिदीन यासीन भटकल, अब्दुल करीम टुंडा
- 2010–2020 कंप्यूटर एक्सपर्ट, नेटवर्क हैकर आईएसआईएस इंडिया मॉड्यूल सुल्तान अरीज खान, सैफुल्ला (कानपुर)
- 2020–2025 डॉक्टर, बायोटेक व मेडिकल रिसर्चर जैश-ए-मोहम्मद, जमात-उल-मोमिनात डॉ. शाहीन शाहिद (कानपुर-लखनऊ)

लखनऊ-कानपुर की गलियों से आतंक की दुनिया तक डॉ. शाहीन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **2021 में शासन ने सेवा से करदिया था बर्खास्त**
- **शाहिन का पता लखनऊ के लालबाग इलाके का दर्ज था**

अमृत विचार: जीवन बचाने वाली से आतंक की साजिशकर्ता तक डॉ शाहीन का दोहरा चेहरा जैसे-जैसे सामने आ रहा है, हर कोई आश्चर्यचकित है। कानपुर और लखनऊ की गलियों से से लेकर दिल्ली धमाकों की संदिग्ध साजिशकर्ता तक डॉ. शाहीन की आतंक की अंधेरी दुनिया बेहद रहस्यमयी है। यह कहानी सिर्फ़ एक महिला की नहीं, बल्कि उस भयावह प्रवृत्ति की है, जो शिक्षित समाज में भी घुसपैठ कर सकती है। यानि चरमपंथ किसी वर्ग या पेशे से नहीं, बल्कि विचार से उपजता है।

दिल्ली में हुए भीषण कार धमाके के तार अब लखनऊ और कानपुर से जुड़ चुके हैं। जांच एजेंसियों ने जिस महिला को इस मामले में गिरफ्तार किया है, वह कोई सामान्य संदिग्ध नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा जगत से जुड़ी डॉ. शाहीन शाहिद हैं।

लखनऊ के लालबाग में जन्म और माध्यमिक शिक्षा वहीं से पूरी करके कभी गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज कानपुर में फार्माकोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर रही यह महिला अब जैश-ए-मोहम्मद के महिला विंग "जमात-उल-मोमिनात" की भारत प्रमुख के रूप में सामने आई है। अगस्त 2006 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के जरिए सरकारी मेडिकल कॉलेज में हुआ। उसके लखनऊ और कानपुर के सहकर्मी बताते हैं कि मेधावी और अनुशासित शाहीन बेहद चुप रहती थीं। 2009 में कन्नौज मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरण हुआ, 2010 में पुनः कानपुर लौट आईं। कानपुर कॉलेज से 2013 में अचानक अनुपस्थित हो गईं। कई नोटिस और विभागीय पत्राचार के बावजूद कोई जवाब नहीं आया। 2015 में पति जफर हयात से तलाक के बाद वह लखनऊ और कानपुर दोनों जगह से गायब हो गईं। 2021 में शासन ने उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया। उसी दौरान उनका पता लखनऊ के लालबाग इलाके का दर्ज था।

दिल्ली में लालकिला के पास मेट्रो स्टेशन के बाहर बम धमाके के बाद राजधानी में पुलिस ने सघन जांच अभिचान चला रखा है, मंगलवार को चार पहिया वाहनों को जगह-जगह रोककर गाड़ी के अंदर और डिक्की में ही नहीं इंजन तक की जांच की गई। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

हत्यारोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मकान खाली कराने के विवाद में मारपीट के दौरान सरिता देवी (51) की रॉड से वारकर हत्या करने वाले आरोपी मकान मालिक को ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी फूलचंद थाना क्षेत्र के बसंतकुंज योजना सेक्टर-पी का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के पास से रॉड बरामद कर ली है। 6 नवंबर को युवती ने तहरीर दी थी कि मकान खाली कराने के विवाद में फूलचंद व अन्य ने मारपीट की। सिर पर हुए वार से सरिता को ट्रामा सेंटर भर्ती कराया गया था। वहां 9 नवंबर को उनकी मौत हो गयी थी। पुलिस ने मामले में गैर इरादत्न हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी।

नन्हे हॉकी खिलाड़ियों का मेला अगले हफ्ते से

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में नन्हें हॉकी खिलाड़ियों का रोमांच एक बार फिर देखने को मिलेगा। नेशनल कॉलेज के पास स्थित चंद्र भान गुप्त खेल मैदान पर 17वीं पद्मश्री पं. जमन लाल शर्मा सब जूनियर (अंडर-14 बालक) हॉकी टूर्नामेंट 17 से 21 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का संचालन केडी सिंह बाबू मेमोरियल सोसाइटी की देखरेख में होगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में प्रदेशभर की 16 टीमें श्रेष्ठता की होड़ में उतरेंगी। प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी। मेजबान लखनऊ टीम के सामने अपना आठ साल पुराना खिताबी दबदबा बनाए रखने की चुनौती होगी। लखनऊ अब तक सबसे अधिक आठ बार इस प्रतियोगिता की विजेता रह चुकी है। सोसाइटी के प्रवक्ता खुर्शीद अहमद ने बताया कि लखनऊ टीम के गठन के लिए चयन ट्रायल बुधवार को आयोजित होंगे। इच्छुक खिलाड़ी दोपहर में हॉकी कोच कुलदीप मौर्या से संपर्क कर सकते हैं। टूर्नामेंट में लखनऊ, करमपुर, लखीमपुर, प्रयागराज, बीएचयू वाराणसी, मेरठ, सीतापुर, रामपुर, गाजीपुर, कौशांबी, बाराबंकी, झांसी, कानपुर, आजमगढ़, भदोही और विवेक अकादमी वाराणसी की टीमें भाग लेंगी।

पांचों जोन में रेड अलर्ट, चेकिंग- गश्त बढ़ाई

चौराहों पर पुलिस मुस्तैद, संदिग्ध वस्तु और व्यक्तियों की निगरानी तेज, मॉल में भी की जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दिल्ली धमाके के दूसरे दिन राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। अपराध नियंत्रण व संदिग्धों पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार को सभी पांचों जोनों में रेड अलर्ट कर दिया गया है। वहीं, चेकिंग व गली-चौराहों पर गश्त तेज कर दी गई है। पुलिस अधिकारी खुद चेकिंग व भवनों की सुरक्षा का जायजा ले रहे हैं। साथ ही लोगों को संदिग्ध वस्तुओं और लोगों से अलर्ट रहते हुए पुलिस को तुरंत सूचना देने के लिए अपील की है।

डीसीपी पश्चिमी विश्चजीत श्रीवास्तव ,एडीसीपी पश्चिमी, एसीपी बाजारखाला, एसीपी केसरबाग, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने पश्चिम जोन में संघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों ने चारबाग रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, बस स्टैंड, नाका इलाके में होटलों, बाजारों और बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। पुलिस टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ, आईडी वेरिफिकेशन, लगेज और वाहनों की तलाशी ली।

डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्तें की टीमों ने क्षेत्र का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की बारीकी से जांच की। वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को सतर्कता बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध स्थिति पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। एडीसीपी दक्षिण रल्लापल्ली वसन्थ कुमार के नेतृत्व में फीनिक्स प्लासियो मॉल, लूलू मॉल और आसपास के पार्किंग क्षेत्रों में भी गहन चेकिंग की गई। सभी वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई।

चारबाग रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सामान की जांच करती पुलिस की टीम। अमृत विचार

चौराहों पर चार पहिया वाहनों की चेकिंग तेज

- हजरतगंज चौराहे के पास भी डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर की निगरानी में चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई। इस दौरान इंस्पेक्टर विक्रम सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य शहरवासियों में सुरक्षा का विश्वास सुदृढ़ करना और किसी भी आपराधिक या विघटनकारी गतिविधि पर नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

चौराहों पर वाहनों को रोककर जाचं करती पुलिस। अमृत विचार

भारती भवन में चेकिंग के बाद होगा प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मेटल डिटेक्टर को कराया गया सही, हाथ से भी आने वालों की चेकिंग
- राजेंद्र नगर स्थित डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति भारती भवन का मामला

अमृत विचार: दिल्ली धमाके के बाद राजेंद्र नगर स्थित डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति भारती भवन में भी पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। मेटल डिटेक्टर को सही कराया गया। साथ ही दो लोगों को चेकिंग करने के लिए लगाया गया है। पुलिस गश्त भी बढ़ाई गई, संदिग्ध लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात में पकड़े गए आतंकी कैराना निवासी आजाद सुलेमान शेख व लखीमपुर खीरी निवासी मो. सुहैल ने लखनऊ में आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) कार्यालय व मुख्यमंत्री आवास के आसपास समेत कई अन्य प्रमुख स्थानों पर रेकी की थी। वहां से जानकारी मिलने के बाद मंगलवार सुबह पुलिस बल राजेंद्र नगर स्थित भारती भवन पहुंचा और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चेकिंग के दौरान मेटल डिटेक्टर खराब मिला, तो टीम ने उसको सही करवाया। इसके साथ ही दो लोगों को हाथ से चेकिंग के लिए लगाया गया है। वहां पहुंचने वाले सभी लोगों पर नजर रखने के लिए कहा गया। कोई भी व्यक्ति जिसको कोई जानता नहीं वह बाहर या आसपास दिखता है, तो तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए कहा है। इसके साथ ही एडीसीपी पश्चिमी धनंजय सिंह ने पुलिस गश्त बढ़ाने का निर्देश दिए हैं। सादी वर्दी में पुलिस कर्मी तैनात किया गया है।

क्रॉउन मॉल में जांच के दौरान युवक से पूछताछ करते पुलिस अधिकारी।

पेट्रोल पंप के बाहर दो गुट भिड़े, फोड़ा सुतली बम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मची दहशत, लोगों ने दौड़ाकर एक युवक को पकड़ा
- विभूतिखंड पुलिस ने एक युवक व दो बाइक कब्जे में ली

अमृत विचार: कठौता चौराहा स्थित पेट्रोल पंप के बाहर कुछ युवकों में विवाद हो गया। इसी दौरान एक युवक ने सुतली बम निकाला और पेट्रोल बम के बाहर ही फोड़ दिया। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने युवकों को दौड़ाया। लोगों ने एक युवक को पकड़ लिया, जबकि अन्य भाग निकले। विभूतिखंड पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

गोमतीनगर के वास्तुखंड निवासी भागवत प्रसाद मिश्रा ने बताया कि निजी काम से कठौता चौराहे पर आए थे। परिचित से बातचीत कर रहे थे। तभी देखा कि कुछ युवकों में विवाद हो गया। गाली-गलौज करते हुए दो गुट मारपीट करने लगे। जबतक कोई समझ पाता, उनमें से एक युवक ने बम निकालकर दूसरे युवकों पर हमला कर दिया। तेज धमाका होने के इलाके में दहशत मच गयी। लोग इधर-उधर भागने लगे। पुलिस को सूचना देने के साथ ही स्थानीय लोगों ने युवकों को पकड़ना चाहा तो बाइक छोड़कर भागने लगे। उनमें से एक युवक को लोगों ने पकड़ लिया। धुनाई कर पुलिस के हवाल कर दिया। सूचना मिलते ही विभूतिखंड इंस्पेक्टर अमर सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके से दो बाइक को कब्जे में लिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि पेट्रोल पंप के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

बिल्डर भाइयों समेत पांच पर गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट

संवाददाता, मोहनलालगंज

- करीब साढ़े पांच करोड़ की ठगी का आरोप, दर्ज हैं 60 मामले

अमृत विचार: सैन्यकर्मियों समेत अन्य लोगों से प्लॉट के नाम पर करीब साढ़े पांच करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले जालसाज भाइयों व सहयोगियों के खिलाफ मोहनलालगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एचके इन्फ्राविजन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विनोद कुमार व उसके भाई प्रमोद उपाध्याय ने सैनिकों व भूतपूर्व सैनिकों को कम दाम में प्लॉट देने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी की। प्लॉट का बैनामा लेने के बाद भी आरोपियों ने कब्जा नहीं दिया था। पुलिस अभी तक 60 मामले दर्ज कर चुकी है। एसीपी मोहनलालगंज विकास सरगना प्रमोद उपाध्याय, उसके भाई विनोद कुमार उपाध्याय, पत्नी सीमा उपाध्याय, मदनराम व ओंकार नाथ पांडेय करोड़ों रुपये की ठगी कर चुके है। सभी पांचों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

फंदे पर लटके युवक की सिपाहियों ने सीपीआर देकर बचाई जान

संवाददाता, मोहनलालगंज

- जान बचाने वाले पुलिसकर्मियों को किया जाएगा सम्मानित

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के कुढ़ा में पत्नी से विवाद के बाद मंगलवार सुबह नशे में युवक ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। छत के कुंडे में साड़ी बांधकर खुदकुशी करने लगा। भाई ने शोर मचाते हुए मोहनलालगंज पुलिस को सूचना दी। पुलिस कर्मियों ने दरवाजा तोड़कर युवक को उतारा। सीपीआर देकर उसकी जान बचा ली।

एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने की बात कही है। एसीपी ने बताया कि मजदूर गुड्डू (32) मंगलवार सुबह नशे की हालत में घर आया तो उसकी पत्नी से विवाद हो गया। इससे बाद उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया। भाई विशाल ने आवाज दी लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। उसने कमरे की खिड़की से झांक कर देखा तो गुड्डू आलमारी पर चढ़कर खुदकुशी करने के लिए छत के कुंडे से साड़ी बांध रहा था। बिना देर किए भाई ने डॉयल-112 पर 10:15 बजे सूचना दी। महज दो मिनट पर सिपाही किशन जायसवाल व सत्येन्द्र मौके पर पहुंच गए। दरवाजे का कुंडा तोड़कर पुलिसकर्मी घुसे। सीपीआर देने से उसकी जान बच गई।

पुलिस गुड्डू, उसकी पत्नी व भाई को मोहनलालगंज कोतवाली लेकर आई। जहां दरोगा ने काउंसलिंग की। इसके बाद गुड्डू ने किसी समस्या या परेशानी होने पर भविष्य में खुदकुशी न करने का आश्वासन देने के साथ पुलिस को सूचना देने की बात कही।

लापरवाही | ठंड बढ़ने के कारण फॉगिंग बंद करने का दिया जा रहा हवाला

फॉगिंग की गाड़ियों को नहीं मिल रहा डीजल

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- जोनों में गाड़ियां खड़ीं, नहीं हो रही फॉगिंग
- मच्छरों का प्रकोप बढ़ा, जनता परेशान

अमृत विचार : वेक्टरजनित बीमारियों से बचाव और मच्छरों पर नियंत्रण के लिए वार्डों में फॉगिंग पूरी तरह शुरू होने से पहले ही बंद हो गई है। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने ठंड बढ़ने का हवाला देकर शहर में फॉगिंग पूरी तरह बंद कर दी है। नगर निगम के गोमती नगर स्थित आरआर विभाग की टंकी से फॉगिंग करने वाली गाड़ियों को डीजल मिलना बंद हो गया है।

इससे जोनों में गाड़ियां खड़ी हैं और पूरे शहर में फॉगिंग पूरी तरह ठप है। जबकि शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जिससे जनता परेशान है। डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

बालाकदर रोड स्थित नगर निगम के स्टोर में डीजल के बिना खड़ीं फॉगिंग की गाड़ियां।

डीजल बिना बालाकदर स्टोर में खड़ीं गाड़ियां

- नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने पिछले कुछ वर्षों से फॉगिंग की जिम्मेदारी जोनों को दे दी है। वहीं से फॉगिंग की गाड़ियां डीजल लेने आरआर स्थित टंकी आती हैं। गाड़ी और मशीन के लिए डीजल के साथ मशीन स्टार्ट करने के लिए पेट्रोल दिया जाता है। लेकिन 1 नवंबर से गाड़ियों और न मशीनों के लिए डीजल दिया जा रहा है। जोन एक के बालाकदर स्थित स्टोर में छोटा हाथी पर मशीनें डीजल के अभाव में खड़ी हैं।

सिर पर वारकर की गई थी महिला की हत्या, 72 घंटे बाद हुआ पोस्टमार्टम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डॉक्टरों ने आशंका के चलते बनायी स्लाइड, विसरा सुरक्षित
- शरीर पर अन्य चोटें भी मिलीं, नहीं हो सकी शव की पहचान

अमृत विचार: जानकीपुरम इलाके में चादर में बांधकर फेंकी गयी अर्द्धनग्न महिला की हत्या मामले में 72 घंटों बाद शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कई चोटों का जिक्र है। साथ ही सिर पर वार करके हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों ने जांच के लिए स्लाइड बनाई है। विसरा सुरक्षित कर लिया गया है।

जानकीपुरम अजनहर कला गांव में कैलाश यादव के खेत के पास सड़क किनारे 7 नवंबर की सुबह चादर में बांध कर महिला (30) का अर्द्धनग्न शव फेंका गया था। उसके ऊपर रजाई और गद्दे भी रख दिए गए थे। ग्रामीणों ने महिला के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका व्यक्त की थी। महिला का चेहरे पर कोई ज्वलशील पदार्थ डालकर जलाया गया था। जिसके चलते महिला के सिर से आधे बाल गायब हो गए थे। यही नहीं आंखे भी बाहर दिखने लगीं थी। महिला की जीभ बाहर निकली हुई थी।

72 घंटों तक पहचान न होने के बाद मंगलवार को डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह साफ हो गया कि महिला की हत्या सिर पर वार कर की की गई। वहीं, डॉक्टरों ने विसरा सुरक्षित कर लिया है। महिला से साथ दुष्कर्म हुआ था कि नहीं, यह पता करने के लिए डॉक्टरों ने स्लाइड भी तैयार की है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इंस्पेक्टर विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो सकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

अमृत विचार, काकोरी : पारा स्थित बुद्धेश्वर पुल के पास मंगलवार शाम को सड़क पार कर रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पारा इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 6:29 पर एक सूचना प्राप्त हुई थी कि बुद्धेश्वर चौराहे के अज्ञात वाहन ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को लखनऊ सिटी अस्पताल दुबग्गा में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। वहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था। वहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पहचान शिवबरन (30) निवासी आदर्श विहार कॉलोनी बुद्धेश्वर पारा रूप में हुई है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 12 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मारपीट में घायल युवक की ट्रामा सेंटर में मौत

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : धन्नीपुरवा मजरे तासपुर में सोमवार की शाम खेत की मेड़ को लेकर हुए विवाद के दौरान मारपीट में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। खेत की मेड़ को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान सुशील व सुनील ने सतीश पुत्र पर जानलेवा हमला कर दिया। सुशील ने कुदाल से जबकि सुनील ने डंडे से वार किया, जिससे सतीश घायल हो गया। इस विवाद में संदीप, मंगला देवी तथा दूसरे पक्ष के सुशील और सुनील को भी चोटें आईं। पुलिस ने घायलों को सीएचसी देवा भेजा, जहां से सतीश को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। देर रात इलाज के दौरान लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में उसकी मौत हो गई।

पति पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

बाराबंकी, अमृत विचार : जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में विवाहिता का उत्पीड़न उसकी जेठानी के इशारे पर पति कर रहा है। यही नहीं दूसरी शादी करने की धमकी दी जा रही। आजिज पत्नी ने पति के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना व कस्बा जहांगीराबाद की रहने वाली सुनीता ने पुलिस को बताया कि उसका पति मिथुन उससे किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रखता, न तो घर पर रहने के लिए कहता है, न बातचीत करता है, बल्कि उसने उसका मोबाइल नंबर भी ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है। सुनीता का कहना है कि वह वर्तमान में घर पर रह रही, लेकिन उसका पति पूरी तरह से उसे नज़रअंदाज़ कर रहा है। आरोप है कि उसके पति पर उसकी जेठानी राधा पत्नी धर्मसेर का पूरा प्रभाव है, और वही जो कहती हैं, पति वही करता है। यही नहीं पति उसे छोड़ देने और दूसरी शादी करने की धमकी देता है।

हरदोई में पागल सांड़ ने दो लोगों को मार डाला

लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली से घेरकर सांड़ को मार डाला, घायल लखनऊ के लिए रेफर

संवाददाता, हरदोई/हरियावां

- सांड़ के हमले में 10 लोग घायल भी हुए

अमृत विचार। पागल कुत्ते के काटने से पागल हुए छुट्टा सांड़ ने चार गांवों में जमकर मौत का तांडव किया। उसके हमले में घायल 12 लोगों में से दो की मौत हो गई जबकि 10 लोगों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां से कुछ घायलों को गंभीर हालत में हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। पागल सांड़ को काबू में करने की ग्रामीणों ने हर मुमकिन कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद सधुवन पुरवा गांव में ट्रैक्टर-ट्राली से घेरकर उसे मार दिया गया।

जानकारी के अनुसार अहमदी गांव में एक छुट्टा सांड़ को किसी पागल कुत्ते ने काट लिया था। उसी के बाद से सांड़ भी पागल हो गया और पिछले चार-पांच दिनों से अहमदी गांव में कई ग्रामीणों पर हमला किया। सोमवार की रात उसे हरियावां की तरफ खदेड़ दिया गया, मंगलवार की सुबह भोर पहर हरियावां में सांड़ का तांडव शुरू हो गया। खेत से लौट रहे 60 वर्षीय श्याम कुमार अवस्थी और 50 वर्षीय अशोक मिश्रा पर सांड़ ने हमला कर कई बार उठा कर पटक दिया। हमले में श्याम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अशोक मिश्रा को मेडिकल कालेज से हायर सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया।

मारा गया पागल सांड़ व मौके पर मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

इसके बाद सांड़ ने सोनू त्रिवेदी (30), उसके भाई मोनू त्रिवेदी (25) और बब्लू सैनी (45) पर हमला कर घायल कर दिया। जतुली के 60 वर्षीय रामदयाल को पटक दिया। उसे मेडिकल कालेज से रेफर किया गया। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान रामदयाल की मौत हो गई। इसके बाद हरियावां शुगर मिल में नौकरी करने वाला 40 वर्षीय आदेश श्रीवास्तव पागल सांड़ का शिकार हुआ। कुरसेली तिराहे पर खड़े आदेश को सांड़ ने पटक-पटक कर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। उसके अलावा जतुली निवासी सूरज बक्श (50), राधाकृष्ण की 9 साल की बेटी सुमिता, उतरा निवासी बड़कौनू सिंह (70), प्रभु दयाल (60), कल्लू सिंह (30) और मिहीलाल वर्मा (65) सांड़ के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। पागल सांड़ भागते हुए रास्ते में मिलने वाले लोगों पर हमला कर रहा था, उधर उसके पीछे ग्रामीणों की भीड़ दौड़ रही थी। लाख प्रयास के बाद भी उसे काबू में नहीं किया जा सका। ग्रामीण उसे खदेड़ते हुए सधुवन पुरवा तक ले गए। वहां तीन-तीन ट्रैक्टर-ट्राली से उसे बड़ी मुश्किल से घेरकर मौत के घाट उतारा गया।

घूस लेने पर महमूदाबाद एसडीओ व जेई निलंबित

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

- मैरिज लॉन में कनेक्शन को लेकर मांगी जा रही थी घूस

अमृत विचार : मैरिज लॉन के लिए बिजली कनेक्शन के नाम पर घूस लेना एसडीओ और जेई को महंगा पड़ा। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय की एमडी के आदेश पर दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। मामला महमूदाबाद क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

बताते हैं कि महमूदाबाद निवासी प्रमोद कुमार वर्मा ने अधीक्षण अभियंता ललित कृष्ण से शिकायत की थी कि इलाके के एसडीओ और जेई उससे मैरिज लॉन में कनेक्शन करने के लिए घूस मांग रहे हैं। मामला जनपद के शीर्ष अधिकारियों के अलावा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय की एमडी रिया केजरीवाल तक पहुंचा। गोपनीय जांच हुई तो पता चला कि घूस के रूप में कुछ रुपये लिये जा चुके हैं। शेष धनराशि नहीं मिले तो एस्टीमेट बढ़ा दिया गया। ऐसे में जेई रजनीश सिंह को निलंबित करने के बाद बिसवां खंड में संबद्ध किया गया। जबकि एसडीओ धर्मेंद्र कुमार को निलंबित करके देवीपाटन जोन गोंडा से संबद्ध किया है।

सिपाही व वनकर्मी से एक लाख 38 हजार की ठगी

बाराबंकी, अमृत विचार : एक सिपाही व वनकर्मी के साथ एक लाख 38 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई।

पहला मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला विजय नगर निवासी नीरज गुप्ता का है, जो वर्तमान में जनपद लखीमपुर खीरी में मुख्य आरक्षी के पद पर तैनात हैं। नीरज गुप्ता के साथ 17 अगस्त को कुल 93,000 रुपये का ऑनलाइन फ्रॉड हुआ। उनके लखनऊ स्थित एसबीआई बैंक खाते से पहली बार में 80,000 व दूसरी बार में 13,000 रुपये निकाल लिए गए। उन्होंने घटना के तुरंत बाद 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, परंतु अब तक धनराशि होल्ड नहीं हो सकी। दूसरा मामला वन विभाग कालोनी निवासी वैभव प्रकाश का है, जो वन विभाग में कर्मचारी हैं।

उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 8 सितंबर की देर रात 45,700 की निकासी कर ली गई। उन्होंने 9 सितंबर को साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। दोनों मामलों में तहरीर मिलने के बाद शहर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : नारेपुरवा में एक युवक का शव गांव के बाहर पेड़ से फंदे से लटका हुआ मिला। नारेपुरवा मजरे रोजा में मंगलवार सुबह गांव के बाहर ग्रामीणों ने एक युवक का शव फंदे से लटका हुआ देखा। शव की शिनाख्त गांव के ही अमरेश (28) पुत्र अशर्फीलाल के रूप में हुई। जब परिजनों को इसकी सूचना मिली तो घर में कोहराम मच गया। पुलिस के अनुसार मृतक डिप्रेशन में रहता था। कोतवाल संजीत सोनकर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

दो घरों में आग लगने से लाखों की क्षति

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

आग बुझने के बाद मौके पर मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार : मंगलवार की दोपहर दो घरों में अचानक आग लगने से लाखों का नुकसान हो गया। दो छप्परनुमा घर राख हो गए वहीं करीब तीन लाख से अधिक की संपत्ति स्वाहा हो गई। ग्रामीणों की मेहनत से आग बुझी वरना घटना विकराल रूप ले सकती थी। शाम तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सतरिख थाना क्षेत्र के नरौली गांव में मंगलवार की दोपहर हुई। गांव निवासी सागर पुत्र महेश के घर में रखे छप्पर में दोपहर को अचानक आग भड़क उठी। तेज हवाओं के चलते आग की लपटें निकट ही सिपाही लाल के छप्परनुमा घर तक पहुंच गईं। दोनों घरों में रखे गृहस्थी के सामान, कपड़े, नकद रुपये और जेवरात जलकर खाक हो गए। पीड़ित सागर ने बताया कि उसके घर में रखे पचास हजार नकद, सोने-चांदी के आभूषण और गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। वहीं सिपाही लाल के घर में रखे बीस हजार नकद और करीब पचास हजार मूल्य के गहने आग की जद में आ गए। अचानक लगी इस आग से पीड़ित किसी तरह जान बचाकर बाहर निकले। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक ग्रामीणों ने पानी और बालू डालकर आग को फैलने से रोक लिया था। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

दो वकील सहित 8 पर जालसाजी का केस दर्ज

श्रावस्ती, अमृत विचार: जमुनहा तहसील क्षेत्र से एक बड़ा जालसाजी का मामला सामने आया है। कुछ लोगों ने वकीलों से मिलकर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन बैनामा करा लिया। जांच में मामले का खुलासा होने पर दो वकील सहित आठ लोगों के विरुद्ध जालसाजी व अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया गया है।

जमुनहा तहसील क्षेत्र के बेगमपुर निवासी उदयभान पुत्र केशव ने रानीसीर में स्थित जमीन गाटा संख्या 190 में से इसी तहसील क्षेत्र के बदला निवासी नाजमा बेगम पत्नी बड़कऊ खां को बेंचा था। साथ ही रानीसीर में ही स्थित गाटा संख्या 188 में मनोडीह निवासी बिस्मिल्लाह पत्नी अब्दुल करीम व मुंशरीफ पुत्र महमूद को बेंचा था। 25 मार्च 2025 को जमीन रजिस्ट्रीकृत हो गया। जमीन बैनामा के लिए एडीएम द्वारा जारी हरिहजन अनुमति पत्र लगाया गया। साथ ही फाइल में वाद संख्या भी कूटरचित डाला गया। जब पत्रावलियों व वाद संख्या की आनलाइन जांच हुई तो अभिलेख फर्जी पाए गए। साथ ही अंकित किया गया वाद संख्या भी दूसरे मामले का निकला जो इकौना तहसील से संबंधित था। खुलासा हुआ कि पत्रावलियों को फर्जी मुहर व हस्ताक्षर से तैयार किया गया। साथ ही पुराने वाद संख्या को डालकर जमीन बैनामा कराने का प्रयास किया गया।

भजन-कीर्तन करते पुजारी व श्रद्धालु। अमृत विचार

सुंदरकांड व भजन संध्या का हुआ आयोजन

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : बाबा रामशरण दास भागवत दास कुटी हनुमान मंदिर मसौली में मंगलवार को हनुमान जी महाराज का श्रृंगार कर मंदिर को फूल-मालाओं से सजाया गया। इसके बाद सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। मंदिर के पुजारी बाबा रामलाल दास ने श्रीराम स्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भजन संध्या में अंकित वर्मा, अर्जुन, रजत वर्मा सहित अन्य भक्तों ने भक्ति गीत प्रस्तुत कर माहौल भक्तिमय बना दिया।इस अवसर प रमंदिर समिति अध्यक्ष मोहित वर्मा, अंकित वर्मा, चंद्रपाल यादव, रजत वर्मा, दीपक नाग, शिवा नाग, डॉ. सत्रोहन लाल, अशोक कश्यप आदि थे।

शाखा प्रबंधक निलंबित किये गये

बाराबंकी, अमृत विचार : उर्वरक वितरण में बाधा उत्पन्न करने और बी. पैक्स के कैश एंड कैरी खाते से चेक जारी न करने के मामले में जैदपुर शाखा प्रबंधक को निलंबित कर दिया गया है। कृषकों ने शिकायत की थी कि शाखा प्रबंधक द्वारा पैक्स अध्यक्ष एवं सचिव से पैन और आधार कार्ड की मांग की जा रही थी तथा पैक्स कर्मचारी का वेतन भी रोका गया। मामले में जिला प्रशासन ने जांच के निर्देश दिए। डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंकके अध्यक्ष ने शाखा प्रबंधक को निलंबित कर दिया। अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा कृषकों के कार्य में बाधा पहुंचाई गई तो उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कुशाग्र हत्याकांड में कास्टेबल अनुराग की गवाही कोर्ट में दर्ज

कानपुर, अमृत विचार। रायपुरवा थाना के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को हुई सुनवाई में केस के अहम गवाह और सिपाही अनुराग सिरोही की गवाही कोर्ट में दर्ज कराई गई।

रायपुरवा थाने के कास्टेबल अनुराग ने पूरे घटनाक्रम को अदालत में बताया। उसने बताया कि अभियुक्त के कमरे से कुशाग्र के शव को निकाला और किस तरह उसे हैलेट अस्पताल ले जाया गया। अनुराग ने कहा कि अंधेरे के चलते अगले दिन सारा विवरण दर्ज कराया। मामले की अगली सुनवाई 13 नवंबर को होगी।

बता दें कि कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को बेरहमी से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था।

सिटी डायरी

मौलाना अबुल कलाम आजाद को श्रद्धांजलि देते पूर्व सांसद।

शिक्षा के क्षेत्र में मौलाना अबुल कलाम का योगदान अविस्मरणीय

बाराबंकी, अमृत विचार : सांसद आवास पर मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति और स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। श्री पुनिया ने कहा कि मौलाना आज़ाद भारतीय इतिहास के अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुआयामी व्यक्तित्व थे। वे महान विद्वान, कवि, पत्रकार, स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी थे। शिक्षा और धर्मनिरपेक्षता के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। कार्यक्रम में प्रवक्ता के.सी. श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, मो. इरफान कुरैशी, एड. मोहम्मद इजहार, अजीत वर्मा, सना चौधरी, रमेश कश्यप, प्रशांत सिंह, रामपाल रावत, श्रीकांत मिश्रा आदि थे।

कथा सुनाते आचार्य अखिलेश महाराज। अमृत विचार

श्रीमद्भागवत कथा में सुनाई शुकदेव और परीक्षित की जन्म कथा

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला धमेडी निवासी त्रिवेणी दत्त मिश्रा के आवास पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तहत शुक्रवार को आचार्य अखिलेश महाराज (मथुरा-वृंदावन) ने श्रद्धालुओं को सुकदेव जी महाराज और राजा परीक्षित जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन सुनाया। आचार्य जी ने बताया कि महर्षि व्यास द्वारा संकलित श्रीमद् भागवत का दिव्य ज्ञान उनके पुत्र सुकदेव जी को प्राप्त हुआ, जिन्होंने लोक कल्याण हेतु राजा परीक्षित को यह कथा सुनाई। परीक्षित के जन्म के समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपने सुदर्शन चक्र से गर्भ में उनकी रक्षा की थी। कथा के दौरान जय श्री कृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

क्षतिग्रस्त मार्ग। अमृत विचार

जकरिया-बेहटा मार्ग गड्ढों में तब्दील

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के चलते जकरिया से बेहटा को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। पिपरौली रजबहा की दाहिनी पटरी पर बनी यह पक्की सड़क जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि हल्की बारिश में सड़क पर जलभराव हो जाता है, जिससे गड्ढे दिखाई नहीं देते और कई बार बाइक सवार गिरकर घायल हो जाते हैं। शिकायतों के बावजूद विभाग की ओर से अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। गढ़ी मीरापुर निवासी वीरेंद्र कुमार ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है।

दुराचार के दोषी को 20 वर्ष कैद

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : चार साल पूर्व नाबालिग से दुराचार की घटना में न्यायालय ने एक अभियुक्त को 20 साल कैद व 50 हजार जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। हालांकि कोर्ट ने अभियुक्त को चार धाराओं में दोषमुक्त कर दिया। वहीं एक अन्य अभियुक्त को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

थाना लोनीकटरा पर नाबालिग से बलात्संग के सम्बन्ध में दर्ज दुराचार, मारपीट व पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त गुड्डू वर्मा को दुराचार की धारा में अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या- 46 ने दोषसिद्ध करार दिया और 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने अभियुक्त गुड्डू को मारपीट व एससीएसटी एक्ट में जबकि शिवम वर्मा को सभी धाराओं में दोषमुक्त कर दिया। 7 सितंबर 2021 को थाना क्षेत्रान्तर्गत महिला द्वारा विपक्षियों के विरुद्ध दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में सूचना दी गई। सूचना के आधार पर थाना लोनीकटरा पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। तत्कालीन विवेचक क्षेत्राधिकारी बीनू सिंह द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

तस्करी के अभियुक्त को दो साल की कैद

न्यायालय ने मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरण में अभियुक्त को 2 वर्ष कठोर कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया है। थाना बदोसरांय पर मादक पदार्थ तस्करी की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत एनडीपीएस एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त असलम पुत्र गरीबे निवासी मरकामऊ थाना बदोसरांय को न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 द्वारा 2 वर्ष कठोर कारावास की सजा दी गई। संक्षिप्त विवरण के अनुसार 22 अगस्त 2012 को उपनिरीक्षक पारस नाथ यादव ने अभियुक्त-असलम पुत्र गरीबे निवासी मरकामऊ थाना बदोसरांय के विरुद्ध 250 ग्राम अवैध मार्फीन बरामद होने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया।

कोर्ट के आदेश पर तीन माह बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : एक निजी अस्पताल में गर्भवती महिला का दो बार गर्भपात किया गया। जांच में आंत फटने की बात सामने आई। पीड़ित पति ने पत्नी का इलाज दूसरी जगह करवाया, जहां हालत गंभीर है। पुलिस के सुनवाई न करने पर पति ने कोर्ट की शरण ली तब जाकर तीन माह बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

लोनीकटरा के रबडहिया का पुरवा निवासी संदीप कुमार के अनुसार उसकी पत्नी राजवती को 20 अगस्त की सुबह पेट दर्द हुआ। जब वह पत्नी को एमएन हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, तो डॉ. पूनम यादव ने अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखकर बताया कि गर्भस्थ शिशु में संक्रमण है और गर्भपात आवश्यक है। इस पर उसने गर्भपात करा दिया। अगले दिन दोबारा जांच के बाद डॉक्टर ने दोबारा अबॉर्शन की बात कही, वह भी कराया गया। इसके बाद भी उसकी पत्नी की तबीयत बिगड़ती गई। जब तक डॉक्टर कुबेर गिरी और पूनम यादव पहुंचे, तब तक मरीज की हालत गंभीर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे कहीं शिकायत न करने व 50 हजार रुपये देने और मुफ्त ऑपरेशन का प्रस्ताव दिया। उसने इलाज से इनकार कर पत्नी को मेयो हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां 23 अगस्त को आंत का ऑपरेशन हुआ।

उपलब्धि

अन्तर्जनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन

बाराबंकी पुलिस बनी चैंपियन, उन्नाव रही उपविजेता

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

विजेता टीम को ट्राफी देते एसपी। अमृत विचार

अमृत विचार : 10वीं वाहिनी पीएसी में आयोजित 28वीं लखनऊ जोन अन्तर्जनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता-2025 के फाइनल मुकाबले में विजयश्री बाराबंकी टीम के नाम रही। वहीं उन्नाव टीम दूसरे नंबर पर रहकर उपविजेता बनी।

मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के हाथों प्रतियोगिता का समापन हुआ। यह प्रतियोगिता 9 से 11 नवम्बर तक आयोजित हुई, जिसमें ग्रुप 'ए' एवं 'बी' की कुल 8 टीमों बाराबंकी, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, सुलतानपुर, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर एवं हरदोई ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट कौशल, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला बाराबंकी और उन्नाव की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें बाराबंकी पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि उन्नाव की टीम उपविजेता रही। समापन समारोह में पुलिस अधीक्षक ने उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ती है, बल्कि टीमवर्क और अनुशासन की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों में मैन ऑफ द सीरीज रोहित भड़ाना उन्नाव, मैन ऑफ द मैच अभिषेक सिंह बाराबंकी, बेस्ट बैट्समैन ऑफ द टूर्नामेंट मनीष यादव उन्नाव, बेस्ट बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट अभिषेक सिंह बाराबंकी रहे। कार्यक्रम में सीओ नगर संगम कुमार, सीओ हर्षित चौहान, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

विस्फोट में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

बाराबंकी, अमृत विचार : संस्कार ग्लोबल स्कूल, निंदूरा में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। दिल्ली में सोमवार शाम हुए धमाके में जान गंवाने वाले लोगों को छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद की। चेयरपर्सन डॉ. अंजना सिंह सेंगर ने कहा कि यह हादसा पूरे देश के लिए दुखद है।

शोक व्यक्त करते बच्चे व शिक्षक। अमृत विचार

समान प्रावधानों को रद करने के बाद वही सुधार कानून कैसे लागू हुआ: कोर्ट

- न्यायाधिकरण सुधार कानून की संवैधानिक वैधता वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि केंद्र उसी न्यायाधिकरण सुधार कानून को कुछ मामूली सुधार के साथ कैसे ला सकता है जिसके कई प्रावधानों को उसने पहले ही रद्द कर दिया था। न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण और सेवा शर्तें) अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इस कानून में फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण सहित कुछ अपीलीय न्यायाधिकरणों को समाप्त किया गया है और विभिन्न न्यायाधिकरणों के न्यायिक और अन्य सदस्यों की नियुक्ति तथा कार्यकाल से संबंधित शर्तों में संशोधन किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी द्वारा दलीलें पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि मुद्दा ये है कि संसद उसी कानून (जिसे रद्द किया था) को कुछ बदलावों के साथ कैसे ला सकती है। आप उसी कानून को नहीं ला सकते। हम यह नहीं कह रहे कि संसद कानून नहीं बना सकती। लेकिन मुद्दा ये है कि फैसले में उठाए गए मुद्दों पर विचार किए बिना उसी कानून को दोबारा नहीं बनाया जा सकता। वेंकटरमणी ने पीठ से आग्रह किया कि यह कानून लंबी अवधि के बाद संसद द्वारा बनाया गया है और कानून को लागू रहने दिया जाए। शीर्ष अदालत ने 16 अक्टूबर को मामले में अंतिम सुनवाई शुरू की थी।

पीठ ने सोमवार को पूछा कि केंद्र उसी न्यायाधिकरण सुधार कानून को कुछ मामूली सुधार के साथ कैसे ला सकता है, जिसके कई प्रावधानों को उसने पहले ही रद्द कर दिया था। याचिकाओं में कानून के प्रावधानों को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि वे न्यायिक स्वतंत्रता और शक्ति विभाजन के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं।

न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 ने पहले के न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण और सेवा शर्तें) अध्यादेश, 2021 का स्थान लिया, जिसे इसी तरह की संवैधानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था।

केरल के छात्रों पर हमले पर शीर्ष अदालत ने कहा, हमारा देश एक है : सुप्रीम कोर्ट ने केरल के दो छात्रों से मारपीट की हालिया घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमारा देश एक है। इस घटना में लाल किले के पास केरल के दो छात्रों से पुलिस और स्थानीय लोगों ने मारपीट की, उन्हें हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया और राज्य की पारंपरिक पोशाक पहनने पर उनका उपहास किया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि इस देश में लोगों को सांस्कृतिक और नस्लीय मतभेदों के कारण निशाना बनाया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रथम वर्ष के दो छात्रों पर हमला किया गया, उन्हें हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया गया और लुंगी पहनने पर उनका मजाक उड़ाया गया। शीर्ष अदालत 2015 में पूर्वोत्तर के लोगों पर हुए कई हमलों के मद्देनजर दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने पर तुरंत सुनवाई से किया इंकार

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों में बनाए गए धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से मंगलवार को इन्कार कर दिया। प्रधान न्यायधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं को दिसंबर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कानूनों पर रोक से संबंधित अंतरिम याचिका अगले सप्ताह सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सीजेआई ने कहा कि यह संभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि सीजेआई गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

एसआईआर के खिलाफ याचिकाओं पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु और प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती देने वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), कांग्रेस और टीएमसी द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग (ईसी) से मंगलवार को अलग-अलग जवाब देने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से नई याचिकाओं पर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट को तमिलनाडु और प. बंगाल में मतदाता सूची की एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हर प्रकार की कार्यवाही को स्थगित रखने का भी निर्देश दिया। उसने तमिलनाडु में इस प्रक्रिया का समर्थन करने वाली ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम की दायर हस्तक्षेप याचिका को सूचीबद्ध करने की अनुमति दी। निर्वाचन आयोग ने नवंबर से अगले साल फरवरी तक 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का दूसरा चरण आयोजित करने की 27 अक्टूबर को घोषणा की थी। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश - अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल।

छत्तीसगढ़: बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

- मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षाबलों को कार्रवाई में मिली सफलता पर दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुरक्षाबलों को नक्सल रोधी इस कार्रवाई में मिली सफलता पर बधाई दी है। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा और विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान में रवाना किया गया था। बीजापुर जिले के एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान सुबह 10 बजे से संयुक्त दल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह माओवादियों का शव, इंसास राइफल, स्टेनगन, .303 राइफल सहित अन्य हथियार, विस्फोटक सामान और अन्य माओवादी सामान बरामद किया गया है। बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि यह निर्णायक और महत्वपूर्ण बढ़त है।

दिल्ली में एक्यूआई 423 पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता इस मौसम की सबसे खराब स्थिति में पहुंच गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 423 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में आता है। केंद्र ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 24 घंटे के औसत एक्यूआई के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 362 के साथ बहुत खराब थी जो मंगलवार सुबह और खराब होकर 423 हो गई। शहर का मंगलवार को न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में ठंड के दस्तक देने के बाद सोमवार को मौसम की पहली शीत लहर दर्ज हुई।

हाइब्रिड मोड में पांचवीं तक की कक्षा के संचालन के आदेश

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के मद्देनजर स्कूलों को पांचवीं कक्षा तक हाइब्रिड मोड में कक्षाएं चलाने का आदेश दिया। यह कदम केंद्र द्वारा क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना के तीसरे चरण के तहत प्रदूषण रोधी उपाय लागू किए जाने के बाद उठाया गया है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश में कहा कि शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, नगर निगम और छावनी बोर्ड के सभी स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे पांचवीं कक्षा तक के लिए 'हाइब्रिड मोड' में कक्षाएं संचालित करें यानी अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से स्कूल के साथ-साथ ऑनलाइन दोनों माध्यमों में कक्षाएं संचालित करें।

सुनवाई का सीधा प्रसारण जज की मंजूरी के अधीन

मुंबई, एजेंसी। बम्बई हाईकोर्ट ने अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण शुरू किये जाने के महीनों बाद अब एक नोटिस जारी कर कहा कि सीधा प्रसारण पीठासीन न्यायाधीश की सहमति के अधीन होगा। नोटिस में बताया गया कि अदालत का न्यायाधीश सीधा प्रसारण की गई रिकॉर्डिंग की प्रतियों तक पहुंच को मंजूरी देने के लिए अधिकृत नामित अधिकारी होता है। हाईकोर्ट के अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण व रिकॉर्डिंग नियमों के अनुसार, सभी कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण केवल 'जजों की सहमति के अधीन किया जाएगा। भारत के प्रधान जज बीआर गवई ने सोशल मीडिया पर प्रसारित छेड़छाड़ किए गए वीडियो पर चिंता जताई थी, जिसके बाद यह नोटिस जारी किया गया। छेड़छाड़ किये गए वीडियो में न्यायालय कक्ष में जूता फेंकने की घटना को गलत तरीके से दिखाया गया था। जुलाई में न्यायिक पारदर्शिता और सुनवाई तक जनता की पहुंच बढ़ाने को हाईकोर्ट ने अपनी पांच पीठों का सीधा प्रसारण शुरू किया था।

महिला आईएएस ने पति के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

जयपुर। राजस्थान में भारतीय प्रशासनिक सेवा की महिला अधिकारी ने अपने आईएएस पति के खिलाफ घरेलू हिंसा और धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, भारती दीक्षित ने अपने पति आशीष मोदी पर घरेलू हिंसा, शारीरिक उत्पीड़न, अवैध रूप से बंधक बनाए रखने की धमकी देने का आरोप लगाया है। दीक्षित वित्त विभाग में संयुक्त सचिव हैं जबकि मोदी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में निदेशक हैं। दोनों राजस्थान कैडर के 2014 बैच के अधिकारी हैं। दीक्षित ने आरोप लगाया कि मोदी ने 2014 में उनके पिता के कैंसर से पीड़ित होने पर उन्हें शादी के लिए मजबूर किया था।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा श्रीराम कथा संग्रहालय

अयोध्या कार्यालय। श्रीराम कथा संग्रहालय आने वाले कुछ माह में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इसे इंटरनेशनल म्यूजियम बना रहा है। यह पहला ऐसा म्यूजियम होगा, जिसे बनाने में 7डी टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा। जहां पहुंचने के बाद पर्यटक रामायण को जानने के साथ महसूस भी कर पाएंगे। आधुनिक टेक्नोलॉजी के लिए आईआईटी चेन्नई के सहायक संस्था प्रवर्तन के साथ 50 करोड़ का एग्रीमेंट होने जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय को विस्तार देने के लिए बिल्डिंग का री-मॉडलिंग कराया जा रहा है। इसमें 20 गैलरियां बनेंगी। जहां रामायण के विभिन्न प्रसंगों से आकर्षित करेगा तो वहीं राम मंदिर से जुड़ी कानूनी दीर्घा भी होंगी। जिसमें 500 वर्षों के संघर्ष से जुड़े दस्तावेज, राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की स्मृतियों भी दर्शाई जाएगी।

हेतु संदर्भित करने की सूचना (साधारण प्रारुप)

न्यायालय श्रीमान नायब तहसीलदार तह0 रामनगर, जिला बाराबंकी

वाद संख्या– अ0 धारा 34 उ0प्र0रा0स0

सुनीता ... वादी

बनाम

रामू ... प्रतिवादी

बनाम रामू पुत्र लालजी ग्राम बबुरी मजरे सरसंडा परगना भटौली तहसील रामनगर जिला बाराबंकी। चूँकि उपरिनामांकित वादी को इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अं0 धारा 34 उ0प्र0रा0सं0, अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 ई0 के 26.11.2025 के दिवस को 12 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यकरूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। तारीख पेशी– 26.11.2025, मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 2025 ई0 के 11.11.2025 दिवस को निकाली गई।

आज्ञा से न्यायालय

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 52/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली''निविदा आमंत्रित करते है।

क्र.सं.1:–कार्य का विवरण: इज्जतनगर में मौजूदा कंट्रोल रुम में सुधार। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 50,34,846.32, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,00,700/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह।

क्र.सं.2:–कार्य का विवरण: दोहना स्टेशन के निकट बंद समपार 231–232 के मध्य इन्टर कनेक्टिंग सड़क का सुधार कार्य। (लगभग 700 मीटर लम्बाई), अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 67,87,309.77, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,35,800/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह।

ई–निविदा दिनांक 01.12.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2.ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी0),
मुजाधि/डब्लू–326 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीडी/सिगरेट न पियें

कार्यालय नगर पंचायत सफीपुर, जनपद–उन्नाव।

Website:- safipurnp.in
E-mail:-nppsafipur@gmail.com
Telephone No:-05144-359723

पत्रांक:– 11 – 153 / अ0नि0सू0प्र0 / न0पं0स0 / 2025–26 दिनांक– 11 नवम्बर, 2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 पंचम राज्य वित्त आयोग / नगर निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत सफीपुर, जनपद–उन्नाव में शीतकालीन सत्र में अलाव जलाने हेतु सूखी लकड़ी आपूर्ति कराये जाने हेतु विवरण नीचे तालिका में दिया जा रहा है, के लिए निविदायें नियमानुसार पंजीकृत ठेकेदारों / अधिकृत सफीपुर – उन्नाव में आमन्त्रित की जाती है। जो उक्त तिथि को समय अपरान्ह 2: 30 बजे कार्यालय नगर पंचायत फर्मो / एजेन्सियों/ डीलर से मोहरबंद निविदाऐं दिनांक 19.11.2025 को अपरान्ह 2: 00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत सफीपुर – उन्नाव के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोली जायेगी। निविदा खुलने के समय स्वयं ठेकेदार या उनके प्रतिनिधि उपस्थिति रह सकते है निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क जमा करके दिनांक 18.11.2025 को समय 10: 00 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत सफीपुर उन्नाव से प्राप्त किये जा सकते है।

कार्य का विवरण निम्नवत् है –

क्र. सं.	कार्य का विवरण	मात्रा	अनुमानित लागत (600 रु0 प्रति कुन्तल)	टेण्डर फार्म की कीमत 18 प्रतिशत GST सहित	धरोहर धनराशि (2 प्रतिशत)	आपूर्ति / कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	नगर पंचायत सफीपुर, जनपद–उन्नाव में शीतकालीन सत्र में अलाव जलाने सूखी लकड़ी आपूर्ति	1600 कुन्तल	9,60,000.00	1,180.00	19,200.00	एक माह

नियम व शर्ते:–

1. विस्तृत जानकारी कार्यालय कार्य दिवस मे कार्यालय नगर पंचायत सफीपुर से प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदादाता को जिलाधिकारी द्वारा निर्गत हैसियत प्रमाण–पत्र एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण–पत्र निर्धारित समयावधि के अन्दर का हो तथा 100.00 के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित शपथ–पत्र निविदा के साथ लगाना अनिवार्य होगा।
3. ठेकेदार/ फर्म का जी0एस0टी0 में पंजीकरण होना अनिवार्य है।
4. निविदा के साथ 2 प्रतिशत जमानत धनराशि नगद / एफ0डी0आर0 जो कि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी किया गया हो को अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सफीपुर –उन्नाव के नाम बन्धक करना अनिवार्य होगा।
5. प्राप्त किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदओं को निरस्त करने का अधिकार समक्ष अधिकारी को होगा। इस सम्बंध में ठेकेदार/ फर्म का कोई दावा मान्य नही होगा।
6. यह कि उक्त तिथि में कोई अवकाश होता है तो अगली तिथि में निविदाएं क्रय व डाली जायेगी।
7. शीतकालीन सत्र में अलाव जलाने हेतु सूखी लकड़ी आपूर्ति आवश्यकतानुसार घटायी / बढ़ायी जा सकती है।
8. उक्त आपूर्ति का भुगतान पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वर्ष 2025–26 में प्राप्त होने वाली अनुदान की धनराशि से बजट की उपलब्धता के आधार पर किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सफीपुर,
जनपद – उन्नाव

अध्यक्ष
नगर पंचायत सफीपुर,
जनपद – उन्नाव

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड–6, रायबरेली।

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या: 15/अधि0अभि0/शा0स0ख0–6/2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 लखनऊ की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबन्द निविदायें वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से दिनांक 21.11.2025 को अपरान्ह 17.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 22.11.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे अधिशासी अभियन्ता, शारदा सहायक खण्ड़–6, रायबरेली के कक्ष में नामित समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 14.11.2025 से 21.11.2025 को अपरान्ह 13.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में अधिशासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड–6, रायबरेली के कार्यालय से पंजीकृत ठेकेदार/फर्म या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अनिवार्य शर्तो को पूर्ण करते हुए प्राप्त की जा सकती है। अवकाश होने की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में किसी भी समय टेण्डर निरस्त/स्थगित करने का पूर्ण अधिकार अधिशासी अभियन्ता, शारदा सहायक खण्ड–6, रायबरेली के पास होगा।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	यूनिट	मात्रा	धरोहर धनराशि (रूपये में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	पंजीकृत श्रेणी
1	2			4	5	6	7
1	Providing, fitting, testing and commissioning of Inverter Based 400 Amp. MIG welding machine (Make:- Adhor/ESAB/etc.) suitable for continuous duty industrial applications such as fabrication, repair and structural welding and suitable for 3 Phase 415 Volt, Wire diameter compactibilty 0.8 to 1.2. The unit shall be complete with all standard accessories like MIG torch (400 Amp 3 Mtr. air cooled), earth clamp, gas regulator with flow meter, Wire feeder unit, contact tips and nozzle at Dalmau "B" Pump Canal Daundiya Khera Dist. Unnao.	JOB	01	12000	15 दिवस	766.00	सिंचाई विभाग में 'ए' श्रेणी के पंजीकृत यांत्रिक फर्म/ठेकेदार

नोट– निविदा सूचना एवं शर्ते सिचाई एव जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश की वेबसाइट (http//idup.gov.in) पर एवं सूचना वेबसाइट (http//upgov.up.nic.in) पर भी उपलब्ध है।

UP – 240153 **दिनांक:** 10/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधिशासी अभियन्ता
शारदा सहायक खण्ड–6, रायबरेली।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता अनुरक्षण खण्ड नं0–1(सिविल) लो0नि0वि0, लखनऊ

निविदा सूचना

पत्रांक: 3380 /निविदा/2025 दिनांक : 03 /11/2025

1– महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड–1 (सिविल) लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो की प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्य के लिये लोक निर्माण विभाग क्लासें ए/बी/सी/डी में भवन कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदार निविदा डालने के योग्य होगें।

क्र0 स0	जिला	कार्य का नाम	अनुमानितलागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदाप्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्यपूर्णकरने की अवधि	अधिषासी अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लखनऊ	कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं खण्डीय आफिस में पुताई एवं विभिन्न सिविल मरम्मती कार्य।	8.40	0.84	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
2	लखनऊ	कार्यालय प्रमुख अभियन्ता परिसर स्थित कनौपी बदलने, कमाण्ड सेन्टर में बने बाथरूम की मरम्मत, फिटिंग्स बदलने एवं अन्य विविध सिविल कार्य।	8.40	0.84	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
3	लखनऊ	सामान्य अनुरक्षण मद के अन्तर्गत विधान सभा परिषद स्थित विभिन्न कक्षों में रंगाई–पुताई का कार्य।	7.50	0.75	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
4	लखनऊ	कार्यालय प्रमुख अभियन्ता परिसर स्थित नवीन भवन की वाह्य भाग की बाउण्ड्रीवॉल में रिपेयरिंग का कार्य एवं अन्य विविध सिविल कार्य।	8.40	0.84	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
5	लखनऊ	सामान्य अनुरक्षण मद के अन्तर्गत श्री लालबहादुर शास्त्री भवन में पुताई एवं विविध सिविल अनुरक्षण का कार्य।	7.50	0.75	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
6	लखनऊ	कार्यालय प्रमुख अभियन्ता परिसर के आंगन में रंगाई–पुताई का कार्य एवं अन्य विविध कार्य।	7.50	0.75	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
7	लखनऊ	सामान्य अनुरक्षण मद के अन्तर्गत बापू भवन स्थित विभिन्न कक्षों में रंगाई–पुताई व अन्य सिविल कार्य।	8.40	0.84	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
8	लखनऊ	सामान्य अनुरक्षण मद के अन्तर्गत विधान भवन परिषद स्थित विभिन्न कक्षों में विविध सिविल अनुरक्षण का कार्य।	7.50	0.75	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
9	लखनऊ	कार्यालय प्रमुख अभियन्ता परिसर स्थित दक्षिणी विंग एवं मध्य विंग के बीच सी0सी0 फ्लोरिंग की मरम्मत एवं कूड़ाघर की मरम्मत एवं अन्य विविध कार्य।	8.40	0.84	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
10	लखनऊ	लोक सेवा आयोग परिसर स्थित परीक्षा भवन के आन्तरिक भाग की पुताई का कार्य।	7.50	0.75	Rs. 766	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ
11	लखनऊ	बादशाह नगर कालोनी स्थित आवास सं0–एल–6/7 एवं एल–14/4 में विभिन्न सिविल अनुरक्षण कार्य।	1.68	0.17	Rs. 589	02 Month	अधि0 अभि0 अनु0 ख0 –1(सि0), लो0 नि0 वि0 लखनऊ

निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता जिनका उल्लेख उक्त तालिका के स्तम्भ–8 मे किया गया है, के कार्यालय में पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक दिनांक 15.11.2025 से दिनांक 20.11.2025 तक निविदाए बेची जायेगी तथा दिनांक 21.11.2025 को अपराह्न 02:30 बजे तक जमा की जा सकती है, जिनको उसी कार्य दिवस में दिनांक 21.11.2025 को 03.00 बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में इच्छुक निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने की तिथि को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा और खोलने के समय, स्थल तथा वैधता में कोई परिवर्तन नहीं होगा। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण इस कार्यालय से उपरोक्त तिथियों में देखा जा सकता है।

UP – 240132 **दिनांक:** 10/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(उमाकान्त पाण्डेय)
अधिशासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड नं0–1(सिविल)
लो0नि0वि0, लखनऊ

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम JUGGA था मैंने अपना नाम बदल कर SAIPHUNA रख लिया है। इसी नाम से जाना व पहचान जाए। **SAIPHUNA W/O - JABBAR KHAN ADD - SEMGARHA CHAURAHA SEMGHDA DIST-SRAWASTI (U.P)**

सार्वजनिक सूचना

सूचित हो कि मैं **फरमान कुरैशी पुत्र आशिक अली निवासी ग्राम शुकुलबाजार, मजरे मवैया रहमतगढ़, थाना बाजारशुकुल, जिला अमेठी** ने एक शपथपत्र के माध्यम से बताया है कि उनका वास्तविक नाम फरमान कुरैशी है, जबकि मखदूम अली उनका घर में पुकारने वाला नाम है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में नाम संबंधी किसी विवाद की जिम्मेदारी उन्हीं की होगी।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD SALIM से बदलकर MOHD KALEEM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-KHALEEM AHMAD ADD-155 DEVKALI AHMADPUR DIST-BARABANKI (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम SALMA BEGUM से बदलकर SALMA KHATOON रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-ABDUL MUJEEB नि0– 400/24(400/19), झवाई टोला, सआदतगंज, लखनऊ, उ0प्र0

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं LALMAN RAMMILAN S/O RAMMILAN BADRI PRASAD निवासी मोहल्ला सुभासनगर वार्ड ना 7 उतरौला बलरामपुर का रहने वाला हूं अब मैं अपना नाम बदलकर RAJMAN RAMMILAN GUPTA S/O-RAMMILAN GUPTA रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वह पहचान जाए।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं SHUMAILA W/O NAHID AHMAD निवास–168/6 नाजीराबाद, आमीनाबाद पार्क लखनऊ की रहने वाली हुं अब मैंने अपना नाम बदलकर SHUMAILA QURESHI रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वह पहचाना जाए

सूचना

मैने अपना नाम AMEEN HAIDER NAQVI से बदलकर SYED AMEEN HAIDER NAQVI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAJJAB ALI NAQVI ADD-392/002A MAIDAN L-H KHAN NEAR ABUTALAB IMAMBARA SAADATGANJ, DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MANTASHA से बदलकर MANTASHA SIDDIQUI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-MOHD SHAKIR SIDDIQUI ADD-268/46/42, TAKIYA CHAND ALI SHAH AISHBAGH RAJENDRA NAGAR DIST-LUCKNOW - 226004(U.P.)

सूचना

सूचित हो कि मेरा बैग कपूरथला, अलीगंज में कहीं गिर गया है, जिसमें वर्ष 2024 में हाईस्कूल उर्तीण की छात्रा अनन्या शर्मा ANANYA SHARMA) का हाईस्कूल का सर्टिफिकेट भी था जिसका यूआईडी नंबर 8192130 है – **पूजा अग्रवाल पत्नी मोहित अग्रवाल निवासी– बड़ा चांदगंज, कपूरथला ,अलीगंज लखनऊ**

सूचना

मैने अपने नाम की स्पेलिंग सही करके SUNANDA VERMA के जगह SUNANDA VARMA कर लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। SUNANDA VARMA D/0-LATE SHRI KRISHNA CHANDRA VARMA TOWER-A FLAT-1303 SHALIMAR GALLANT MAHANAGAR DIST-LUCKNOW-226006 (U.P.)

सार्वजनिक सूचना

मैं कि **रामलाल पुत्र टिरियां अनुसूचित जाति (चमार) निवासी ग्राम तिंदौली तहसील व जिला महोबा** का हूं। मैं अपनी आराजी भूमि मौजा बरातपहाड़ी की गाटा संख्या 15 रकबा 1.067 हे. भूमि गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति को उचित कीमत पर विक्रय करना चाहता हूं। जिस किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूमि क्रय करना हो मुझसे संपर्क करे। रामलाल पुत्र टिरियां, ग्राम तिंदौली महोबा।

NOTICE

I, BHAGVAN DAS at F/o No 15720191A Hav Anuj Kumar presently residing at village Chahotar, Po-Chahotar, Dist-Raebareli, State -UP Pin- 229202 declare that my name and date of birth in my son's service record entered as BHAGWAN DAS & 08 OCT 1961 where as My Correct name and date of birth BHAGVAN DAS & 5 Feb 1962 Vide Affidavit.

सार्वजनिक सूचना

मैं **कामेश्वर नाथ पाठक पुत्र पृथ्वीराज उर्फ पृथ्वीपाल, निवासी ग्राम लालपुर विशुनपुर, थाना ललिया, जनपद बलरामपुर (उ.प्र.),** यह घोषित करता हूँ कि मेरे पुत्र अनूप पाठक का चाल–चलन ठीक नहीं है। अतः मैं उसे अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके किसी भी कार्य, लेन–देन या अपराध की संपूर्ण जिम्मेदारी उसी की स्वयं की होगी। अब मेरा तथा मेरे परिवार का अनूप पाठक से कोई संबंध या वास्ता नहीं है। – कामेश्वर नाथ पाठक

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं नूर मोहम्मद पुत्र सगीर अहमद, निवासी 98/135, दादा मियाँ चौराहा, बेकनगंज, कानपुर नगर–208001, ने 18 वर्ष पूर्व मोहम्मद गुलज़ार पुत्र गुलाम हुसैन को पालन–पोषण हेतु अपने साथ रखा था। इस कारण लोग उसे मेरा पुत्र समझते हैं, जबकि वह मेरा वास्तविक पुत्र नहीं है। अब उसकी अनुचित गतिविधियों के कारण मैंने उसे एक माह पूर्व अपने घर से निकाल दिया है। उसका मेरे परिवार के किसी भी सदस्य या संपत्ति से किसी भी प्रकार का कोई संबंध या अधिकार नहीं है तथा उसके किसी भी कार्य की जिम्मेदारी मेरी या मेरे परिवार की नहीं होगी।

बेदखली सूचना

मैं **राम उजागिर यादव सुत महराजदीन यादव निवासी ग्राम गौहानी (कैथापुर), थाना शिवगढ़ जनपद सुलतानपुर,** मेरा पुत्र राहुल यादव गलत संगत में पड़कर परिवार से लड़ाई झगड़ा करता है और काफी दिनों तक घर नहीं आता है और समझाने बुझाने से नहीं मानता है। उसके चाल चलन तथा मन मर्जी करने से काफी तंग आ चुका है और अपने पुत्र के चाल चलन से तंग आकर अपने सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अपने कार्यो का दायित्व उसका स्वयं का होगा मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना

मैं शाहिद पुत्र शहजाद निवासी–18ए यू ब्लॉक, यशोदा नगर, कानपुर नगर उ0प्र0, मैने अपने पुत्र साहिल अली को दिनांक: 13/06/2025 को अपने घर, चल–अचल सम्पत्ति, परिवार से बेदखकर दिया था। अब मेरे पुत्र साहिल अली ने अपने व्यवहार व सम्बन्धों को सुधार लिया है, और परिवार के साथ खुशहाल जीवन जीने के लिए तैयार है। अतः मेरे द्वारा जो बेदखली दिनांक 13/06/2025 को की गयी थी, उसे दिनांक: 07 11.2025 से निरस्त करता हूँ, और पुनः अपने पुत्र को अपने साथ रहने की अनुमति देता हूँ, तथा दिनांक : 07.11.2025 से मेरे पुत्र को मेरी चल–अचल सम्पत्ति में जो उसका हिस्सा बनेगा, उसे दिया जायेगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग रायबरेली के पत्रांक 1632/22–3 दिनांक 14.10.2025 के क्रम में प्राथमिक विद्यालय भौसी में स्थित 3 यूकेलिप्टस व एक अर्जुन के पेड़ की नीलामी आज 12.11.2025 को न्यूनतम कीमत रू0 24700 में होनी है। इच्छुक व्यक्ति नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय भौसी, शिवगढ
रायबरेली

सूचना

सर्व साधारण को सूचित हो कि मेसर्स मैसर्स दशमेश कंस्ट्रक्शन जो कि पोर्टरगंज पोस्ट पथवलिया परगना तहसील और जिला गोंडा में स्थित है के साझीदार श्री रज्जू सिंह पुत्र अमोन सिंह निवासी ग्राम पोर्टरगंज पोस्ट पथवलिया, परगना, तहसील और जिला गोंडा, का निधन (मृत्यु) हो जाने के कारण वह उक्त फर्म के भागीदार नहीं रहे हैं। उनके स्थान पर नये साझेदार के रूप् में श्रीमती हरबंश कौर, आयु 60 वर्ष, पत्नी रज्जू सिंह, निवासी पोस्ट पथवलिया, तहसील और जिला गोंडा, उत्तर प्रदेश शामिल किये गये है।

अमृत विचार

बुधवार, 12 नवंबर 2025

मूर्ख व्यक्ति बिना बुलाए ही अंदर चला आता है, बिना पूछे ही बोलने लगता है तथा जो विश्वास करने योग्य नहीं हैं, उन पर भी विश्वास कर लेता है।
– महात्मा विदुर

आतंकी साजिशों का साया

देश की सुरक्षा व्यवस्था को गहरी चेतावनी देने वाले दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट ने यूपी के कई चिराग बुझा दिए। यह मात्र आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें पुनः पनपने लगी हैं। पिछले कुछ महीनों में गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आतंकियों की गिरफ्तारियों तथा संदिग्ध गतिविधियों के जो सिलसिले सामने आए हैं, वे बताते हैं कि देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ता जा रहा है। शुरुआती जांच में मिली सामग्री, रासायनिक अवशेष और विस्फोटक तत्व यह संदेह मजबूत करते हैं कि देश में भारी मात्रा में आतंकी हरबे हथियार पहुंच चुके हैं। इसका मतलब है कि आतंकी संगठन देश के भीतर फिर से अपने नेटवर्क को सक्रिय करने में सफल हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश, विशेषकर उसके पश्चिमी और मध्य क्षेत्र, लंबे समय से आतंकी संगठनों के पसंदीदा हैं। राज्य की जनसंख्या, धार्मिक और राजनीतिक संवेदनशीलता तथा दिल्ली से निकटता इसे आतंकियों के लिए आसान टारगेट बनाती है। खुफिया सूत्र बताते हैं कि कुछ शहर जैसे लखनऊ, मेरठ, वाराणसी और कानपुर आतंकी मॉड्यूल्स के निशाने पर हैं। गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में पकड़े गए आतंकियों और फरीदाबाद मॉड्यूल से मिले सुराग भी इस आशंका को बल देते हैं कि देशभर में विभिन्न छोटे-छोटे मॉड्यूल किसी साझा उद्देश्य के तहत काम कर रहे हैं। इस बात पर सरकारी एजेंसियों को गहरा शक है कि दिल्ली विस्फोट फिदायीन हमला हो सकता है या संभव है कि शृंखलाबद्ध आतंकी साजिश का हिस्सा। इस पर भी संदेह है कि कार्रवाई के डर से विस्फोटक की जगह बदलते समय दुर्घटनावश यह विस्फोट हुआ हो। फिदायीन हमले की आशंका, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों पर संदेह और विदेशी खुफिया एजेंसियों की भूमिका के संकेतों के बावजूद, सरकार और पुलिस द्वारा इस विस्फोट को "आतंकी हमला" घोषित करने में झिझक यह दर्शाती है कि जांच एजेंसियां अभी निर्णायक सबूतों की प्रतीक्षा में हैं। परंतु यह भी सच है कि किसी भी देरी से आतंकी नेटवर्क को अपने निशान मिटाने का मौका मिल जाता है।

आतंकवाद केवल पारंपरिक हथियारों या विस्फोटकों तक सीमित नहीं रहा, रासायनिक तत्वों, साइबर हैकिंग और फर्जी डिजिटल पहचान के माध्यम से आतंकी अपनी उपस्थिति छिपा रहे हैं। गृह मंत्रालय को पारंपरिक खुफिया नेटवर्क के साथ साइबर निगरानी, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और अंतर्राज्यीय समन्वय वाले "हाइब्रिड काउंटर-टेररिज्म स्ट्रैटेजी" की आवश्यकता है। सरकार ने पिछले दशक में आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीतियां बनाईं, लेकिन अब चुनौती का स्वरूप बदल चुका है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षा एजेंसियां घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने की बजाए खतरे का अनुमान लगाकर पहले ही कार्रवाई करें। यह विस्फोट महज एक हादसा नहीं, बल्कि यह आगाह है कि अगर हमने अपने सुरक्षा ढांचे को आधुनिक तकनीकी और रणनीतिक दृष्टि से मजबूत नहीं किया, तो आने वाले समय में ऐसे "संदिग्ध विस्फोट" एक भयावह वास्तविकता बन सकते हैं। सरकार को मौजूदा जांच के साथ ही नीति स्तर पर एक व्यापक आतंक-निरोधी रणनीति लागू करनी चाहिए ताकि किसी भी शहर में न तो आतंकी संगठन पनपे न ऐसी जानलेवा गतिविधियां हों।

प्रसंगवश

डॉ. सलीम अली की नीतियों से करना होगा पक्षियों का संरक्षण

डॉक्टर सलीम अली को भारत भर में पक्षियों का व्यवस्थित सर्वेक्षण के लिए जाना जाता है। उन्हें 'भारत के पक्षी पुरुष' के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने पक्षियों पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं, जिससे भारत में पक्षी विज्ञान को समझने और बढ़ावा देने में मदद मिली है। उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 1958 में पद्म भूषण और 1976 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया, लेकिन चिंता की बात यह है कि उनके सतत प्रयासों और जागरूकता के बावजूद भी भारत में पक्षियों की आबादी तेजी से घट रही है। वर्ष 2020 में संयुक्त राष्ट्र की 'स्टेट ऑफ इंडियाज' बड्र्स की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हुआ था कि भारत में 79 प्रतिशत पक्षियों की तादाद घट गई है। यह रिपोर्ट इसलिए विश्वसनीय है कि 867 प्रकार के पक्षियों का अध्ययन कर उनके दीर्घावधि (25 साल) और लघु अवधि (5 साल) के आंकड़े जुटाए गए और निष्कर्ष पर पहुंचा गया। भारत के पक्षियों की स्थिति रिपोर्ट 2023 में कहा गया है कि 60 प्रतिशत प्रजातियों की गिरावट व निवास स्थान का नुकसान हुआ है, पर अच्छी बात यह है कि विगत वर्षों से गौरैया की संख्या स्थिर रही है। हालांकि दिल्ली, मुंबई समेत आधा दर्जन शहरों में इनकी संख्या घटी है। देश में प्रवासी पक्षियों का आना भी कम हो रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में ओखला बर्ड सेंचुरी में प्रवासी पक्षियों का आगमन लगातार कम हो रहा है। पक्षी विज्ञानियों की माने तो बर्ड सेंचुरी के आसपास बढ़ते वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण की वजह से प्रवासी पक्षी यहां आना पसंद नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा दलदली और जल वाली भूमि का लगातार घटते जाना भी एक प्रमुख कारण है। जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पश्चिमी घाटों पर वर्ष 2000 से अब तक पक्षियों की संख्या में 75 प्रतिशत तक कमी आई है। याद होगा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने वर्ष 2013 में भारत में देखे जाने वाले पक्षियों की दस प्रजातियों को बेहद गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल किया था। इनमें ग्रेट साइबेरियन क्रेन, गोडावण, सफेद पीठ वाला गिद्ध, लाल-सिर वाला गिद्ध, जंगली उल्लू, स्पून बिल्ड सैंडपाइपर और सफेद पेट वाला बगुला प्रमुख था। इन पक्षियों की आबादी में गिरावट की मुख्य वजहों में आवास का नुकसान, संशोधन, बिखंडन, पर्यावरण प्रदूषण को प्रमुख रुप से जिम्मेदार माना गया। ग्लोबल वार्मिंग ने पक्षियों के अस्तित्व को और भी अधिक संकट में डाल दिया है।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

गौरतलब है कि भारत में विभिन्न प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं, जिनमें गौरैया, कौआ, तोता, तीतर, चर्खी, शामा, भुजंगा आदि पक्षी आमजन के बेहद करीब माने जाते हैं, लेकिन इन पक्षियों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। पक्षियों के संरक्षणकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि दुनिया की सबसे वजनदार पक्षियों में से एक सोन चिरैया की प्रजाति लुप्त होने के कगार पर है। सोन चिरैया को कभी भारत व पाकिस्तान की घास भूमियों पर देखा जाता था, लेकिन अब ये एकांत भरे क्षेत्रों में ही देखने को मिलते हैं। पक्षी विज्ञानियों की मानें, तो पृथ्वी पर मानव की गतिविधियों और जंगलों के विनाश के कारण पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं। वर्ष 1500 से अब तक तकरीबन पक्षियों की 190 प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं। गौर करें तो सर्दियों के मौसम में तो भारतीय उपमहाद्वीप के विशेष क्षेत्र मसलन झील, आर्द्रभूमि या बैकवाटर प्रवासी पक्षियों का बसेरा बन जाता है। उचित होगा कि विलुप्त हो रहे पक्षियों को बचाने के लिए 'भारत के पक्षी पुरुष' के पद चिह्नों पर चले ताकि पक्षियों का कलरव तेज हो सके।

क्या कोई लेगा दुखद हादसे की जिम्मेदारी?

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

ब्लास्ट होने के महज कुछ घंटों पहले दिल्ली से सटे 47 किलोमीटर दूर फरीदाबाद में संदिग्धों के घरों से हथियारों का भारी मात्रा में जखीरा मिलना और सैकड़ों किलो आरडीएक्स की बरामदगी घटना से संबंध जुड़ने की ओर इशारा करती है? बेशक घटना को अभी आतंकी या फिदायीन हरकत करार न दी गई हो? पर हमले का मॉड्यूल बहुत कुछ कहता है। हालांकि केंद्रीय जांच एजेंसियां, एनआईए और एनएसजी फिलहाल हर एंगल से कड़ियों को जोड़ने में लगी है। खुदा-न-खास्ता अगर ये आतंकितयों की हरकतें निकली, तो समझ लेना चाहिए कि अब उन्होंने अपने मंसूबों को अंजाम देने वाले तरीकों में बदलाव कर लिया है। दिन में आतंकी नेटवर्क का पकड़ा जाना और देर शाम को धमाका हो जाने की थ्योरी पर सभी अचंभित हैं। दिल्ली जैसा राज्य जो अतिसुरक्षित हो, चप्पे-चप्पे पर चौबीसों घंटे चौकसी रहती हो? जहां केंद्र सरकार से लेकर खुफिया एजेंसियों का ठिकाना हो, वहां घटित ऐसे हादसे को सीधे-सीधे हुकूमत की नाकामी और सुरक्षा तंत्र की घोर विफलता ही कहा जाएगा।

विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी? घटना के समय चारों तरफ भगदड़ मचना, चीख-पुकार का तेज शोर व विस्फोटक चिंगारियों से मेट्रो स्टेशन के शीशों का चटाचट टूटना और ब्लास्ट वाली कार का एक गेट करीब 90 मीटर दूर जाकर गिरने के मंजर को देखकर प्रत्यक्षदर्शी, राहगीर और दुकानदार सहम से गए। लोग दुकानों में छिप गए, गाड़ियों की आड़ लेकर बैठ गए। ब्लास्ट वाली जगह पर चौबीसों घंटे लोगों की चहल-पहल रहती है। एशिया का सबसे बड़ा बाजार भी वहीं है, इसलिए उसे व्यस्तम इलाकों में गिना जाता है। लालकिले के बाहरी हिस्से में लाखों लोगों की प्रतिदिन आवाजाही रहती है। गनीमत ये रही कि सोमवार का दिन था, अमूमन दुकानें बंद रहती हैं। वरना, इस भयभीत मंजर से भगदड़ मचने से और भी बड़ी घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे अचानक से धरती फट गई हो और आसमान पूरा लाल हो गया हो? लोगों ने बताया घटनास्थल पर किसी का हाथ पड़ा था, तो किसी की कटी हुई गर्दन? जलते मांस के टुकड़ों से आती गंध ने और ज्यादा मंजर डरावना कर दिया। कुछ मिनट तक लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है?

दिल्ली सत्ता का केंद्र ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से प्रतीक भी माना जाता है। बहरहाल, फिदायीन हमले की आशंका है, जिसको मद्देनजर रखकर ही एनआईए और एनएसजी जांच में जुटी है, क्योंकि ऐसे हमलों की खुफिया जानकारियां उन्हें पूर्व से प्राप्त हैं। तकरीबन इस तरह के हमले विस्फोटक पदार्थों से ही किए जाते हैं, जिसका पुलवामा कांड सबसे बड़ा उदाहरण है। इंटेलिजेंस को अगस्त से ही इंटपुट मिल चुके थे कि जम्मू के रास्ते कुछ आतंकी देश में प्रवेश कर चुके हैं, जो कहीं न कहीं बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। उन्हें डिटेन करने में तमाम खुफिया एजेंसी सक्रिए थीं, लेकिन सटीक जानकारियां का अभाव रहा। हालांकि हथियार और आरडीएक्स को बरामद करने में सफलता जरूर मिली, लेकिन कौन से आतंकी संगठन शामिल हैं और उनका घटनाई मॉड्यूल क्या है? आदि की जानकारी से हाथ खाली रहा। मौजूदा घटना के तह तक जाने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं पर समय रहते अगर प्रतिबंध नहीं हुआ, तो आतंकियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे।

घटना में हरियाणा नंबर की, जो कार प्रयुक्त हुई है, उसकी पहचान जांच एजेंसियों ने कर ली है। कार का मालिक फरीदाबाद निवासी कोई मोहम्मद सलमान नाम का है, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। कुछ महीने पहले उसने उस कार को सेकंड हैंड किसी से खरीदी थी। निश्चित रूप कार के जरिए बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। कार का इसी साल सितंबर में गलत पार्किंग को लेकर फरीदाबाद में चालान भी कटा था। घटना के वक्त कार में तीन लोगों के होने की आशंका जताई गई, जो थे, उनके चिथड़े उड़ चुके हैं। कार में वांछित डॉ. उमर मोहम्मद के होने की भी आशंका है, वहीं उमर जिसके घर से घटना के कुछ घंटों पहले हथियारों का जखीरा और आरडीएक्स बरामद हुआ था। कार से बरामद शव उस हालत में नहीं हैं, जिनकी शिनाख्त की जाए, डीएनए जांच से ही उनकी पुष्टि हो सकेगी।

घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ खड़े हुए हैं। जैसेकि ब्लास्ट होने की भनक भारतीय खुफिया एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? घटना केंद्र सरकार और स्थानीय सरकार के बिल्कुल नाक के नीचे घटी। पुलिस को ब्लास्ट की सूचना 6 बजकर 52 मिनट पर मिली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-एक के बा-मुश्किल 20-25 मीटर दूरी पर लाल बत्ती रेड लाइट पर एक स्लो मोशन कार आती है और ब्लास्ट हो जाता है। सीसीटीवी फुटेज में कार घटना के कुछ घंटे पहले पास के एक मस्जिद परिसर में खड़ी देखी गई। क्या प्लानिंग पहले से की गई थी या फिर आरडीएक्स के शेष हिस्से को ब्लास्ट के जरिए दफन करना था।

फिलहाल दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक? घटना में 11 लोगों के मरने और 24 के घायल के आंकड़ों को प्रशासन ने जारी किया है। आंकड़े बढ़ सकते हैं। कब तक बेकसूर लोग अपनी जाने ब्लास्ट जैसी घटनाओं में देते रहेंगे? अमन-शांति के हुकूमती नारे धरातल पर कब उतरेंगे, कौनसी घड़ी आएगी जब ये सब होगा? ऐसे सवाल प्रत्येक भारतीयों के मन में उठने लगे हैं।

फिलहाल दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक?

आमने

प्रदेश के हर स्कूल में 'वंदे मातरम' राष्ट्रगीत को अनिवार्य करेंगे। यह वही लोग हैं, जो लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शामिल होते हैं। वंदे मातरम के विरोध का कोई औचित्य नहीं, वंदे मातरम का इस प्रकार का विरोध भारत के विभाजन का दुर्भाग्यपूर्ण कारण बना था।
– योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सामने

ये बहस आज हम कर रहे हैं, क्या उस समय, जो संविधान के निर्माता थे, उन्होंने बहस नहीं की? इसीलिए राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दिया। अगर यही होता कि इसे गाना ही गाना है, तो क्यों अनिवार्य नहीं किया गया? उन्होंने चॉइस छोड़ दी थी। भाजपाइयों से कई बार पूछा गया कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत क्या है, वे नहीं बता पाए थे।
– अखिलेश यादव, पूर्व सीए, उप्र

चिंताजनक है आम आदमी के अधिकारों का दुरुपयोग

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

आम नागरिक, सरकारी विभाग, पुलिस, न्यायधीश, सूचना आयोग.. सब के सब ब्लैकमेलर्स अफवाह बाज शिकायती गिरोहों से परेशान हैं। सूचना आयुक्त और सरकारी विभागों ने साफ कहा है कि सूचना के अधिकार और मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल (आईजीआरएस) का खूब दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह आम समाज की ताकत सोशल मीडिया/एआई भी अफवाह बाजों का हथियार बन गई है। जनहित याचिकाओं के बेजा इस्तेमाल से न्याय-व्यवस्था परेशान है, जिसके होते झूठी और फर्जी तथ्यहीन आरोपों पर बार-बार याचिकाएं दाखिल करने वालों को अर्थदंड का प्रावधान लागू किए जाने पर मजबूर होना पड़ा है।

सोशल मीडिया के साथ एआई की आधुनिक तकनीक को अफवाहबाजों ने कोढ़ में खाज बना दिया है। अभी कुछ दिन पहले ही एआई जनरेट तस्वीर ने सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैला दी कि लखनऊ के पॉश कॉलोनी में शेर घूम रहा है। ऐसी तस्वीर बनाकर वायरल करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लखनऊ पुलिस ने इस अफवाह पर विराम लगाया। इसी तरह एआई तकनीक से एक फर्जी वीडियो में दिखाया गया कि देश की प्रतिष्ठित महिला पत्रकार गृह मंत्री के जूते साफ कर रही हैं। अफवाहबाजी की ऐसी एक नहीं सैकड़ों-हजारों कहानियां हैं। ब्लैकमेलर और अफवाहबाज सूचना का अधिकार कानून और सोशल मीडिया का खूब दुरूपयोग कर रहे हैं। एजेंडा धारी स्वार्थवश झूठे एजेंडे चला रहे हैं। साइबर अपराध खूब फल फूल रहा है।

सूचना का अधिकार, जनहित याचिका हो, आईजीआरएस या सोशल मीडिया, आम नागरिकों के ये जायज हथियार नाजायज तरीके से हथिया लिया जा रहा है। पिछले दो दशक में बहुत कुछ बदला है। तकनीक का तेजी से विस्तार हुआ और इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी आगे बढ़ी। सोशल मीडिया और सूचना का अधिकार का सदुपयोग भी हो रहा है। सोशल मीडिया सूचनाओं, जानकारियों, ज्ञान, सकारात्मक कंटेंट, प्रतिभाओं, झूठ के खिलाफ सच्चाइयों को आसानी से परोसने और आगे बढ़ाने का बेहतरीन माध्यम है। सूचना का अधिकार सूचनाएं, जानकारियां प्राप्त करने, पार्दर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ आम जनता का अधिकार है और ताकतवर हथियार भी।

सोशल मीडिया के हथियारों के साथ जनहित याचिकाओं और शिकायत के अधिकारों का दुरुपयोग करने वाले शिकायती गिरोहों की ब्लैकमेलिंग के धंधे जितना परवान चढ़ रहे हैं आम नागरिकों का अधिकार कमजोर पड़ रहा है। ये चिंता का विषय है और इस पर लगाम बेहद जरूरी है। आरटीआई की साइट पर जाइए और शिकायतों के विवरण पर गौर कीजिए, तो पता चलेगा कि चंद नाम निरंतर दर्जनों सूचनाएं मांग रहें हैं और ऐसा ही मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर भी कुछ शिकायतकर्ता या तो बार-बार शिकायत कर रहे हैं या फिर फर्जी नामों या डमी नामों से शिकायतें खूब की जा रही हैं।

ऐसे ही ब्लैकमेलिंग के इरादे से शिकायती गिरोह का एक-एक सदस्य आधा-आधा दर्जन जनहित याचिकाएं दाखिल किए हैं। बाद में अधिकांश याचिकाओं की पैरवी बंद कर दी जाती है। यानी समझौता, सफल निगोशिएशन या यूं कहिए कि ब्लैकमेलिंग का ऑपरेशन लेन-देन सफल और याचिकाएं, शिकायतें, सूचनाएं डंप या वापस ले ली जाती हैं। राज्य सूचना आयुक्त और लखनऊ विकास प्राधिकरण सहित कई सरकारी विभागों के अनुसार एक व्यक्ति दर्जनों/सैकड़ों बार सूचनाएं मांगता और शिकायतें करता हैं। ये लोग संगठित तौर पर पैरवी और अपील में भी डटे रहते हैं। ऐसे में आम इंसान की जायज शिकायत या मांगी गई सूचना धंधेबाजों की भीड़ में बहुत पीछे हो जाती है। खबर के लिए सूचनाएं मांगने और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार भी ब्लैकमेलरों के संगठित गिरोहों से परेशान हैं।

ऐसे गैंग बाकायदा सिस्टेमैटिक ढंग से काम करते हैं। एक विंग के लोगों की आईडी या सिग्नेचर/फर्जी सिग्नेचर से सूचनाएं मांगी जाती हैं। आईजीआरएस (मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत) की जाती है। जनहित याचिकाएं मांगी जाती हैं। ये धमकी भरे नोटिस भेजने और धोखाधड़ी से फर्जी एफआईआर/ 156(3) कराने में भी माहिर होते हैं। आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाओं और शिकायतों को सोशल मीडिया पर वायरल करने का विंग अलग होता है। गिरोह का तीसरा विंग जनहित याचिकाएं/एफआईआर/आईजीआरएस/शिकायत वापस लेने के निगोशिएशन के लिए होता है।

चिंता की ये ज्यादा बात नहीं कि लोग ब्लैकमेलिंग का शिकार हो रहे हैं। अधिक चिंता की बात ये है कि आम नागरिकों का जायज हथियार छीनकर नाजायज तरीके से चलाया जा रहा है। वैसे ही जैसे गरीबों की झोपड़ियों और बस्तियों पर भू-माफियाओं की नजर रहती है। आम जनमानस, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अधिकार रूपी सशक्त हथियारों को ब्लैकमेलिंग की शिकायती गिरोहबाजी से मुक्त कराना कानून, शासन-प्रशासन, पत्रकारिता और जनता सभी का फर्ज है।

आरटीआई की साइट पर जाइए और शिकायतों के विवरण पर गौर कीजिए, तो पता चलेगा कि चंद नाम निरंतर दर्जनों सूचनाएं मांग रहें हैं।

सोशल फोरम

शराबबंदी ने एक नए उद्योग को दिया जन्म!

पूरी दुनिया में लोग शराब पीते हैं, लेकिन पियक्कड़ भारत में ही मिलते हैं। अपराध का एक बहुत बड़ा कारण शराब भी है। नीतीश कुमार ने शराब बंदी कर एक सार्थक कदम उठाया था, लेकिन जब अगल-बगल के राज्यों में शराब पर कोई पाबंदी नहीं हो, तो शराबबंदी को बिहार में असफल होना ही था, जो कि हुआ है। उल्टे इसने एक नए उद्योग को जन्म दे दिया। शराब के अवैध व्यापार का और पुलिस को कमाई का एक नया जरिया पैदा कर दिया। अगर आप इन पियक्कड़ों का दर्शन करना चाहें, तो शाम सात बजे से रात दस बजे बीच जो भी ट्रेन यूपी से बिहार में प्रवेश करे, उसके रिजर्व बोगी में बैठ जाइए। दो-चार पियक्कड़ मिल ही जाएंगे। बिना टिकट ट्रेन से यूपी में जाते हैं और उधर से टर्र होकर बिना टिकट किसी ट्रेन से वापस हो जाते हैं। हो सकता है, कोई-कोई इतना अधिक पी लिया हो कि ठीक से खड़ा भी न हो सके और तो और किसी सीट पर बैठे या सोये उल्टी भी करने लगे, जैसा कि बीते दिन मैंने देखा। ट्रेन थी हरिहर एक्सप्रेस अंबाला से बरौनी की लंबी दूरी तय करने वाली। बलिया से आगे बढ़ते और बिहार करीब आते ही ट्रेन बिना मां-बाप के हो गई। जैसे कि पटना और आरा के बीच ट्रेनें होती हैं। न कोई टिकट चेकर, न कोई पुलिस। अगले सुरेमनपुर स्टेशन पर तीन मुस्टंडे सवार हुए। उनमें से एक मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था। ओवरडोज ले लिया होगा। बी-1 कोच में मेरे सामने तीन सीटें खाली थीं। एक ने लाइट ऑफ की और दो ने सहारा देकर ओवरडोज वाले को जैसे-तैसे नीचे सुला दिया। अपने दोनों इधर-उधर पसर गए। छपरा आने के पहले ही तीनों वहां से चले भी गए। मैं अपने टैबलेट में पढ़ रहा था। ट्रेन शहर में प्रवेश की, तो मैं भी उठा और लाइट जलाया। फिर नीचे नजर पड़ी। सामने के तीनों सीट के चादर, कंबल नीचे गिरे हुए थे। सोचा, पियक्कड़ ने गलती से गिरा दिया है, उठाकर रख दूं। पर यह क्या, नीचे तो पूरी उलटी पसरी थी, जिसको पियक्कड़ों ने ट्रेन के कंबल, चादर आदि से ढक दिया था। सोचने लगा कंबल और चादर की दुर्गति पर। कोच अटेंडेंट को जाकर बोला। उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं, मानों इसका आदी हो। वह सफाई कर्मचारी को बुलाया, साफई करवाई। मैंने पूछा, "क्यों जी, तुम लोग ऐसे लोगों को कुछ बोलते नहीं हो?" उन्होंने चुप्पी साध ली। फिर कहा, "क्या कीजिएगा सर! रोज ऐसा होता है।" मैंने भी सोचा, ये आखिर क्या कर सकते हैं? जब सरकार पियक्कड़ों से नहीं निपट पा रही है, तो ये ठेके पर रखे गए लड़के हैं। अपनी जान जोखिम में क्यों डालें?

राना सिंह
सेवानिवृत प्रोफेसर

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं डिप्टी स्पीकर पद की रिक्तता

संसदीय लोकतंत्र की जड़ें केवल चुनावों से नहीं, बल्कि उन संवैधानिक परंपराओं से सुदृढ़ होती हैं, जो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण परंपरा है लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) का पद। सुप्रीम कोर्ट में लंबित जनहित याचिका (संख्या 126/2023) ने इस मुद्दे को एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। इस याचिका में कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद-93 और 178 के तहत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव 'यथाशीघ्र' कराए जाने चाहिए, किंतु व्यावहारिक स्थिति यह है कि अध्यक्ष का चुनाव तो पहले ही दिन हो जाता है, जबकि उपाध्यक्ष का चुनाव महीनों और कभी-कभी तो वर्षों तक टलता रहता है।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
लेखक, जयपुर

वर्तमान में लोकसभा में यह पद जून 2019 से रिक्त है। राजस्थान विधानसभा ने अपनी 15 वीं विधानसभा के पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल में उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं कराया और वर्तमान 16 वीं विधानसभा में भी लगभग दो वर्ष बीत जाने के बाद पद अब तक खाली है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसी बड़ी विधानसभाओं में भी यही स्थिति है। झारखंड विधानसभा में तो यह पद बीस वर्षों से अधिक समय से रिक्त है। ये आंकड़े केवल प्रशासनिक उपेक्षा नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादा के उल्लंघन की ओर संकेत देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह प्रश्न पूछा है कि आखिर 17 वीं लोकसभा का पूरा कार्यकाल बीत जाने और 18 वीं लोकसभा के गठन के एक वर्ष बाद भी उपाध्यक्ष का चुनाव क्यों नहीं हुआ? यह प्रश्न केवल संवैधानिक औपचारिकता का नहीं, बल्कि नैतिक और राजनीतिक उत्तरदायित्व का भी है। संविधान निर्माताओं की दृष्टि में 'यथाशीघ्र' का अर्थ अनिश्चित काल तक प्रतीक्षा नहीं, बल्कि तत्काल अनुपालन से था। इस पद की उपेक्षा संविधान की उस भावना के विरुद्ध है, जो सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संस्थागत संतुलन की रक्षा करती है।

संविधान सभा की चर्चाओं में यह स्पष्ट किया गया था कि उपाध्यक्ष का पद केवल अध्यक्ष के स्थानापन्न के रूप में नहीं, बल्कि सदन की निरंतरता और निष्पक्षता के प्रतीक के रूप में आवश्यक है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं, विभिन्न संसदीय समितियों का नेतृत्व करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संसदीय व्यवस्था निर्बाध रूप से चलती रहे। भारतीय संसदीय परंपरा में यह पद लंबे समय तक विपक्ष को दिया जाता रहा है ताकि सदन के संचालन में निष्पक्षता बनी रहे। यह राजनीतिक उदारता और संवादशीलता का उदाहरण था, किंतु आज ऐसी परंपराएं विलुप्त होती जा रही हैं। लोकसभा में 1991 से यह परंपरा स्थापित हुई थी कि उपाध्यक्ष पद विपक्ष को मिले, पर 17 वीं लोकसभा में यह परंपरा टूट गई। यह केवल संवैधानिक अवहेलना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सह-अस्तित्व की भावना के क्षरण का संकेत है। उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में न केवल सदन की कार्यवाही का संतुलन प्रभावित होता है, बल्कि विपक्ष को संस्थागत प्रतिनिधित्व से भी वंचित किया जाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका ने यह प्रश्न उठाया कि क्या संवैधानिक पदों की नियुक्ति राजनीतिक सुविधा पर छोड़ी जा सकती है? जब अध्यक्ष का चुनाव कुछ ही घंटों में संभव है, तो उपाध्यक्ष का वर्षों तक लंबित रखना संवैधानिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न है। लोकतंत्र केवल शासन की व्यवस्था नहीं, बल्कि आचरण की संस्कृति है। यदि लोकसभा और विधानसभाएं यथाशीघ्र उपाध्यक्ष का चुनाव कर लें, तो यह संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति सम्मान होगा। सत्ता-पक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र का संचालन केवल बहुमत से नहीं, बल्कि मर्यादा से होता है और उपाध्यक्ष का पद उसी मर्यादा का सशक्त प्रतीक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

संगीत की मधुर इबारत लिखता भातखंडे

प्रख्यात संगीतकार विष्णु नारायण भातखंडे द्वारा 1926 में मैरिस कालेज ऑफ म्यूजिक के नाम से स्थापित संगीत विद्यालय एक सदी में वक्त के साज पर मनोहारी स्वर लहरियां उत्पन्न करता नजर आ रहा है। यह न केवल भारत का प्रमुख संगीत संस्थान बन चुका है, बल्कि उत्तर प्रदेश के पहले राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा भी हासिल कर चुका है। भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में दुनिया के कई देशों से विद्यार्थी संगीत और नृत्य की शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं।

-शबाहत हुसैन विजेता
लखनऊ

एक सदी का सफर

1926 से 1966 तक मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक के नाम से पहचान रखने वाला संस्थान 1966 में अपने जनक विष्णु नारायण भातखंडे के नाम पर भातखंडे कॉलेज ऑफ हिन्दुस्तानी म्यूजिक में बदल गया। वर्ष 2000 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिला और तत्कालीन प्रधानाचार्य डॉ. पूर्णिमा पांडेय को कुलपति बनाया गया। 2022 तक यह डीम्ड विश्वविद्यालय रहा। इस दौरान पं. विद्याधर व्यास, श्रुति सडोलीकर को यहां का कुलपति बनाया गया। कुछ समय तक यहां कार्यवाहक कुलपति भी रहे, लेकिन 2022 में राज्य विश्वविद्यालय बन जाने के बाद भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में प्रो. मांडवी सिंह पहली कुलपति बनीं।

मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक नाम के पीछे की कहानी

संगीत के अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के इस संस्थान को विष्णु नारायण भातखंडे ने शुरू किया, लेकिन इसका उद्घाटन संयुक्त प्रांत के तत्कालीन गवर्नर सर विलियम सिंक्लेयर मैरिस ने किया और कालेज का नाम भी उन्हीं के नाम पर कर दिया गया। आजादी के 19 साल बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका अधिग्रहण किया और इसका नाम इसके संस्थापक के नाम पर किया गया।

सुनहरी हैं उम्मीदें

इस साल हुए दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से 8 स्वर्ण पदक लेकर अंशिका कटारिया जैसे विद्यार्थियों ने यह उम्मीद जाहिर कर दी है कि संगीत में आने वाला कल भी बहुत सुनहरा है। योग्य गुरुओं से सीखकर विद्यार्थी सफलता का आसमान चूमने को बेकरार हैं।

कौन थे पं. विष्णु नारायण भातखंडे

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत पर पहला आधुनिक ग्रंथ लिखने वाले पं. विष्णु नारायण भातखंडे ने रागों की व्याख्या सहज भाषा में की। रागों के व्याकरण की व्याख्या करने वाली कई बंदिशों की रचना की। संगीत प्रेमियों को यह जानकार झटका लग सकता है कि संगीत में अपना अमूल्य योगदान देने वाले भातखंडे जी के परिवार का संगीत से कोई जुड़ाव नहीं था। एलिफिंस्टन कॉलेज मुंबई में, उन्होंने कानून की डिग्री ली थी। कुछ समय तक उन्होंने आपराधिक मुकदमे भी लड़े, क्योंकि पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने सितार की शिक्षा भी लेनी शुरू कर दी थी इसलिए उनकी संगीत में रूचि बढ़ गई, उन्होंने संगीत से जुड़े ग्रंथों का अध्ययन भी किया। उस्ताद अली हुसैन से ख्याल और ध्रुवपद की विधिवत शिक्षा ली। वर्ष 1900 में पत्नी और 1903 में बेटी के निधन के बाद उन्होंने वकालत पूरी तरह से छोड़ दी और संगीत में ही रम गए।

सुनहरा रहा है एक सदी का सफर

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने संगीत की दुनिया को पार्श्व गायक तलत महमूद, गायक अनूप जलोटा, संगीतकार नौशाद, शास्त्रीय गायक पं. केजी गिंदे, श्रीलंकाई गायिका नंदा मालिनी, दीपिका प्रियदर्शिनी और कल्पना पटवारी जैसे कलाकार दिए। इस संस्थान में मलिका-ए-गजल पद्मभूषण बेगम अख्तर, अहमद जान थिरकवा, कथक नर्तक पुरु दाधीच, एस एन रतजनकर और मोहन राव कल्याणपुरकर जैसे नामचीन कलाकार शिक्षक के रूप में रहे। राज्य विश्वविद्यालय बन जाने के बाद तो पिछले तीन साल में यहां दुनियाभर के संगीत शिक्षक संगीत की शिक्षा देने के लिए आते रहे।

डीम्ड विश्वविद्यालय रहने के दौरान विवादों से रहा चोली दामन का साथ

वर्ष 2000 से 2022 के बीच जब यह विश्वविद्यालय डीम्ड यानी सम विश्वविद्यालय था तब यहां खूब विवाद पनपे और विश्वविद्यालय सियासत का गढ़ बना रहा। शिक्षकों ने कुलपतियों के खिलाफ मोर्चा खोला। शिक्षकों के वेतन के मामले में विवाद हुए। पेंशन मामले विश्वविद्यालय से शासन के बीच घूमते रहे। शिक्षकों ने कुलपतियों की शिकायतें राजभवन तक पहुंचाईं।

विश्वविद्यालय में होती है इन विषयों की पढ़ाई

अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में कथक और भरतनाट्यम नृत्य के अलावा तबला, सितार, ढोलक, पखावज वादन की शिक्षा दी जाती है। विभिन्न विषयों में बीपीए (स्नातक), एमपीए (स्नातकोत्तर) की शिक्षा के साथ पीएचडी कराई जाती है। भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य में दो वर्षीय डिप्लोमा, ध्रुवपद-धमार, ठुमरी-दादरा, सुगम संगीत, हारमोनियम और लोकनृत्य में दो वर्षीय डिप्लोमा, लोक संगीत और ढोलक में एक वर्षीय डिप्लोमा का कोर्स कराया जाता है। इस विश्वविद्यालय में ध्रुवपद-धमार, ठुमरी गायन, सुगम शास्त्रीय संगीत, संगीत रचना और निर्देशन में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

आर्ट गैलरी

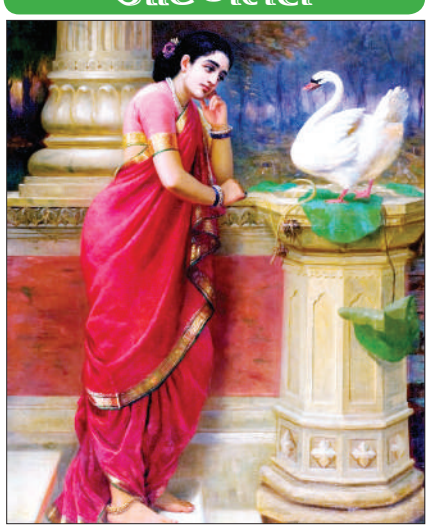

हंस दमयंती

राजा रवि वर्मा की एक प्रसिद्ध पेंटिंग है 'हंस दमयंती'। यह सरल, परिष्कृत, सुंदर और देखने में सुखद है। इसमें थोड़ा-सा नाटकीयपन भी है। दमयंती ने सुंदर भावों के साथ अपनी मुद्रा बनाई है। उनकी भाव-भंगिमाएं आकर्षक हैं और ऐसा लगता है जैसे वह रेलिंग पर बैठे हंस की बात ध्यान से सुन रही हैं। इस पेंटिंग में नीले, गुलाबी और सुनहरे रंगों का एक सौम्य मिश्रण है। ये सभी मिलकर पेंटिंग और दृश्य को एक स्वप्न जैसा प्रभाव देते हैं।

राजा रवि वर्मा देश के सबसे प्रसिद्ध चित्रकारों में से एक हैं। उन्हें 'आधुनिक भारतीय कला का जनक' भी कहा जाता है। उनकी पेंटिंग की खासियत पौराणिकता और ऐतिहासिक दृश्यों में है। उन्होंने अपने पात्रों, खासकर महिलाओं को रंगों, गति और शैली के माध्यम से चित्रों में जीवंत कर दिया। उनका जन्म 29 अप्रैल 1848 को केरल के किलीमनूर महल में हुआ था।

रवि वर्मा ने अपनी कला में भारतीय विषयों को यूरोपीय यथार्थवादी शैली (Realistic Style) के साथ मिश्रित किया, जो उस समय में एक क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं और पौराणिक कथाओं (महाभारत, रामायण) के पात्रों को मानवीय रूप में चित्रित किया, जिससे ये छवियां आम लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय हो गईं। आज भी हिंदू देवी-देवताओं की जो तस्वीरें कैलेंडर और घरों में दिखाई देती हैं, उनमें से कई राजा रवि वर्मा की पेंटिंग्स से प्रेरित हैं।

उनकी एक बड़ी उपलब्धि लिथोग्राफिक प्रिंटिंग प्रेस के माध्यम से अपनी कलाकृतियों को जनसाधारण तक पहुंचाना था। इससे पहले कला केवल राजघरानों तक ही सीमित थी।

उनकी प्रमुख कृतियों में 'शकुंतला', 'द महाराष्ट्रियन लेडी', 'हरिश्चंद्र इन डिस्ट्रेस' और 'जटायु वध' शामिल हैं। 1873 में उन्होंने अपनी पेंटिंग 'नायर लेडी एडोर्निंग हर हेयर' के लिए वियना में गवर्नर का स्वर्ण पदक जीता। 2 अक्टूबर 1906 को उनका निधन हो गया। भारतीय कला में उनका योगदान अमूल्य है।

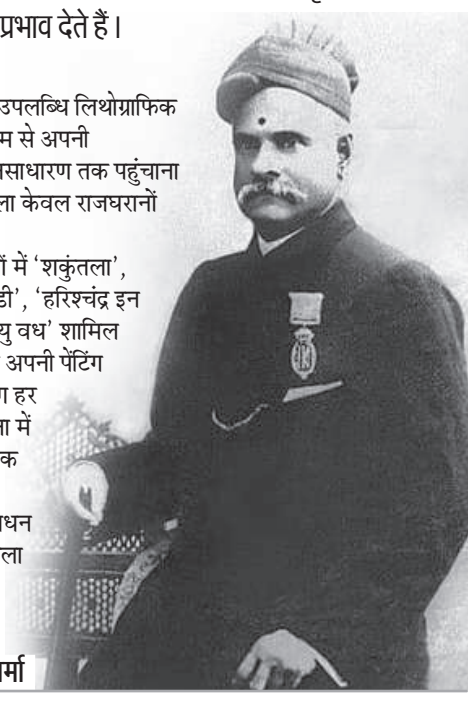

पेंटर राजा रवि वर्मा

रंग-तरंग

उत्तराखंड राज्य गठन की 25 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में देहरादून इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ डिजाइन में 'उद्गम 2025' प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, जिसमें प्रथम सेमेस्टर के छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को दर्शाया गया। कुलपति प्रो. रघुरामा जी ने इसका शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में सामाजिक सरोकार, भारतीय इतिहास और पारंपरिक शिल्पकला पर आधारित कार्यशालाओं और प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया।

कला, शिल्प, इतिहास और डिजाइन प्रेरित करते रचनात्मकता को

प्रदर्शनी में महिला सुरक्षा टूलकिट और भूख जागरूकता जैसे विषय विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे, जहां विद्यार्थियों ने समुदाय कल्याण और सहानुभूति को बढ़ावा देने वाले डिजाइन समाधान और हस्तनिर्मित कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। विद्यार्थियों ने पारंपरिक कथा-कला जैसे उत्तराखंड की ऐपन कला, राजस्थान की कावड़ कला और बिहार की वारली कला का भी अध्ययन किया और उन्हें आधुनिक डिज़ाइन शिक्षा के साथ जोड़कर नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी इस बात का उदाहरण रही कि कला, शिल्प, इतिहास और डिजाइन किस प्रकार मिलकर रचनात्मकता को प्रेरित करते हैं, संस्कृति का संरक्षण करते हैं और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त बनाते हैं। 'उद्गम' कला, इतिहास और डिजाइन के माध्यम से सामाजिक चेतना जगाने का एक प्रेरणादायक उत्सव था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की सराहना की और अपने व्यावसायिक अनुभवों से प्रेरणादायक विचार साझा किए। प्रदर्शनी में डॉ. उमाकांत पंवार, पूर्व आईएएस अधिकारी, प्रमुख सचिव (उत्तराखंड सरकार), ग्रुप एडवाइजर एम्पायर एनर्जी, उद्यमी, एंजेल निवेशक एवं विज्ञान, डिजाइन व वास्तुकला के उत्साही के लोग शामिल हुए।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,871.32	25,694.95
बढ़त	335.97	120.60
प्रतिशत में	0.40	0.47

सोना 1,23,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,784 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 12 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एमएफ की इक्विटी में निवेश 19% घटा

मुंबई। म्यूचुअल फंड (एमएफ) की इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश अक्टूबर में 19% घटकर 24,690 करोड़ रुपये रह गया। एक उद्योग निकाय ने मंगलवार को कहा कि यह तीसरा महीना है, जब इसमें गिरावट आई है। खुदरा निवेशकों के पसंदीदा निवेश विकल्प व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में कुल प्रवाह सितंबर के रिकॉर्ड 29,631 करोड़ की तुलना में 29,529 करोड़ रुपये रहा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, सोने की कीमतों में तेजी के बीच इस महीने गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 7,743 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इस श्रेणी में कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गईं। इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश सितंबर में नौ प्रतिशत घटकर 30,421 करोड़ रुपये रह गया।

नए जीवन बीमा का प्रीमियम 12.1% बढ़ा

कोलकाता। भारत के जीवन बीमा क्षेत्र ने दूसरे महीने दोहरे अंक की वृद्धि जारी रखी। इसमें नए व्यवसाय का प्रीमियम अक्टूबर में सालाना आधार पर 12.1% बढ़कर 34,007 करोड़ रुपये हो गया। केयरएज रेटिंग्स ने मंगलवार को जीवन बीमा परिषद और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने कहा कि यह अगस्त, 2025 में हुई 5.2 प्रतिशत की गिरावट से उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से व्यक्तिगत खंड, विशेष रूप से गैर-एकल प्रीमियम पॉलिसियों में मजबूत प्रदर्शन के कारण हुई जो आवर्ती उत्पादों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। इसके अलावा व्यक्तिगत जीवन बीमा उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में हालिया कटौती ने बीमा कंपनियों की समग्र वृद्धि गति को बनाए रखने में मदद की है।

भारत फोर्ज जुटाएगी 2,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारत फोर्ज के निदेशक मंडल ने सावधि ऋण, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र या किसी अन्य ऋण साधन सहित विभिन्न माध्यमों के जरिये 2,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दे दी है। पुणे स्थित कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल ने सावधि ऋण, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर या किसी अन्य ऋण माध्यम के जरिये 2,000 करोड़ जुटाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस संबंध में रणनीतिक व्यवसाय - निवेश समिति को अधिकार दे दिए गए हैं।

व्यापार समझौते की आशा ने दी मजबूती

बाजार में दूसरे दिन भी रही तेजी, सेंसेक्स 336 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,700 अंक के पास

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ। दोनों सूचकांक में बीएसई सेंसेक्स 336 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25,700 अंक के पास पहुंच गया। भारत, अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद के

- **सेवाओं और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार को मिली बढ़त**

बीच सेवाओं और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 411.32 अंक की गिरावट के साथ 83,124.03 अंक पर आ गया था। वहीं एनएसई का निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 125.1 अंक टूटकर 25,449.25 अंक पर आ गया। हालांकि, दोनों सूचकांकों ने अच्छी वापसी की और अंत में उल्लेखनीय बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 335.97 अंक बढ़कर 83,871.32 और निफ्टी 120.60 चढ़कर 25,694.95 अंक पर पहुंचा।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, दिल्ली विस्फोट को लेकर चिंताओं के बीच घरेलू बाजार की शुरुआत हल्की रही। हालांकि, अमेरिकी सीनेट द्वारा विभिन्न विभागों में कामकाज ठप होने को समाप्त करने के लिए विधेयक पारित किए जाने से वैश्विक संकेतों के समर्थन से, बाजार में तेजी से सुधार हुआ और यह लाभ के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र समाप्त होने वाला है। मझोली तथा छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के चलते इसके सकारात्मक रुख के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। आईटी, वाहन, धातु और एफएमसीजी क्षेत्रों में बढ़त से यह तेजी बरकरार रही।

मिडकैप में बढ़त तो स्मॉलकैप ने किया निराश

मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 0.20% बढ़ा, जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.09% नुकसान में रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, क्षेत्रीय स्तर पर आईटी, वाहन और धातु शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि वित्तीय, रियल्टी और औषधि कंपनियों के शेयरों में सुस्ती रही। मिडकैप में आधे प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि स्मॉलकैप मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। यह चुनिंदा भागीदारी को दर्शाता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिका जल्द ही भारत पर लगाए गए शुल्क को कम करेगा, क्योंकि दोनों देश एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंग सेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 4,114.85 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक 5,805.26 करोड़ रुपये के शेयरों के शुद्ध खरीदार रहे।

चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉरपोरेट कर संग्रह में वृद्धि और धीमी रिफंड दर से चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इस साल 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच रिफंड जारी करने की दर 18% घटकर 2.42 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक थी।

इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 5.37 लाख करोड़ रहा, जो गत वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 5.08 लाख करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में अब तक व्यक्तियों और एचयूएफ सहित गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 7.19 लाख करोड़ रहा, जो गत वर्ष 6.62 लाख करोड़ था। समीक्षाधीन अवधि में अब तक प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 35,682 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 35,923 करोड़ रुपये था। सकल प्रत्यक्ष कर

- **रिफंड जारी करने की दर 18% घटकर 2.42 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक**

संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर शामिल हैं, चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक सालाना आधार पर 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 12.08 लाख करोड़ रुपये था। रिफंड समायोजित से पहले, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 15.35 लाख करोड़ से अधिक रहा, जो गत वर्ष की तुलना में 2.15% अधिक है।

चालू वित्त वर्ष में सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया है, जो सालाना आधार पर 12.7% अधिक है। सरकार का लक्ष्य 2025-26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ जुटाना है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार रोहिंटन सिधवा ने कहा कि पिछले साल ब्याज दरों में भारी कटौती के बावजूद गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि जारी है। यह एक बहुत अच्छा संकेत है, जो आय स्तर में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।

चिकित्सकीय उपचार के लिए 'आगमन पर वीजा' पर कर सकते हैं विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका जैसे देशों के मरीजों को चिकित्सकीय उपचार के लिए आगमन पर वीजा (वीजा ऑन अराइवल) की सुविधा देने पर विचार किया जा सकता है। गोयल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आगमन पर वीजा का विचार अच्छा है। हम इसे आगे बढ़ाएंगे, कई देशों के लिए हम आगमन पर वीजा की अनुमति देते हैं। हम ई-वीजा की अनुमति भी देते हैं, इन दोनों पर विचार किया जा सकता है। अमेरिका के लिए, अधिकतर यूरोपीय देशों के लिए, वैसे सभी के लिए नहीं, अधिकतर देशों के लिए जहां हमें काफी सुविधा है और जहां विस्तृत जांच-पड़ताल या पूछताछ की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ को इस विचार पर काम करने और सरकार के साथ साझा करने का सुझाव दिया। गोयल ने कहा कि जाहिर है हमें यह देखना होगा कि क्या प्रमाणन होंगे और वे कौन से देश हैं जिनके लिए हम इसकी अनुमति दे सकते हैं।

व्यापार समझौतों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से नहीं करेगा समझौता

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत व्यापार समझौतों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत अपने मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए रूस जैसे नए बाजारों की तलाश कर रहा है, जो अमेरिका में भारी शुल्क के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है। उन्होंने उद्योग समागम-2025 में कहा, हम एक अच्छे व्यापार समझौते के लिए काम कर रहे हैं। भारत किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेंगे... हम एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। यह राज्यों के उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों का सम्मेलन है। मंत्री ने कहा कि यह व्यापार समझौता कल हो सकता है, अगले महीने हो सकता है, अगले साल हो सकता है, हालांकि, एक सरकार के रूप में हम किसी भी आकस्मिक स्थिति का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं।

86% किसान कृषि प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण की पहुंच से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को प्रौद्योगिकी से अभी भी अछूते अधिकांश किसानों तक पहुंचने के लिए खंडित कृषि नवाचार से हटकर राज्य-स्तरीय परीक्षण मंच और एकीकृत डेटा ढांचे के माध्यम से प्रणालीगत एकीकरण की ओर बढ़ना होगा। उद्योग मंडल एसोचैम की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

उद्योग निकाय ने कहा कि 86% किसान अब भी अधिकांश कृषि-प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण की पहुंच से बाहर हैं और प्रौद्योगिकी के सत्यापन, व्यावसायीकरण और छोटे किसानों तक उनकी पहुंच के तरीके में मूलभूत परिवर्तन की जरुरत है। भविष्य के लिए तैयार कृषि प्रणाली की ओर भारत की यात्रा इस बात से परिभाषित होगी कि वह प्रौद्योगिकी को समावेशन के साथ, डेटा को निर्णय लेने के साथ और नवाचार को प्रभाव के साथ कितनी प्रभावी ढंग से एकीकृत करता है। एसोचैम की रिपोर्ट में वास्तविक परिस्थितियों में प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए सहयोगी परीक्षण स्थल के रूप में काम करने को राज्य-स्तरीय कृषि-तकनीकी सैंडबॉक्स स्थापित करने की सिफारिश की गई है।

- **भारत को खंडित कृषि नवाचार से हटकर प्रणालीगत एकीकरण की ओर बढ़ना होगा**

प्रस्तावित सैंडबॉक्स सरकारी एजेंसियों, स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों को पूर्ण पैमाने पर तैनाती से पहले समाधान को सत्यापित करने के लिए एक साथ लाएंगे। 90 से ज्यादा आईसीएआर संस्थान, 60 राज्य कृषि विश्वविद्यालय और 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) होने के बावजूद, भारत में उभरती कृषि प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए एकीकृत प्रणाली का अभाव है। वर्तमान तंत्र खंडित और धीमा बना हुआ है, जिससे नवाचार के लिए स्पष्ट सत्यापन के रास्ते नहीं खुल पा रहे हैं। प्रत्येक सैंडबॉक्स राज्य कृषि विभागों के भीतर स्थापित होगा, जिसमें आईसीएआर संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और नाबार्ड सहित संबद्ध विभागों और भागीदारों की हिस्सेदारी होगी।

कृषि डेटा कॉमन्स की स्थापना का किया आह्वान

कृषि मंत्रालय और नीति आयोग की सह-अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय संचालन समिति शासन और वित्तपोषण की देखरेख करेगी। कृषि डेटा वर्तमान में अलग-अलग जगहों पर मौजूद है - आईसीएआर और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान परीक्षण, राज्य विपणन बोर्ड के साथ बाजार डेटा और निजी कृषि-तकनीक स्टार्टअप के साथ कृषि-स्तरीय डेटा। यह विखंडन उन अत्याधुनिक नवोन्मेषण के विकास को सीमित करता है जो सत्यापित डेटा पर निर्भर करते हैं। एसोचैम ने एफ्एओ द्वारा अनुशंसित सिद्धांतों पर आधारित एक 'कृषि डेटा कॉमन्स' की स्थापना का आह्वान किया, जिससे डेटा खोजने योग्य, सुलभ, अंतर-संचालन योग्य और पुनः प्रयोज्य हो सके। रिपोर्ट में विश्व आर्थिक मंच के साथ विकसित तेलंगाना के कृषि डेटा एक्सचेंज (एडीईएक्स) को सुरक्षित, मानक-संचालित डेटा साझाकरण के एक मॉडल के रूप में उद्धृत किया गया है।

आसपास

मेडिकल कॉलेज में प्रवक्ता के पद पर तैनात रही थी डॉ. शाहीन शाहिद

वर्ष 2006 में यहां तैनाती के बाद 2009 में डॉ.शाहीन का तबादला कन्नौज हो गया था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली में हुए विस्फोट का कनेक्शन कानपुर से निकलने पर मंगलवार को पुलिस-प्रशासन के साथ ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा रहा। आतंकी गतिविधियों में फरीदाबाद से गिरफ्तार हुई डॉ. शाहीन शाहिद जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में प्रवक्ता के पद पर रह चुकी है। इसकी जानकारी पर मंगलवार को खुफिया एजेंसियों की एक संयुक्त टीम जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज पहुंची और यहां पर उसकी नियुक्ति, सेवा और व्यक्तिगत विवरण से जुड़े सारे दस्तावेज खंगाले।

डॉ. शाहीन। अमृत विचार

- **वहां छह माह नौकरी करने के बाद वह कानपुर लौट आई थी और वर्ष 2013 तक सर्विस की**
- **2013 से थी ड्यूटी से लापता, शासन ने 2021 में बर्खास्त कर दिया था**

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2006 में यहां मेडिकल कॉलेज में फामार्कोलाजी विभाग में प्रवक्ता पद पर तैनाती के बाद वर्ष 2009 में डॉ.शाहीन का तबादला कन्नौज हो गया था। वहां छह माह नौकरी करने के बाद वह कानपुर लौट आई थी और वर्ष 2013 तक सर्विस की। 2013 से वो अचानक लापता हो गई। कई बार पत्राचार करने के बाद जब कोई जवाब नहीं आया तो शासन को लिखा गया। शासन से डॉ.शाहीन को वर्ष 2021 में बर्खास्त कर दिया गया था। मंगलवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज पहुंचे जांच अधिकारियों ने फार्माकोलॉजी विभाग में वर्तमान में तैनात और पूर्व अधिकारियों व कर्मचारियों से पूछताछ की और रिपोर्ट तैयार की। साथ ही परिसर को देखा। टीम ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि डॉ.शाहीन वर्ष 2013 से पहले किन लोगों के संपर्क में अधिक थी, उसकी गतिविधियां किस प्रकार की थीं, किस प्रकार की बातें या चर्चा अधिक करती थी, किन जगहों पर वह समय अधिक बिताती थी और आखिरी बार कॉलेज में किस दिन देखी गई। इसके अलावा कॉलेज से अनुपस्थित होने के बाद उस की बातचीत किस अधिकारी, डॉक्टर या स्टाफ से कॉलेज में होती थी। जांच अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज के कई पुराने रिकॉर्ड, बायोमेट्रिक उपस्थिति रजिस्टर और स्टाफ फाइलों की भी गहनता से जांच की। कॉलेज स्टाफ से यह भी जानकारी ली है कि क्या उस समय किसी प्रकार की शिकायत या विवाद दर्ज किया गया था। जांच के दौरान कॉलेज प्रशासन ने टीम का पूरा सहयोग किया और जांच अधिकारियों को डॉ.शाहीन की फाइल में दर्ज लखनऊ के पते और पुराने पत्राचार की कॉपी सौंपी।

कहां और किसके संपर्क में थी, पता नहीं

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन द्वारा जांच टीम को दी गी जानकारी के अनुसार डॉ.शाहीन वर्ष 2013 से लापता थी और वर्ष 2021 में उसे बर्खास्त कर दिया गया था। इस बीच वह प्रदेश या देश में थी या विदेश में, इसकी जानकारी नहीं है। डॉ. शाहीन के जैश के महिला विंग की हेड होने की बात भी सामने आ रही है। वो आतंकी संगठन के संपर्क में कैसे आई और कानपुर में और कौन उसका करीबी था, समेत कई बिंदुओं पर एजेंसिया जांच में जुटी हैं।

डॉ.शाहीन पर जीएसवीएम में चली दिनभर चर्चा

- दिल्ली विस्फोट का कनेक्शन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से निकलने पर मंगलवार को दिनभर सनसनी फैली रही। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों में भी गुपचुप तरीके से इस मुद्दे पर बात होती रही। कुछ को तो यह यह भरोसा नहीं हो रहा था कि जो महिला कभी कॉलेज की प्रवक्ता रही, वो अब आतंकी मामले में शामिल निकली है। लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के माध्यम से डॉ.शाहीन का चयन होने के बाद वर्ष 2006 में उनकी तैनाती जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग में प्रवक्ता के रूप में हुई थी। तब वह अपने कार्यकाल के दौरान गंभीर, मेहनती और अनुशासित शिक्षिका के रूप में जानी जाती थी। जानकारों के मुताबिक डॉ.शाहीन मेडिकल कालेज के एल- ब्लाक के 29 नंबर कमरे में रहती थी और वर्ष 2015 में पति नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जफर से तलाक हो गया था। कॉलेज स्टाफ में डॉ.शाहीन का किसी से विशेष जुड़ाव नहीं था। हालांकि इस संबंध में मेडिकल कालेज प्रशासन या उसके पड़ोसी कोई भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

स्कूली बच्चों को बताई विधानसभा की महत्ता

कानपुर। आल ब्राइट ग्लोबल स्कूल, जरौली के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधान सभा की महत्ता, कार्यप्रणाली तथा निर्णय प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की भूमिका पर भी विचार साझा किए।

ओएनजीसी का जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) का शुद्ध लाभ जुलाई-सितंबर तिमाही में तेल की कीमतों में गिरावट के कारण 18 प्रतिशत घट गया। ओएनजीसी ने बयान में कहा कि कंपनी का शुद्ध लाभ जुलाई-सितंबर में 9,848 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 11,984 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। यह गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण आई। कच्चे तेल की कीमत वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही की 78.33 डॉलर प्रति बैरल से घटकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की इस तिमाही में 67.34 डॉलर हो गई। ओएनजीसी ने दूसरी तिमाही में 46.3 लाख टन कच्चे तेल का उत्पादन किया जो जुलाई-सितंबर 2024 के 45.76 लाख टन उत्पादन से थोड़ा अधिक है। इसका गैस उत्पादन 4.918 अरब क्यूबिक मीटर पर स्थिर रहा। पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर 93.14 लाख टन हो गया जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 92.04 लाख टन था। गैस उत्पादन थोड़ा कम होकर 9.763 बीसीएम रहा।

50 लाख टन हरित हाइड्रोजन क्षमता हासिल कर लेगा भारत

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से 2030 तक 50 लाख टन (एमएमटी) वार्षिक हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता हासिल करने के लक्ष्य से चूक सकता है। हालांकि वह इसे 2023 तक हासिल कर लेगा। हरित हाइड्रोजन पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए सारंगी ने कहा हम लक्ष्य (2030 तक 50 लाख टन की वार्षिक उत्पादन क्षमता ग्रीन हाइड्रोजन) से पीछे रह सकते हैं। देश 2032 तक 50 लाख टन वार्षिक हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता हासिल कर लेगा। भारत ने 2030 तक हरित हाइड्रोजन की वार्षिक उत्पादन क्षमता 50 लाख टन करने का लक्ष्य रखा है।

कॉपर की ओर बढ़ा निवेशकों का रुझान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका की ओर से सिल्वर के साथ कॉपर को भी क्रिटिक्स मिनरल में शामिल कर लिया है। कॉपर के क्रिटिक्स मिनरल में शामिल होने के बाद से अब इस धातु की गुडविल मार्केट में बढ़ गई है। अमेरिका के निर्णय को विशेषज्ञ महत्वपूर्ण मान रहे हैं। उनका कहना है कि बाजार की स्थितियों से ऐसा रुझान सामने आ रहा है जिससे कॉपर भी अगला 'सोना' बनना प्रतीत हो रहा है।

कॉपर की मांग खासतौर पर ऑद्योगिक क्षेत्र में सबसे अधिक है। ऐसे में अमेरिका की ओर से लिए गए निर्णय के बाद से अब इस धातु की मांग बाजार में और अधिक हो सकती है। बाजार विशेषज्ञों की माने तो कॉपर में पिछले तीन महीनों से लगातार उठाल जारी है। बाजार का रुख समझने वाले निवेशक इस धातु में निवेश का मन बना चुके थे। बावजूद सोने व चांदी के दामों में रिकॉर्ड उछाल के बीच इस धातु की तीन महीनों में लगभग 20 से 30 फीसदी तेजी छुपी रह रही थी। सोमवार के एमसीएक्स रेट की बात की जाए तो कॉपर के रेट 1009 रुपये प्रति किलो के रहे हैं। इसी तरह बाजार का भाव जीएसटी के साथ एक किलो का रेट 1020 रुपये प्रति किलो पर बाजार बंद हुआ। माना जा रहा है कि कॉपर का नया रुझान सामने आने के बाद निवेशक बड़ी संख्या में इस धातु की ओर अपनी खरीद बढ़ा सकते हैं। इससे औद्योगिक इकाइयों पर कॉपर की मांग और आपूर्ति में अंतर सामने आ सकता है। इससे दो से तीन महीनों में कॉपर की मांग में 20 से 30 फीसदी बढ़ोत्तरी सामने आ सकती है। पूरे मामले पर ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि कॉपर जल्द ही सोने जैसी मांग की धातु बन सकती है। इस धातु के बढ़े रुझान के चलते निवेशक भी इस ओर आकर्षित हो रहे हैं। आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह का कहना है कि भारत तांबे का आयातक देश है, परंतु अब समय है इसे रणनीतिक दृष्टि से देखने का। घरेलू खनन और रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाकर भारत न केवल आत्मनिर्भर बन सकता है बल्कि निर्यातक देश भी बन सकता है।

कॉपर भी बन सकता है सोना।

- **अमेरिका ने कॉपर व सिल्वर को क्रिटिक्स मिनरल में किया शामिल, बढ़ी गुडविल**

कार्यशैली ही कार्य के भविष्य को तय करेंगी: रिपोर्ट

मुंबई। भारत की कार्य संस्कृति में बदलाव के साथ कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि भविष्य उन लोगों का होगा जो प्रयोगात्मक तरीके और आजीवन सामंजस्य को अपनाते हैं। रोजगार से संबंधित वेबसाइट इंडीड की पहली 'कार्यस्थल रुझान रिपोर्ट 2025' में यह बात कही गई है। इसके मुताबिक, 58 प्रतिशत भारतीय कर्मचारियों का मानना है कि भविष्य उन लोगों का है जो प्रयोगात्मक कार्यशैली और आजीवन सामंजस्य को अपनाते हैं। प्रयोगात्मक कार्यशैली ऐसी श्रेणी को दर्शाती है, जिसमें उभरते कार्यस्थल रुझान जैसे रिवर्स मेंटरिंग (कनिष्ठ द्वारा वरिष्ठ कर्मचारियों का मार्गदर्शन), माइक्रो रिटायरमेंट (जानबूझकर छोटे करियर ब्रेक लेना), एआई मूनशाइनिंग (नौकरी के काम के लिए गोपनीय रूप से एआई का उपयोग), एआई-वॉशिंग (नौकरियों और रिज्यूमे को वास्तविकता से अधिक एआई से जुड़ा हुआ दिखाना) और स्किल नोमैडिज्म (लगातार बदलते कौशल और भूमिकाएं) शामिल हैं।

पूरी दुनिया ने की दिल्ली धमाके की निंदा

बीजिंग/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका, चीन, जापान और इजराइल समेत दुनियाभर के नेताओं ने मंगलवार को कहा कि भारत की राजधानी दिल्ली में विस्फोट में 12 लोगों की मौत और कई के घायल होने से उन्हें गहरा दुख हुआ है। संवेदना व्यक्त करते हुए अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

अमेरिका के विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, नई दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदना है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, हम इस घटना से स्तब्ध हैं। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि विस्फोट में कई अनमोल जानें चली गईं।

- शेख हसीना ने कहा- पाकिस्तान में हैं आतंकी संगठनों की जड़ें

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्रीलंका भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। भूटान में, राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने थिंपू में पीड़ितों के लिए प्रार्थना की, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि मालदीव इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ खड़ा है।

इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने गहरी संवेदना जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, इजराइल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी पार्टी अवामी लीग के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, पाकिस्तान में जड़ें जमाए आतंकवादी संगठनों ने बांग्लादेश समेत विभिन्न देशों में अपने नेटवर्क स्थापित कर लिए हैं और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को कमजोर करने के लिए भारत में हमले कर रहे हैं। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और आयरलैंड के उपप्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने भी प्रभावित हुए लोगों के प्रति संवेदना जताई है।

वैश्विक नेताओं की नीतियों का नतीजा

विश्व में आतंकवाद का सदियों पुराना लंबा और जटिल इतिहास है। हालांकि आतंकवाद शब्द का प्रयोग पहली बार फ्रांसीसी क्रांति के दौरान हुआ था। अब यह एक वैश्विक समस्या है जिसे खत्म करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। पहली शताब्दी ईस्वी में रोमन शासन का विरोध करने वाले यहूदी आंदोलन 'सिकारी जेलोट्स' को कुछ लोग पहला आतंकवादी समूह मानते हैं। आधुनिक आतंकवाद 1870 के दशक में यूरोप में उभरा, जब राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हिंसा का व्यवस्थित उपयोग शुरू किया गया। 1979 में सोवियत-अफगान युद्ध ने धार्मिक रूप से प्रेरित उग्रवाद के उदय में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया, जिससे अल-कायदा जैसे संगठनों को बढ़ावा मिला। 11 सितंबर 2001 के हमले (9/11) ने वैश्विक स्तर पर जिहादी आतंकवाद को सुर्खियों में ला दिया और इसके खिलाफ 'आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध' की शुरुआत हुई।

बढ़ता आतंकवाद

वारदातें विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनों ने सैकड़ों आतंकी समूहों को सूचीबद्ध किया है। ग्लोबल टेररिज्म डेटाबेस ने 1970 के बाद से आतंकवाद के 1,90,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं।

सबसे क्रूर आतंकी संगठन

- 2024 के ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स के अनुसार इस्लामिक स्टेट सबसे घातक, इसे सामूहिक हत्याओं, सिर कलम करने और यौन गुलामी के लिए जाना जाता है।
- हमास दूसरा क्रूर संगठन, जिसने अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हमला किया। इसे जीटीआई के इतिहास में 9/11 के बाद का सबसे बड़ा हमला कहा गया है।
- अल-कायदा से जुड़ा समूह जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन और सोमालिया, पूर्वी अफ्रीका में सक्रिय अल-शबाब बड़ी संख्या में मौतों के लिए जिम्मेदार।
- इनके अलावा, अल कायदा (अमेरिका में 9/11 का हमला), तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बोको हरम जैसे कुख्यात संगठन सबसे क्रूर माने जाते हैं।

खात्मा क्यों मुश्किल

- आतंकवाद के पीछे राजनीतिक, धार्मिक, वैचारिक, जातीय राष्ट्रवादी कारण, जिनका कोई एक समाधान नहीं।
- आतंकवादी समूह सीमाओं के पार काम करते हैं, जिससे सरकारों के लिए अकेले उनका मुकाबला करना मुश्किल।
- कुछ देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादी समूहों को समर्थन देते हैं और सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करते हैं।
- गरीबी, बेरोजगारी, असमानता व राजनीतिक अस्थिरता युवाओं को निरंतर कट्टरपंथी विचारों की ओर धकेलती है।

सबसे ज्यादा पीड़ित

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2024 के अनुसार आतंकवाद से सबसे ज्यादा पीड़ित देशों में बुर्किना फासो दूसरे वर्ष लगातार सबसे ऊपर है। इसके बाद क्रमशः पाकिस्तान, सीरिया, माली, नाइजर, नाइजीरिया, सोमालिया, इजराइल, अफगानिस्तान और कैमरून हैं। भारत इस सूची में 14वें नंबर पर है।

वैश्विक नेताओं की भूमिका

- प्रत्यक्ष तौर पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने, खुफिया जानकारी साझा करने और वित्तपोषण पर अंकुश लगाने जैसे निर्णय लिए हैं।
- कुछ देश अपने भूराजनीतिक हितों के आधार पर कुछ समूहों को आतंकवादी और दूसरों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखते हैं।
- विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने और कार्रवाई में अक्सर समन्वय की कमी होती है।
- सैन्य कार्रवाई पर बहुत अधिक ध्यान लेकिन गरीबी, अन्याय और राजनीतिक शिकायतों जैसे मूल कारणों को दूर करने पर कम।
- आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान मानवाधिकारों का उल्लंघन अक्सर स्थानीय आबादी के बीच नाराजगी पैदा करता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत-वियतनाम की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली। भारत और वियतनाम की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'विनबैक्स 2025' का छठा संस्करण मंगलवार को वियतनाम की राजधानी हनोई में शुरू हुआ। वियतनाम की यात्रा पर गए रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और वियतनाम सेना के उप-प्रमुख सीनियर लेफ्टिनेंट जनरल फुंग सी टैन ने सैन्य अभ्यास उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। विनबैक्स भारत और वियतनाम के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना तथा रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण भारत में अंबाला में हुआ था।

रूसी सेना ने कुप्यांस्क में तेल डिपो और दो रेलवे स्टेशन कब्जाए

मॉस्को। रूसी सशस्त्र बलों के ज़ापद समूह की टुकड़ी ने यूक्रेन में खार्कोव क्षेत्र के कुप्यांस्क में एक तेल डिपो और दो रेलवे स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है। मोटराइज्ड राइफल रेजिमेंट के कमांडर ने कहा, हमने कुप्यांस्क के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित तेल डिपो पर कब्जा कर लिया है। ओलिविनो और पार्क वोस्तोचनोगो प्रिबितिया रेलवे स्टेशनों को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया गया है और यूक्रेनी सशस्त्र बलों से मुक्त करा लिया गया है। कमांडर ने बताया कि इसी समय रूसी सैनिक कुप्यांस्क-सोर्टिरोवोकन्हाया (सोर्टुवलनी) रेलवे स्टेशन को खाली करा रहे हैं। कमांडर ने कहा, यह टुकड़ी कुप्यांस्क-सोर्टिरोवोचनया रेलवे स्टेशन को खाली कराने के लिए युद्ध अभियान चला रही है।

तुर्किये का सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, 20 लोग थे सवार

अंकारा। तुर्किये का एक सैन्य मालवाहक विमान मंगलवार को अजरबैजान की सीमा के पास जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 20 लोग सवार थे। तुर्किये और जॉर्जिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी। तुर्किये के समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में विमान को नीचे की ओर गिरते हुए तथा सफेद धुआं छोड़ते हुए दिखाया गया है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि सी-130 विमान ने अजरबैजान से उड़ान भरी थी और तुर्किये वापस आ रहा था, तभी दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

इस्लामाबाद: अदालत के बाहर हुए आत्मघाती विस्फोट में 12 की मौत

गृहमंत्री नकवी ने अफगान तालिबान पर जताया शक, कहा- कड़ा जवाब देंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्थित एक अदालत के बाहर मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 27 घायल हो गए। हमलावर अदालत परिसर में घुसना चाहता था, लेकिन असफल होने पर उसने दोपहर 12.39 बजे जी-11 इलाके में इमारत के फाटक पर एक पुलिस वाहन के पास विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया।

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि मारे गए लोगों में सुरक्षाकर्मी और एक वकील भी शामिल हैं। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसे हमले आमतौर पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानी (टीटीपी) द्वारा किए जाते हैं। नकवी ने अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा, हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना है, जब भी हमलावर की पहचान हो जाएगी, हम जानकारी सार्वजनिक करेंगे। नकवी ने कहा कि पीड़ितों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

इसके पहले पाकिस्तान की सरकारी मीडिया पीटीवी ने बताया था कि बचाव अधिकारियों को विस्फोट स्थल से 12 शव मिले हैं जिन्हें पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल में भिजवाया गया है। 20 घायलों को पीआईएमएस अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भर्ती किया गया है। पीटीवी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर का सिर सड़क पर पड़ा पाया गया। किसी भी समूह या व्यक्ति ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन यह हमला पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच उस तीसरे दौर की वार्ता के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें अफगानिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के मुद्दे से निपटने के लिए कोई समझौता नहीं हो सका।

रक्षा मंत्री ने इस्लामाबाद में हुए हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, काबुल के शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस युद्ध को इस्लामाबाद तक लाना काबुल से एक संदेश है, जिसका जवाब देने के लिए अल्लाह के रहमोकरम से पाकिस्तान के पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा, इस माहौल में, काबुल के शासकों के साथ सफल बातचीत की उम्मीद रखना बेमानी होगा।

इस्लामाबाद में आत्मघाती विस्फोट के बाद घटनास्थल पर पहुंचे लोग।

अफगानिस्तान आतंकवाद रोके वर्ना कार्रवाई करेंगे

गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को प्रायोजित करने वालों ने वित्तपोषण की राशि तीन गुना बढ़ा दी है। उन्होने कहा, हम आज के विस्फोट को कई कारकों से जोड़ रहे हैं। आने वाले घंटों में चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। इसके कई संदेश हैं। उन्होंने कहा, मैं इस समय कुछ नहीं कहना चाहता, जैसा अक्सर भारतीय ऐसी घटनाओं के तुरंत बाद दोषारोपण शुरू कर देते हैं। हम पूरे सबूत और विवरण के साथ आएंगे। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान का स्पष्ट मानना है कि अफगानिस्तान को अपनी धरती से आतंकवाद को रोकना चाहिए, अन्यथा हमें उनके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।

खैबर में विस्फोट में 16 सुरक्षाकर्मी घायल

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए आईईडी विस्फोट में 16 जवान घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना का काफिला डेरा इस्माइल खान जिले से लौट रहा था तभी सोमवार देर रात लोनी गांव में आईईडी विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले में कैडेट कॉलेज के मुख्य द्वार पर एक आत्मघाती हमले में छह घायल हो गए।

हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले को उपन्यास 'फ्लेश' के लिए बुकर पुरस्कार

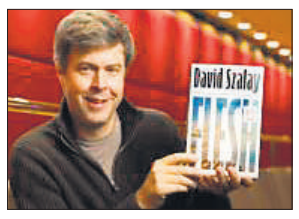

लंदन। हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले को उनके उपन्यास 'फ्लेश' के लिए बुकर पुरस्कार 2025 का विजेता घोषित किया गया। स्जेले ने भारतीय मूल की लेखिका किरण देसाई के उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सोनिया एंड सनी' को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान सोमवार रात लंदन में आयोजित एक समारोह में जीता।

स्जेले को एक ट्रॉफी और 50,000 पाउंड की नकद राशि पिछले वर्ष की बुकर पुरस्कार विजेता सामंथा हार्वे ने प्रदान की। उनका यह उपन्यास भावनात्मक रूप से अलग-थलग पड़े एक व्यक्ति की कहानी है, जिसकी जिंदगी उसके काबू से बाहर हो चुकी घटनाओं के कारण बिखर जाती है। बुकर पुरस्कार की जूरी ने कहा, सरल लेकिन सशक्त भाषा का प्रयोग करते हुए यह रोमांचक और प्रभावशाली पुस्तक एक व्यक्ति के जीवन का अत्यंत संवेदनशील चित्रण प्रस्तुत करती है। किरण दूसरी बार यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल करने से चूक गई हैं। बुकर के 56 साल के इतिहास में केवल पांच बार ऐसा हुआ है जब एक ही व्यक्ति ने दो बार यह पुरस्कार जीता है।

निठारी हत्याकांड: सुरेंद्र कोली आखिरी मामले से भी बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अनुमान के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता कानून, तत्काल रिहा करें

वर्ष 2006 के सनसनीखेज निठारी हत्याकांड के एकमात्र दोषी सुरेंद्र कोली को उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस तरह के आखिरी मामले में आरोपों से बरी कर दिया और आदेश दिया कि अगर किसी अन्य मामले में उसकी आवश्यकता न हो तो उसे तुरंत रिहा किया जाए।

निठारी हत्याकांड का यह 13वां मामला था जिसमें कोली को बरी किया गया। उसे पहले ही 12 संबंधित मामलों में बरी किया जा चुका है। निठारी हत्याकांड का खुलासा 29 दिसंबर, 2006 को नोएडा के निठारी में व्यवसायी मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे एक नाले से आठ बच्चों के कंकाल मिलने के साथ हुआ था। उस समय कोली पंढेर के घर में घरेलू सहायक था। निठारी में 15 वर्षीय लड़की के बलात्कार और हत्या से संबंधित मामले में कोली की दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली सुधारात्मक याचिका को स्वीकार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता है।

सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि निठारी में हुए अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। यह अत्यंत खेद की बात है कि लंबे समय तक की गई जांच के बावजूद, वास्तविक अपराधी की पहचान इस तरह से स्थापित नहीं हो सकी है जो कानूनी मानकों को पूरा करे। न्यायालय ने कहा कि संदेह, चाहे कितना भी गंभीर क्यों न हो, उचित संदेह से परे सबूत का स्थान नहीं ले सकता तथा न्यायालय वैधता के स्थान पर आसान समाधान को प्राथमिकता नहीं दे सकते। निर्दोष होने की धारणा उस समय तक बनी रहती है जब तक अपराध साबित न हो जाए, यह साबित होना चाहिए स्वीकृत और विश्वसनीय साक्ष्य के माध्यम से; और जब साक्ष्य विफल हो जाते हैं, तो केवल वैध परिणाम यह है कि सजा को रद्द कर दिया जाए, भले ही मामला भयानक अपराध से संबंधित ही क्यों न हो।

> जब जांच समय पर, पेशेवर तरीके से और संवैधानिक मानकों के अनुसार की जाती है तो सबसे कठिन रहस्यों को भी सुलझाया जा सकता है और कई अपराधों को शुरुआत में ही हस्तक्षेप से रोका जा सकता है। इस मामले में असली अपराधी की पहचान करने की प्रक्रियाओं में लापरवाही और देरी ने तथ्यों की खोज की प्रक्रिया को कमजोर किया और उन रास्तों को बंद कर दिया, जो असली अपराधी की पहचान कर सकते थे। - सुप्रीम कोर्ट की पीठ

अमेरिकी सीनेट ने शटडाउन समाप्त करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने सरकारी 'शटडाउन' समाप्त करने के लिए सोमवार को विधेयक पारित कर दिया और इसी के साथ इतिहास का सबसे लंबा 'शटडाउन' खत्म होने के करीब पहुंच गया।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक छोटे समूह ने अपनी पार्टी के भीतर तीखी आलोचना के बावजूद रिपब्लिकन के साथ एक समझौते की पुष्टि की जिसकी मदद से यह विधेयक पारित हुआ। पिछले 41 दिन से जारी शटडाउन कुछ और दिन जारी रह सकता है क्योंकि संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा के सदस्य सितंबर के मध्य से अवकाश पर हैं। वे विधेयक पर मतदान करने के लिए वाशिंगटन लौटेंगे।

- खत्म होने के करीब पहुंचा अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन

राष्ट्रपति ट्रंप ने विधेयक के प्रति समर्थन का संकेत देते हुए कहा, हम जल्द ही शटडाउन समाप्त करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक समूह ने स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के विस्तार की गारंटी के बिना चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की जिससे उनके कॉकस के कई सदस्य नाराज हो गए। इस कॉकस का कहना है कि अमेरिकी चाहते हैं कि सब्सिडी के लिए लड़ाई जारी रखी जाए।

सीरियाः राष्ट्रीय संग्रहालय से रोमन काल की मूर्तियां चोरी

दमिश्क। सीरिया की राजधानी स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय से चोरों ने रोमन काल की कई प्राचीन मूर्तियां चुरा लीं। घटना के बाद संग्रहालय को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया।

लंबे गृहयुद्ध और 54 साल के असद परिवार के शासन के पतन से जूझ रहे देश में संग्रहालय जनवरी में फिर से खोला गया था। मध्य दमिश्क स्थित देश के इस सबसे बड़े संग्रहालय में इतिहास से जुड़ी अमूल्य प्राचीन वस्तुएं रखी हैं। देश में अराजकता के माहौल के बाद संग्रहालय में धातु के गेट और निगरानी कैमरे लगाए गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि संगमरमर की छह मूर्तियां चोरी हो गई हैं।

भूटान के साथ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने का आह्वान

थिंपू, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और भूटान सिर्फ सीमाओं से ही नहीं, बल्कि संस्कृति से भी जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और कनेक्टिविटी बढ़ाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुंच और आसान हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत-भूटान जलविद्युत सहयोग की नींव पूर्व नरेश के नेतृत्व में रखी गई थी। मोदी ने सतत विकास और पर्यावरण-प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भूटान के नेतृत्व की सराहना की।

भूटान नरेश और महारानी के साथ मोदी ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की पूजा की।

- भूटान यात्रा पर गए मोदी ने एक कार्यक्रम में की टिप्पणी

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 12 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 22.58 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

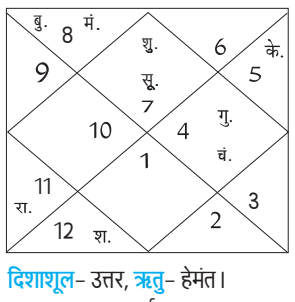

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 18.35 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज किसी को बिना मांगे राय न दें। अपने व्यवहार को लेकर लोगों के बीच केन्द्र बने रहेंगे। नया व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं। गले में इन्फेक्शन और जुकाम की समस्या हो सकती है। किसी दीर्घकालिक लक्ष्य को लेकर आप योजना बना सकते हैं।

वृष — आज कारोबार में आपको अपेक्षाकृत लाभ प्राप्त होगा। उलझे हुए मामलों को आप सुलझाने का प्रयास करें। आप काफी ज्यादा व्यस्त रहेंगे। अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपकी सेहत बहुत ही अच्छी रहेगी।

मिथुन — आज आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें। तनाव आपके ऊपर हावी हो सकता है। धन उधार देने से आपको बचना चाहिए। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क — आज नई संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। आप सभी कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे। पुराने मित्रों से अपेक्षित सहायता मिलेगी। नया कारोबार शुरू करने के योग बन रहे हैं। पति-पत्नी के मध्य आपसी सामंजस्य बहुत अच्छा रहेगा।

सिंह — आज दोस्तों पर आंख-मूंदकर विश्वास न करें। कुछ इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज खराब हो सकती हैं। मानसिक अशांति के कारण एकाग्रता में कमी रहेगी। एक साथ अनेक कार्य करने पड़ेंगे। बच्चों के ऊपर गर्व की अनुभूति होगी।

कन्या — आज साझेदारी वाले व्यवसाय में विशेष उन्नति की संभावना बन रही है। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। जोखिम भरे निवेश लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

तुला — आज बहुत सारा समय आत्ममंथन में व्यतीत होगा। सोशल मीडिया पर आप महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। व्यापार में कुछ कमी महसूस होगी। दांपत्य संबंधों में निकटता बढ़ेगी। आपको सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है।

वृश्चिक — आज आपके भीतर नई ऊर्जा का संचार होगा। गृहकार्यों में पूरा ध्यान नहीं दे पाएंगे। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं। आपको दूसरो पर अधिक निर्भर होने से बचना चाहिए। अपनी आवश्यकताओं से अधिक धन खर्च न करें।

धनु — आज धैर्य में कमी होने के कारण महत्वपूर्ण अवसरों को खो सकते हैं। आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। गलत कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट आदि के दौरान विशेष सावधानी रखें।

मकर — आज व्यापारियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान दें। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। नई वस्तुओं को खरीद सकते हैं। पुराने ऋणों को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है। घर के अनुभवी सदस्यों से राय अवश्य लें।

कुंभ — आज नई व्यापारिक साझेदारी होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी पूर्वक बयानबाजी करनी चाहिए। समाज में आपको मान-सम्मान की चिंता रहेगी। वरिष्ठ अधिकारियों से बहसबाजी न करें।

मीन — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ हंसी-मजाक भरा समय बिताएंगे। मानसिक तनाव और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। तकनीकी विषयों के अध्ययन में आप रुचि ले सकते हैं।

सुडोकू-158

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
	2			6				
			7					
4								8
				3				
					4			
							7	
		5			1			

सुडोकू - 157 का हल

4	1	2	9	8	5	3	6	7
7	8	6	1	4	3	2	9	5
5	9	3	6	7	2	1	4	8
1	3	4	8	9	7	6	5	2
2	7	5	3	1	6	9	8	4
8	6	9	2	5	4	7	1	3
9	5	7	4	3	1	8	2	6
6	4	8	7	2	9	5	3	1
3	2	1	5	6	8	4	7	9

मैं कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं। बाकी टीम के बारे में, मैं नामों की घोषणा बाद करूंगा। कर्नाटक क्रिकेट का स्तर खासकर पिछले तीन सालों में तेजी से गिरा है।

-वेंकटेश प्रसाद, पूर्व तेज गेंदबाज

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, बुधवार 12 नवंबर 2025

हाईलाइट

रिजवान ने जानकारी दी, तभी मैंने कप्तानी स्वीकार की : शाहीन

रावलपिंडी : पाकिस्तान के वनडे कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने दावा किया है कि उन्होंने कप्तानी तभी स्वीकार की जब उनके पूर्ववर्ती मोहम्मद रिजवान ने उन्हें यह पद छोड़ने की जानकारी दी। शाहीन ने सोमवार को मीडिया से कहा मैंने रिजवान से इस मामले पर चर्चा करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से यह जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा रिजवान एकमात्र व्यक्ति थे जिनसे मैंने चर्चा की और मैंने उनसे पूछा कि मेरे कप्तानी स्वीकार करने के बारे में उन्हें कैसा लगा। शाहीन ने कहा रिजवान ने खुद फैसला किया कि वह मेरे लिए जगह बनाएंगे और इस तरह चीजें आगे बढ़ी।

आईपीएल नीलामी अबू धाबी में होगी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र की नीलामी दिसंबर के मध्य में अबू धाबी में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। दुबई (2023) और जेद्दा (2024) के बाद यह लगातार तीसरी बार होगा जब नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी। नीलामी का आयोजन 15 या 16 दिसंबर को होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा अबू धाबी को नीलामी स्थल के रूप में चुना गया है।पिछले साल सऊदी अरब में हुई मेगा नीलामी के बाद यह एक छोटी नीलामी होगी।

अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे वेंकटेश

बेंगलुरु। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि वह 30 नवंबर को होने वाले चुनावों में कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। द कैपिटल होटल में 'टीम गेम चेंजर्स' द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रसाद ने कहा कि वह जल्द ही अपनी बाकी टीम के नामों का खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा पिछले 12 साल मुश्किल रहे हैं, लेकिन खासकर पिछले तीन साल बहुत निराशाजनक रहे हैं। महिला क्रिकेट पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि लीग मैच और चयन प्रक्रिया भी अव्यवस्थित तरीके से हो रही हैं।

एटीपी फाइनल्स में सिनर की शानदार शुरुआत

तूरिन (इटली)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 7-5, 6-1 से हराकर खिताब बचाने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सिनर को साल के आखिर तक अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखने के लिए दुनिया के चोटी के आठ खिलाड़ियों के बीच चल रहे सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट में जीत दर्ज करनी होगी और इसके साथ ही उम्मीद करनी होगी कि कार्लोस अल्काराज़ फ़ाइनल में न पहुंचें।

क्रैमनिक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रैमनिक के खिलाफ अपने नैतिकता एवं अनुशासन आयोग (ईडीसी) में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। क्रैमनिक ने ग्रैंडमास्टर डैनियल नारोदित्स्की और ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा के खिलाफ सार्वजनिक रूप से धोखाधड़ी के बार-बार आरोप लगाए हैं। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में 29 साल की उम्र में अपने चौंकाने वाले निधन से कुछ महीने पहले नारोदित्स्की पर क्रैमनिक ने धोखाधड़ी के निराधार आरोप लगाए थे।

दिल्ली 65 वर्षों में पहली बार जम्मू-कश्मीर से हारी

- सात बार की रणजी चैंपियन टीम की गिरती साख का कारण गुटबाजी व अंदरूनी कलह
- ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर दिल्ली को नॉकआउट के लिए चमत्कार की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली क्रिकेट को नई शर्मिंदगी से दोचार होना पड़ा जब सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार शतक की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने मंगलवार को यहां उसे सात विकेट से शिकस्त देकर उसके खिलाफ रणजी ट्रॉफी में 65 साल में पहली जीत दर्ज की।

दिल्ली क्रिकेट की गिरती साख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम तीन घरेलू मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल कर सकी। टीम कुल सात अंकों के साथ ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर है और उसे नॉकआउट के लिए क्वालीफाई के लिए चमत्कार की जरूरत होगी। सात बार की रणजी चैंपियन दिल्ली की टीम के इस तरह के पतन के कई कारण है जिसमें संदिग्ध चयन, खराब रणनीतियां, चतुर कप्तानी के अभाव के अलावा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में गुटबाजी और अंदरूनी कलह प्रमुख है। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर की टीमों ने 1960 से अब तक 43 बार एक दूसरे का आमना सामना किया है और इनमें से 37 मैचों में दिल्ली ने जीत दर्ज की है जबकि जम्मू कश्मीर की यह पहली जीत है।

जीत के लिए 179 रन का पीछा कर रही जम्मू कश्मीर को मैच के आखिरी दिन 124 रन की जरूरत थी। सलामी बल्लेबाज इकबाल ने 147 गेंद में नाबाद 133 रन बनाकर जम्मू कश्मीर को आसान जीत दिला दी। जम्मू कश्मीर ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 55 रन पर दो विकेट से आगे से की। इकबाल ने रात्रि प्रहरी वंशज शर्मा (60 गेंद में आठ रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत से दूर कर दिया। बीते दिन जिस पिच पर बल्लेबाजों को परेशानी का सामना करना पड़ा था वहां इकबाल ने जिम्मेदारी उठाते हुए मनन भारद्वाज और ऋतिक शौकिन जैसे दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी की। इन स्पिनरों को पिच से कोई खास मदद नहीं मिली। इकबाल ने शतकीय पारी के दौरान एक हाथ से स्लॉग स्वीप पर मन मुताबिक बाउंड्री लगाये। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने भी इस मैच की पहली पारी में शतक लगाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के उपरांत एक-दूसरे का औपचारिक अभिवादन करते जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के खिलाड़ी।

गिल ने लंबे समय तक किया अभ्यास

जायसवाल व सुदर्शन ने भी बहाया पसीना, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट 14 से

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल। एजेंसी

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि सीमित ओवरों के प्रारूपों से लाल गेंद वाले क्रिकेट में बदलाव में समय लगता है और इसलिए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अपनी तकनीक को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार को यहां नेट्स पर करीब डेढ़ घंटा बिताया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है क्योंकि पिछले महीने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच की सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराई थी। गिल ने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अर्धशतक और नाबाद शतक लगाया था, लेकिन इसके बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह रन बनाने के लिए जूझते रहे। वह ऑस्ट्रेलिया में वनडे और टी-20 मैचों की आठ पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए और उनका उच्चतम स्कोर 46 रन रहा। लेकिन टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद वह प्रतिबद्ध दिखे और उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत की। नेट अभ्यास से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सीतांशु कोटक को उनके साथ लंबी बातचीत करते हुए देखा गया, जिसमें संभवतः उनके खेलने के तरीके पर चर्चा की गई। गिल बाद में स्लिप में फील्डिंग के अभ्यास के लिए अपने साथियों के साथ शामिल हुए और फिर यशस्वी जायसवाल के साथ नेट पर अभ्यास करने के लिए चले गए। स्पिन से शुरुआत करते हुए उन्होंने रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर का सामना किया।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबॉल खेलते दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम व अन्य खिलाड़ी। एजेंसी

तेज गेंदबाजी की नेट पर गिल ने पहले जसप्रीत बुमराह का कुछ ओवरों तक सामना किया। इसके बाद उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी और कुछ स्थानीय क्लब गेंदबाजों का सामना भी किया। इसके बाद सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने उनके लिए ऊंचाई से थ्रोडाउन करने के लिए साइडआर्म का इस्तेमाल किया। गिल नेट पर एक घंटे से अधिक समय बिताने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल की निगरानी में 30 मिनट तक थ्रोडाउन पर अभ्यास करने के लिए पिच पर चले गए। गेंदबाजी कोच ने यहां पर उनके लिए करीब से खुद गेंदबाजी की। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के लिए 67 और 156 रन की पारी खेलने वाले जायसवाल ने भी लंबे समय तक विकेट पर मोर्केल और थ्रोडाउन का सामना किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज़ सहज लय में दिख रहा था तथा आत्मविश्वास के साथ ड्राइव और पुल कर रहा था। नेट पर महत्वपूर्ण समय बिताने वाले एक अन्य बल्लेबाज तमिलनाडु के युवा साई सुदर्शन थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दो अनधिकृत टेस्ट मैचों में केवल 84 रन बनाए थे।

ध्रुव जुरेल ने मजबूत की दावेदारी

ध्रुव जुरेल ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे मैच में दोनों पारियों में शतक लगाकर भारतीय बल्लेबाजी क्रम में एक स्थान के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है और इसमें तीसरा नंबर भी शामिल है। ऐसी अटकलें हैं कि जुरेल को बतौर बल्लेबाज टीम में रखा जा सकता है चूंकि चोट से उबरकर विकेटकीपर ऋषभ पंत खेलने जा रहे हैं। जुरेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला शतक जड़ा और टेस्ट में उनका औसत 47 . 77 है । लगभग तीन घंटे के अभ्यास के बाद गंभीर, कोटक, मोर्केल और गिल ने मुख्य पिच का निरीक्षण किया और वहां पर लंबे समय तक चर्चा की।

दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली के लागू होने की संभावना नहीं

फिर शुरू हो सकती है एकदिवसीय सुपर लीग

आईसीसी एकदिवसीय मुकाबलों में सुपर लीग की अवधारणा को पुनर्जीवित करने पर भी विचार कर सकता है जिसे 2023 विश्व कप के बाद समाप्त कर दिया गया था। एकदिवसीय प्रारूप को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए 2020 में इसकी अवधारणा बनाई गई थी लेकिन 13 टीम की प्रणाली अपेक्षा के अनुरूप आगे नहीं बढ़ पाई। आईसीसी बैठक में शामिल हुए कई सदस्यों का मानना था कि 50 ओवरों का प्रारूप खत्म होने के कगार पर नहीं है और अगर इसे उचित ढांचा प्रदान किया जाए तो यह बरकरार रह सकता है।

दुबई, एजेंसी

बहुचर्चित दो स्तरीय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्रणाली के लागू होने की संभावना नहीं है और इसकी जगह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2027 के मध्य से शुरू होने वाले अगले डब्ल्यूटीसी चक्र में सभी 12 पूर्ण सदस्यों को खेलने का मौका दे सकता है। अभी नौ पूर्ण सदस्य डब्ल्यूटीसी मुकाबलों में भाग लेते हैं जबकि जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान और आयरलैंड पूर्ण सदस्य का दर्जा होने के बावजूद इस विशिष्ट समूह का हिस्सा नहीं हैं।

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज के नेतृत्व में एक मूल्यांकन समूह ने दो स्तरीय प्रणाली की अवधारणा पर विचार किया था लेकिन हाल ही में दुबई में हुई आईसीसी की तिमाही बैठक के दौरान इसे पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया दो स्तरीय प्रणाली पर चर्चा हुई, लेकिन कुछ सदस्य इस मॉडल से सहमत नहीं थे और उनका मानना था कि 12 टीम की प्रणाली को आजमाया जाना चाहिए क्योंकि इससे टीमों को एक-दूसरे के खिलाफ खेलने के अधिक मौके मिल ते हैं।इस विचार का विरोध मुख्य रूप से पाकिस्तान, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की ओर से हुआ जो प्रस्तावित दो स्तरीय प्रणाली के तहत टियर दो में शुरुआत कर सकते थे।

सूत्र ने कहा यहां तक कि कुछ शीर्ष बोर्ड के प्रतिनिधि भी इस विचार को लेकर संशय में थे क्योंकि अगर कोई शीर्ष टीम संघर्ष के दौर से गुजरती है और दूसरे स्तर में खिसक जाती तो क्या होगा? इससे खेलने के अवसरों और राजस्व दोनों पर असर पड़ेगा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख रिचर्ड थॉम्पसन ने अगस्त में इसी तरह की आशंकाएं जताईं थीं। उन्होंने बीबीसी से कहा था हम नहीं चाहेंगे कि इंग्लैंड मुश्किल दौर का सामना करे और इसका मतलब है कि हम डिवीजन दो में आ जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया तथा भारत के साथ नहीं खेल पाएंगे। यह भावना भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड द्वारा निचले स्तर की टीमों को वित्तीय सहायता देने की बातचीत को खारिज करने में भी झलकती है।

डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है श्रृंखला

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करेंगे सिराज
- भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पूरा विश्वास है कि वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ के शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में दमदार प्रदर्शन करेंगे।

भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है। उसने इस चक्र के शुरू में घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैच में हराने से पहले इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की सीरीज 2-2 से बराबर की थी। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका ने अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 1-1 से ड्रॉ के साथ की।

मोहम्मद सिराज। फाइल फोटो

सिराज ने जियोस्टार पर कहा, यह श्रृंखला नए डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका गत चैंपियन है। भले ही उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली, लेकिन हम अपनी अच्छी फॉर्म से आश्वस्त हैं। हमने सकारात्मक माहौल तैयार किया है। हमने इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल की। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और वह 23 विकेट लेकर श्रृंखला में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे।

निशानेबाजी में ऐश्वर्य ने जीता रजत पदक

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप

- ईशा और राणा की जोड़ी भी दूसरे स्थान पर रही

काहिरा, एजेंसी

ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने मंगलवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। ईशा सिंह और सम्राट राणा की भारतीय जोड़ी ने भी इसके बाद 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन के कियानक्सुन याओ और काई हू की जोड़ी से 10-16 से हार का सामना करना पड़ा। ईशा और सम्राट ने कुल 586 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सुरुचि सिंह और श्रवण कुमार 579 अंक हासिल करने के बावजूद फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। ऐश्वर्य ने 466.9 अंक हासिल किए और चीन के युकुन लियू (467.1) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का कांस्य पदक फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे (454.8) ने जीता। फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय नीरज कुमार 432.6 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

सुधार की कवायद

इंडियन सुपर लीग के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए कोई बोली नहीं मिलने के बाद बढ़ी व्याकुलता

फुटबॉलरों की अपील-जल्द शुरू करें आईएसएल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान जारी कर प्रशासकों से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का नया सत्र जल्दी से जल्दी शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि उनका गुस्सा और हताशा अब व्याकुलता में बदल गई है।

यह अपील ऐसे समय में की गई है जब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि 16 अक्टूबर को आईएसएल के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए अनुरोध (आरएफपी) के बाद उसे कोई बोली नहीं मिली है।

इस आरएफपी में लीग के वाणिज्यिक और मीडिया अधिकारों के लिए 15 साल के अनुबंध के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं।

स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा अभी हम जहां हैं, वहां से देरी करना अच्छा नहीं होगा। कोच, प्रशंसक, स्टाफ के सदस्य और खिलाड़ियों के लिए सब कुछ ठहर गया है। हमने बहुत मेहनत की है। हमने बहुत त्याग किया है और हम अपने सत्र को यूं ही खत्म नहीं होना देना चाहते हैं।

उन्होंने कहा पूरा भारतीय फुटबॉल तंत्र अनिश्चितता में डूबा हुआ है। सपने थम गए हैं। भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। हर दिन हम इंतजार करते हैं। हम व्याकुल हैं। हमें तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है।

गोलकीपर गुरप्रीत वालिया जैसे राष्ट्रीय टीम के कई फुटबॉलरों ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए एक संदेश साझा किया। खिलाड़ियों ने बयान में कहा हम इंडियन सुपर लीग में खेलने वाले पेशेवर फुटबॉलर मिलकर यह अपील करते हैं कि हम इंडियन सुपर लीग का सत्र शुरू करने के लिए एकजुट हैं। सीधे शब्दों में कहें तो हम खेलना चाहते हैं। बयान में कहा गया है हमारे गुस्से, हताशा और परेशानी की जगह अब व्याकुलता ने ले ली है। हम उस खेल को खेलने के लिए बेताब हैं जिसे हम प्यार करते हैं। हम अपने परिवार और प्रशंसकों के लिए खेलने को लेकर बेताब हैं जो हमारे लिए सब कुछ हैं।

बयान में खेल प्रशासकों से आग्रह किया गया कि वे मौजूदा संकट से निपटने का रास्ता निकालें। इसके कारण मोहन बागान जैसे शीर्ष क्लबों को अपना अभ्यास सत्र रोकना पड़ा है।

'हमारी हताशा पर ईमानदारी से गौर करें'

यह देश में हमारे खेल को संचालित करने वाले सभी लोगों से एक अपील है कि वे फुटबॉल सत्र को शुरू करने के लिए जो भी संभव हो वह करें। भारत को प्रतिस्पर्धी फुटबॉल की आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। खिलाड़ियों ने बयान में कहा जहां तक हमारा सवाल है तो हम प्रतिबद्ध हैं, पेशेवर हैं और जैसे ही हमें बताया जाएगा हम तुरंत खेलने के लिए तैयार हैं। हम इस शानदार खेल को संचालित करने वाले लोगों से बस यही चाहते हैं कि वह हमारी हताशा पर ईमानदारी से गौर करें। हम पिछले एक लंबे समय से खुद को अंधेरी सुरंग में पा रहे हैं और हमें तत्काल रोशनी दिखाने की जरूरत है।